हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

14 जनवरी, 2006

खण्ड–1, अंक–2

अधिकृत विवरण

विषय सूची

शनिवार, 14 जनवरी, 2006

	पृष्ठ संख्या
मकर संक्रांति	(2) 1
ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सूचना/वाक आऊट	(2) 1
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा	(2) 3
बैठक का स्थगन	(2) 52
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(2) 52

मूल्य : 58

HVS/Lib/10

हरियाणा विधान सभा

शनिवार, 14 जनवरी, 2006

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (डॉ० रघुवीर सिंह कादियान) ने अध्यक्षता की।

मकर संक्रांति

Mr. Speaker : Hon'ble Members, first I should congratulate you on the eve of this great festival of Makar Sankranti और परमात्मा से प्रार्थना करता हूँ कि ये त्यौहार आप सभी के लिए सुख, समृद्धि और शान्ति लाये।

Voices : Same to you, Sir.

ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सूचना / वाक आऊट

Dr. Sushil Indora : Mr. Speaker Sir, before starting discussion on the Governor's Address I want to ask the fate of my calling attention motions regarding shortage of power in the State and regarding massive damage of crops due to hailstorms, severe cold and frost in the State. (Interruptions)

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा साहब, आप इस मामले को जीरो ऑवर में उठा सकते हैं। यह कन्वैशन और ट्रेडीशंज रही हैं कि क्वैश्चन ऑवर के बाद जीरो ऑवर होता है लेकिन क्वैश्चन ऑवर है नहीं, इसलिए जीरो ऑवर नहीं होगा, इसलिए अब आप बैठ जाएं। (विघ्न)

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर सर, जीरो ऑवर तो होगा नहीं once the discussion starts there will be no zero hour, Speaker Sir, may I know the fate of my calling attention motions. (Noise and interruptions)

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा साहब, आप बड़े तजुर्बेकार हैं। आपकी तरफ से कोई क्वैश्चन ही नहीं आया इसलिए आज कोई क्वैश्चन ऑवर नहीं है। (विघ्न)

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर सर, यह सैशन बहुत शॉर्ट ड्यूरेशन पर बुलाया गया था इसलिए हम क्वैश्चन भेज नहीं सके। क्वैश्चन ऑवर न होने के कारण आप कह रहे हैं कि जीरो ऑवर नहीं है,

[डॉ० सुशील इन्दौरा]
इसलिए राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर डिस्कशन सीधे ही शुरू हो रही है। I want to know about my calling attention motions. (Interruption)

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा साहब, आपके अलावा इस सदन में 89 सदस्य और भी हैं। If you will interrupt the proceedings of the House in this manner then how the debate will take place. (Interruptions) You are a very experienced and seasoned parliamentarian. So, please don't adopt this type of manner.

Dr. Sushil Indora : Sir, I do not want to interrupt the proceedings of the House. I only want to know what happened to my calling attention motion. (Interruptions)

श्री एस.एस. सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। आज गवर्नर एड्रेस पर चर्चा होनी है उस चर्चा में ये कुछ भी बोल सकते हैं। लेकिन अब ये जान-बूझकर सदन की कार्यवाही में इन्टरफियर करने के लिए यह बात कह रहे हैं। (शोर एवं विघ्न)

Mr. Speaker : Indora ji, you can refer your matter in the discussion of Governor's Address.

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मैंने एक कालिंग अटैंशन मोशन दिया है that is the proceedings of the House. उसके बारे में मुझे जानने का हक है कि उसका फेट क्या है, वह मोशन कंसीडर हो रहा है या रिजैक्ट हो गया है। क्वैश्चन ऑवर तो हो नहीं रहा। यह सत्र शॉर्ट स्पैल में बुलाया गया है इसलिए प्रश्न भेजने का कोई औचित्य बनता नहीं था (विघ्न)।

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा साहब, इस बारे में मैं आपको अलग से बता दूंगा। आप मेरे चैम्बर में आ जाना। आप जानते हैं कि ऐसे मामले जीरो ऑवर में उठाये जाते हैं परन्तु अब की बार क्वैश्चन ऑवर न होने के कारण जीरो ऑवर भी नहीं है। If question hour is not there in the house then जीरो ऑवर का कोई प्रोवीजन नहीं है वह आप जानते हैं। You can raise your issues so far as your calling attention motion are concerned, in the zero hour.

Dr. Sushil Indora : Sir, I have raised most important issues through my calling attention motions.

Mr. Speaker : Indora Ji, don't interrupt the House.

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मैंने बहुत महत्त्वपूर्ण मामला उठाया है।

Mr. Speaker : Indora ji, it is very first day. You have assured me to

give your full co-operation. Thank you, please take your seat. Now, Shri Anand Singh Dangi, MLA may move his motion please.

डॉ० सुशील इन्दौरा : मैं इस बारे में पूछ सकता हूँ, यह मेरा हक है। इस बारे में आप मुझे बतायें कि मेरे कालिंग अटैंशन मोशन का क्या हुआ ? (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : मुझे बताने में यह प्रोबल्म है कि Rules are not permitting. Rules are there. You can only raise the issue of your calling attention motion only in the zero hour. जब आप रूल्ज और रैगुलेशन को समझने की कोशिश नहीं कर रहे तो it is very unfortunate.

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर साहब, आप हमें हमारे कालिंग अटैंशन मोशन का फेट नहीं बताते तो हम ऐज ए प्रोटैस्ट सदन से वाक आउट करते हैं।

(इस समय इंडियन नैशनल लोक दल के सदन में उपस्थित सभी सदस्य सदन से वाक आउट कर गये।)

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now discussion on Governor's Address will take place. Shri Anand Singh Dangi, will move the motion.

श्री आनन्द सिंह डांगी (महम) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि --

" कि इस सत्र में इकट्ठे हुये हरियाणा विधान सभा के सदस्य उस अभिभाषण के लिये राज्यपाल महोदय के अत्यन्त कृतज्ञ हैं जो उन्होंने 13 जनवरी 2006 को 2.00 बजे (मध्याह्न) पश्चात् सदन में देने की कृपा की है।"

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं आपको इस गौरवमयी सदन का अध्यक्ष चुने जाने के लिये बधाई देता हूँ। चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने आपका नाम इस गौरवमयी सदन के अध्यक्ष के लिये चुना है इसके लिये मैं चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी को भी हार्दिक बधाई देना चाहता हूँ। अध्यक्ष महोदय, आपका जीवन बाल्यकाल से लेकर अब तक चाहे विद्यार्थी जीवन रहा हो, चाहे शिक्षण संस्थाओं में कार्य करने का समय रहा हो और उसके बाद चाहे इस प्रदेश की बहबूदी के लिये, विकास के लिये, तरक्की के लिये, हक हकूकों के लिये जो भी आपका जीवन बीता, आपने सही और सच्चे तरीके से हर मसले को एक बेहतरीन ढंग से हल किया। आपने हमेशा हरियाणा प्रदेश के हकों के लिये लड़ाई लड़ी और एक न्यायिक संघर्ष किया। जिस रास्ते पर और जिन मुद्दों पर आपने लड़ाई लड़ी वे हरियाणा प्रदेश के हितों के सही मुद्दे रहे और उन्हीं की बदौलत आज हरियाणा प्रदेश में एक ऐसी लोकप्रिय सरकार स्थापित है, जिसके बारे में मैं कह सकता हूँ कि आने वाले वक्त में पूरे देश में इस सरकार का एक गौरवमय स्थान इस देश की राजनीति में होगा, मैं इसके लिये आपको बधाई देता हूँ और आशा रखता हूँ कि जिस ढंग

[श्री आनन्द सिंह डांगी]

से आपने न्याय की लड़ाई लड़ी और न्याय के लिए संघर्ष किया उसी ढंग से इस गौरवमयी सदन को चलाने में किसी प्रकार की कोई कसर न छोड़ते हुये एक ऐतिहासिक कार्य करके इस सदन में एक मिसाल प्रस्तुत करेंगे। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश की सरकार जिसको बने केवल मात्र 10 महीने हुये हैं और इन 10 महीनों के कार्यकाल की उपलब्धियां बताने के लिये महामहिम राज्यपाल महोदय का अभिभाषण कल सवा घंटे तक चला, इससे स्पष्ट हो जाता है कि वर्तमान सरकार जन हितों के कार्यों में कितनी अधिक रुचि ले रही है। यह सरकार इस प्रदेश की प्रगति के लिये, लोगों की समृद्धि और खुशहाली के लिये प्रदेश के चहुँमुखी विकास के लिये तत्पर है। हरियाणा प्रदेश प्रति व्यक्ति आय में देश में सबसे अग्रणी स्थान प्राप्त कर चुका है। जिस ढंग से आदरणीय मुख्यमंत्री जी के दिशा-निर्देशों में कल्याणकारी योजनायें लगातार आये दिन लागू की जा रही हैं उससे लगता है कि वह दिन दूर नहीं कि जब यह प्रदेश पूरे देश में अग्रणी स्थान प्राप्त करेगा और हिन्दुस्तान में नम्बर-1 पर स्थापित होगा। अध्यक्ष महोदय, यह जो सरकार आज हरियाणा प्रदेश के लिये प्रस्तुत है, इसने हमेशा जन हित में आवाज उठाकर अनेकों कल्याणकारी योजनायें लागू की हैं और अपनी कथनी और करनी में किसी प्रकार का फर्क न करते हुये जो कुछ कहा है वह जनहित के कार्यों के लिये किया भी है। अध्यक्ष महोदय, सबसे पहला कार्य किसी देश और प्रदेश के राजा का, मुख्यमंत्री का या प्रधानमंत्री का यह हुआ करता है, कि उसके प्रदेश के अंदर कानून व्यवस्था पूर्ण रूप से नियन्त्रित रहे और हर नागरिक को चैन से, अमन से तथा सुख शांति से जीने का अधिकार मिले और किसी को किसी प्रकार की दिक्कत अपने जीवन को आगे बढ़ाने के लिये नहीं होनी चाहिये। इसके लिये मैं माननीय मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी को बधाई देना चाहता हूँ कि आज हमारी सरकार बने दस महीने हुये हैं लेकिन जिस ढंग से इन दस महीनों के थोड़े से समय में कानून व्यवस्था में सुधार हुआ है वह अपने आप में एक मिसाल है। पहले वाली सरकार के समय में जिस तरीके से लोगों के मान-सम्मान के साथ, इज्जत के साथ खिलवाड़ किया गया वह सभी को मालूम है। पिछली सरकार के समय में कोई भी व्यक्ति किसी तरीके से अपने आपको सुरक्षित महसूस नहीं करता था चाहे कोई दुकानदार था, चाहे कोई व्यापारी था, चाहे हमारी बहन-बेटियां थीं। सभी लोग अपने आपको पिछली सरकार के समय में असुरक्षित समझते थे। लेकिन हमारी सरकार बनने के बाद कानून व्यवस्था में बहुत सुधार हुआ है और आज हर व्यक्ति चैन की नींद सोता है। आज मैं फख्र के साथ कह सकता हूँ कि हरियाणा प्रदेश में पूर्ण रूप से अमन-चैन है, हो सकता है कोई एक-आध व्यक्ति आज भी तकलीफ में हो। जैसा पहले कहा करते थे कि वह राजा ही क्या वह मुख्यमंत्री ही क्या जिसके नाम लेने से लोग चारपाई से नीचे न गिर जायें। आज ऐसा वक्त है कि हमारी सरकार का शासन बहुत अच्छे तरीके से चल रहा है और कानून व्यवस्था की हालत बहुत अच्छी है। पूर्व मुख्यमंत्री चारपाई से गिर रहे हैं, कभी उनकी कुल्ली टूटती है, कभी हाथ टूटता है तो कभी पांव टूटता है। मैं कहना चाहूँगा कि यह सिलसिला रुकेगा नहीं ऐसे ही चलता रहेगा और वे कभी सदन में नहीं आ पायेंगे।

श्रीमती रेखा राणा : अध्यक्ष महोदय, * * * * *(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : बहन जी प्लीज, आप बैठें।

* चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया।

श्री आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, जो बातें सच हैं उनको तो सुनना ही पड़ेगा।

श्रीमती रेखा राणा : अध्यक्ष महोदय, * * * (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, * * * (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : चेयर की परमिशन के बगैर जो बोल रहे हैं वह रिकॉर्ड न किया जाये। इन्दौरा साहब, आप सीजन्ड पार्लियामैंटेरियन हैं, आपको चेयर के आदेश बिना नहीं बोलना चाहिये। प्लीज आप बैठें। (शोर एवं व्यवधान) बहन जी, आप भी बैठें।

श्रीमती रेखा राणा : अध्यक्ष महोदय, हम मुख्यमंत्री जी के खिलाफ एक बात भी नहीं सुनेंगे।

श्री अध्यक्ष : बहन जी, मुख्यमंत्री जी के खिलाफ तो कोई बात नहीं कह रहे। प्लीज आप बैठें।

श्रीमती रेखा राणा : अध्यक्ष महोदय, मैं हमारे नेता और पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला जी की बात कर रही हूँ।

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : अध्यक्ष महोदय, इनका मुख्यमंत्रीपन का खुमार अभी उतरा नहीं है। सदन में माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा चल रही है। ओम प्रकाश चौटाला जी को पूरी तरह से हरियाणा प्रदेश की जनता ने नकार दिया है। उनकी कई-कई बार हार हुई है उसको न तो इनके नेता भूल पा रहे हैं और न इन्दौरा साहब और इनके साथी भूल पा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, सच बात तो यह है कि ये लोग प्रजातांत्रिक लड़ाई न लड़कर फिजूल में ही अनाप-शनाप और अनर्गल बातें कर रहे हैं। इस तरह की प्रथा इनकी पार्टी की पुरानी प्रथा रही है। ये लोग काम की बातें नहीं सुनना चाहते। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, * * * (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा साहब, आप सीजन्ड पार्लियामैंटेरियन हैं, आपको चेयर की परमिशन के बगैर ऐसे ही खड़ा नहीं होना चाहिये।

श्री आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, यह कहावत मशहूर है कि चोरों को सब नजर आते हैं चोर। हमें इस बात के लिये खुशी होती यदि पहले 5 साल के लिये इस हरियाणा प्रदेश की कुर्सी पर बैठकर जिस प्रकार से उस कुर्सी को कलंकित कर के गये हैं आज वे हमारे सामने बैठे होते तो पता चलता कि किस में कितना दम है। कुदरत बहुत बड़ी है, भगवान परम शक्तिशाली हैं और जो व्यक्ति जैसा कर्म करता है उसको उसका वैसा ही फल देता है। जो व्यक्ति जनता के साथ खिलवाड़ करता है, जो व्यक्ति जनता को धोखा देता है, झूठ बोलकर राजनीति करने की कोशिश करता है, प्रदेश को लूटने का काम करता है; उसका वही हश्र होता है जो चौधरी ओम प्रकाश चौटाला का हुआ है और आज वह चारपाई पर पड़ा हुआ है। इसमें कोई शक की बात नहीं है कि हरियाणा प्रदेश की जनता ने जिस विश्वास के साथ उनको बहुमत दिया था उन्होंने जनता के उस विश्वास पर खरा उतरने की बजाए, जनता की सेवा करने की बजाए जनता को रगड़ने का काम किया, हरियाणा प्रदेश को बर्बाद करने का काम किया लेकिन फिर भी आज ये लोग इस प्रकार से बोलने की कोशिश करते हैं। जनता ने इनको इनकी करनी का नतीजा

* चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया।

[श्री आनन्द सिंह डांगी]

दे दिया है जिसकी वजह से आज वे यहां पर बैठने की भी हिम्मत नहीं कर पा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, सामने बैठे लोगों को तो विशेष हिदायतें दे कर यहां पर सदन में भेजा जाता है। पीछे जब चौधरी ओम प्रकाश चौटाला मुख्यमंत्री थे तो वे एक बार विधायकों को विदेश की सैर करवाने के लिये ले गये थे। इनके एक विधायक हैं। (विघ्न) डांगी नैशनल ईशु इसलिये था क्योंकि ओम प्रकाश को रगड़ कर के राजनीति से बाहर किया था। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, जब इनका डैपुटेशन विदेश पर जाने लगा तो ये लोग एयरपोर्ट पर गए। एयरपोर्ट पर एक-एक आदमी से इन्टरव्यू लिया जाता है। सामने बैठे श्रीमानजीओं में से ही कोई एक विधायक थे। जब उनसे पूछा गया कि आपने कहां जाना है, तो वे कहने लगे, मुझे तो पता नहीं। इस बारे में कौन बतायेगा, तो ये बोले चौटाला साहब बतायेंगे। जब यह पूछा गया कि किस लिए वीजा चाहिए तो वे कहने लगे कि मुझे तो पता नहीं, जब पूछा गया कि कहां जाना है तो बोले चौटाला साहब के साथ जाना है। जब यह पूछा गया कि क्या खाया है, क्या पीया है तो वे कहने लगे पता नहीं, जब यह पूछा गया कि इसके बारे में कौन बतायेगा, तो जवाब था कि चौटाला साहब बतायेंगे। स्पीकर सर, इनकी तो सारी बात यह है (विघ्न) इनके लिये तो जो कुछ भी है चौटाला साहब ही हैं, इनका अपना कोई अस्तित्व ही नहीं है, अपना कोई वजूद नहीं है। इनको तो एक विशेष ट्रेनिंग देकर यहां पर विधान सभा में भेजा जाता है। अध्यक्ष महोदय, आज जिस तरह से हरियाणा प्रदेश की सरकार हरियाणा प्रदेश को चहुँमुखी तरक्की की तरफ ले जा रही है इनको यह ट्रेनिंग दी हुई है कि किस प्रकार से उस विकास को रोका जाये और किस तरह से उसमें अड़चन डाली जाए। लेकिन इनको यह पता होना चाहिये कि यह रुकने वाली बात नहीं है। यह तो फ्रंटियर मेल एक्सप्रैस गाड़ी है जो कि चलती रहेगी, चलती रहेगी और ये लोग इसके नीचे कुचलते रहेंगे। अध्यक्ष महोदय, सबसे बड़ी बात आदरणीय महामहिम राज्यपाल महोदय ने हमारे प्रदेश के सामने कानून और व्यवस्था की जो स्थिति आई और भाई भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में सरकार ने कुछ ही महीनों में जिस ढंग से इस कानून व्यवस्था को काबू करके हर व्यक्ति को सही ढंग से जीने का अधिकार हरियाणा प्रदेश की सरकार ने दिया है वह काबिले तारीफ है और वह एक मिसाल है। आज गुण्डागर्दी करने वाले लोगों को कहीं पर भी पनाह नहीं मिलती है। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा है। पिछली सरकार में हर आदमी अपने आप को ठगा सा महसूस करता था। चाहे कोई पटवारी के पास जाता था, चाहे कोई तहसील में जाता था, कहीं पर भी काम के लिये जाते थे बगैर जेब खाली किये उसके कागज पर दस्तखत नहीं हुआ करते थे। आज मैं फख्र के साथ कह सकता हूँ और इस बात के लिये बधाई भी देना चाहता हूँ कि आज चाहे कहीं भी जायें, किसी भी दफ्तर में जायें आपकी जेब की तरफ देखने की कोई हिम्मत नहीं कर सकता है। भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन आज चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की सरकार ने अपने 10वें महीने के शासन काल में इस हरियाणा प्रदेश की जनता को दिया है, इसके लिये मैं इस सरकार को बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूँ और फख्र से यह कहता हूँ कि ऐसे कुशल नेतृत्व की हरियाणा प्रदेश के लोगों को बहुत जरूरत थी। अध्यक्ष महोदय, आज कानून-व्यवस्था में सुधार हुआ है और इस कानून व्यवस्था के साथ-साथ अनेकों और बातें भी जुड़ी हुई हैं। चाहे औद्योगिकीकरण की बात है चाहे हमारे प्रदेश के अंदर नई-नई योजनाओं के साथ आने वाले इंडस्ट्रियलिस्टस की बात हो, हर तरफ विकास हो रहा है। आज बहुत ज्यादा संख्या में इंडस्ट्रीज प्रदेश में आने लग रही हैं जिससे हरियाणा प्रदेश

के नौजवानों को रोजगार मिलेगा प्रदेश में खुशहाली आयेगी। एक बहुत ही सराहनीय काम आज हरियाणा प्रदेश में लगातार होने लग रहा है। इसके लिये मुख्यमंत्री जी बधाई के पात्र हैं। अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा प्रदेश की सरकार ने प्रदेश में एक ऐतिहासिक काम किया है। किसानों और गरीब वर्गों पर जो 1600 करोड़ रुपये बिजली के बिल के हो गये थे उनको हमारी इस सरकार ने माफ करके एक ऐतिहासिक काम किया है। अध्यक्ष महोदय, किसकी वजह से ये 1600 करोड़ रुपये गरीब लोगों के सिर पर आए, कौन इसके लिये जिम्मेवार है ? इसके लिये जिम्मेवार भी ये हमारे सामने बैठे हुये लोग ही हैं। सत्ता के लालच में इन्होंने लोगों को गुमराह किया और कहा कि आप हमें वोट दोगे तो आपको ये बिजली के बिल भरने की जरूरत नहीं रहेगी क्योंकि हम आने वाले वक्त में बिजली के बिल माफ कर देंगे। इसी कारण लोगों ने अपने-अपने बिजली के बिल भरने बंद कर दिये और उनके ऊपर लाखों रुपयों के बिल बन गये। ये बिल इतने बन गये कि आम आदमी अगर अपनी धरती, अपना घर भी बेच देता तो भी वह इनकी भरपायी नहीं कर सकता था। अध्यक्ष महोदय, हमारे आदरणीय भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने कहीं पर भी यह घोषणा नहीं की थी कि जब उनका राज आयेगा तो किसानों और गरीबों पर जो 1600 करोड़ रुपये ओम प्रकाश चौटाला की बदौलत बोझ के रूप में पड़े हुये हैं, वे उनको माफ कर देंगे। लेकिन हमारे मुख्यमंत्री जी हर व्यक्ति की चिंता करते हैं, हर एक वर्ग के साथ लगाव रखते हैं, हर व्यक्ति की दिक्कत और समस्या को समझते हैं, हर व्यक्ति के बोझ को समझते हैं इसी कारण उन्होंने 1600 करोड़ रुपये के बिजली के बिलों को माफ करके एक ऐतिहासिक काम किया है और गरीब लोगों को राहत दी है। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूँ कि ओम प्रकाश चौटाला ने इस प्रदेश के लोगों की खून पसीने की कमाई को लूट करके अरबों-खरबों की जो जायदाद बनायी है तो यह 1600 करोड़ रुपये के बिल्ज उनकी जायदाद को नीलाम करके भरे जाने चाहिये क्योंकि इनकी वजह से ही हरियाणा प्रदेश के लोग इस बोझ से दबे हुये थे। (बिघ्न) अध्यक्ष महोदय, भाई भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की सरकार ने किसानों के प्रति एक और बड़ा काम किया है। उन्होंने 135 रुपये क्विंटल गन्ने का भाव देकर किसानों को एक आर्थिक ताकत प्रदान की है। पूरे देश में सबसे ज्यादा गन्ने का भाव दिया गया है। गन्ने की कीमतों की वजह से किसानों ने गन्ने की पैदावार पर ध्यान देना बंद कर दिया था जिसकी वजह से गन्ने की खेती का इतना बुरा हाल हो गया था कि कुछ जगहों पर तो मिल ही बंद हो गई थी। अध्यक्ष महोदय, जिस इलाके के अंदर गन्ने की एक पोई भी न पैदा होती हो और अगर उस इलाके के अंदर 70-70 करोड़ रुपये लगाकर शूगर मिल स्थापित कर दी जाये तो क्या यह हमारे प्रदेश की जनता के साथ खिलवाड़ नहीं किया गया ? जहां पर गन्ना पैदा नहीं होता और यदि वहां पर शूगर मिल लगा दी जाये तो यह ठीक नहीं है। वहां पर एक सैकंड भी शूगर मिल चलाने के लिये एक एकड़ में भी गन्ने की फसल नहीं है लेकिन फिर भी वहां पर 70-80 करोड़ रुपये लगाकर मिल खड़ी कर दी गयी। हमारे जिन बच्चों को इसमें रोजगार दिया गया था आज उनकी बहुत बुरी हालत है। उनको दर-दर की ठोकरें खानी पड़ रही हैं। अगर शूगर मिल नहीं चलेगी तो पैसा कहां से आएगा और अगर पैसा नहीं आएगा तो उनको तनख्वाह कहां से मिलेगी और अगर उनको तनख्वाह नहीं मिलेगी तो फिर वे भूखे ही मरेंगे। इसलिये यह बहुत शर्म की बात है। आज प्रदेश के नौजवानों और प्रदेश की जनता को यह भुगतना पड़ रहा है। हमारी सरकार ने गन्ने का भाव 135 रुपये क्विंटल किया है इससे आने वाले समय में गन्ने की खेती के लिये बहुत प्रोत्साहन मिलेगा। सिर्फ गन्ने की खेती ऐसी है जो प्राकृतिक प्रकोप को सहन करती

[श्री आनन्दे सिंह डांगी]

है, चाहे फ्लड हो, चाहे आंधी हो, चाहे ज्यादा बारिश हो, चाहे गर्मी हो, सर्दी हो फिर भी गन्ने की फसल कुछ न कुछ देकर जाती है। मैं सरकार से गुजारिश करूंगा कि गन्ने की पैदावार के लिये ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। जो इलाके गन्ने की फसल पैदा करने वाले हों, उनको जितना प्रोत्साहन दिया जाए उतना ही थोड़ा है। गन्ने की फसल के लिए किसानों को ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहन दें जिससे आने वाले वक्त में किसानों की आर्थिक हालत भी सुधरे और प्रदेश के अंदर खुशहाली भी आए। इसी प्रकार से प्राकृतिक आपदाओं द्वारा फसलों के नुकसान की भरपाई के लिए जो भारत सरकार के मापदण्ड हैं उनसे भी कहीं ज्यादा आज भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की सरकार ने सहायता दी है। प्राकृतिक प्रकोप की वजह से जो फसलों का नुकसान होता है चाहे वह फ्लड से होता है, चाहे ओलावृष्टि से होता है वह पिछली सरकार की बनिस्बत कई गुणा बढ़ाकर अनुदान राशि के रूप में, सहायता के रूप में जो हरियाणा सरकार ने किया है, वह सराहनीय काम है। इसी प्रकार से अध्यक्ष महोदय जो उचित मुआवजा देने की बात थी वह बहुत बढ़िया ढंग से आज की सरकार ने प्रस्तुत किया है। इसी प्रकार से जमीन के अधिग्रहण का जो मसला है जो कौड़ियों के भाव से जमीन को अधिग्रहण कर लिया जाता था, किसानों को ठगा जाता था, किसानों को अदालतों में ठोकरें खानी पड़ती थीं उसके बावजूद उनको पूरा मूल्य नहीं मिलता था। आज भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की सरकार ने जिस ढंग से जमीन का फ्लोर रेट निर्धारित करके, सरकार द्वारा जिस भूमि का अधिग्रहण किया जाता है उसका सही मूल्य दिया है उससे किसानों को राहत मिली है। इस ढंग से नई उद्योग नीति जो हमारे हरियाणा प्रदेश में लागू की गई है वह बहुत ही जबरदस्त सराहनीय कार्य है। उद्योगों की स्थापना में उद्यमियों के यहां आने में रुझान का सबसे बड़ा कारण कानून-व्यवस्था है। सरकार ने कानून-व्यवस्था को काबू करके एक सही अधिकार लोगों को जीने का दिया है, हर प्रकार की सुरक्षा प्रदान की है। उसी की वजह से हरियाणा में ऐसी इंडस्ट्रीज आ रही हैं जिनसे आने वाले वक्त में नौजवान लोगों को रोजगार मिलेगा, जिससे हरियाणा प्रदेश के अंदर अच्छी खुशहाली के आयाम खुलेंगे। अध्यक्ष महोदय, गत सरकार के कार्यकाल में पूरे पाँच साल के दौरान एक भी नया कारखाना इस हरियाणा प्रदेश में नहीं लग सका। जो चालू कारखाने थे, वे भी बंद हो गए। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से जो एक सराहनीय कार्य हरियाणा प्रदेश की सरकार ने किया है वह ग्राम पंचायतों से छीने गए अधिकार उनको वापस दिलाने का है। ग्राम पंचायतें प्रजातंत्र की पहली सीढ़ी हैं। जिस तरह से आज हम लोगों के वोटों से चुनाव जीतकर यहां विराजमान हैं। इसी प्रकार से पंचायतों का चुनाव भी प्रजातांत्रिक ढंग से किया जाता है और उनको अपने ढंग से गाँव में विकास करने का अधिकार होता है लेकिन जिस तरीके से ओम प्रकाश चौटाला की सरकार ने ग्राम विकास समितियां बनाकर के उनके ऊपर अंकुश लगाया था, जिसके कोई मायने नहीं थे। अपने हिसाब से उसमें लोगों को बिठा करके एक प्रकार की लूट का काम शुरू कर दिया था। समितियां पैसा खर्च करती थीं और उनमें से आधे से ज्यादा पैसा लोगों की जेबों में चला जाया करता था। भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की सरकार ने उन समितियों को खत्म करके पंचायती राज संस्थाओं की स्वायत्ता बहाल की है। इसके लिये मैं आदरणीय मुख्यमंत्री जी को बधाई देता हूँ और कहना चाहता हूँ कि आने वाले वक्त में जो विकास के कार्य होंगे वे पंचायतों के द्वारा, पंचायती राज संस्थाओं के द्वारा व स्वायत्त रूप से और बढ़िया ढंग से होंगे। इसी प्रकार कुण्डली में 268 एकड़ जमीन पर राजीव गांधी एजूकेशनल सिटी स्थापित करने का जो प्रस्ताव

हरियाणा प्रदेश की सरकार ने रखा है यह बहुत ही बहु-आयामी कार्य है जिसमें इंटरनेशनल लेवल की यूनिवर्सिटी वहां पर स्थापित करने का कार्य है जोकि हमारे लिए एक गौरव की बात है। इस यूनिवर्सिटी में इन्टरनेशनल स्तर की प्रदेश को ख्याति प्राप्त होगी और हमारे प्रदेश के होनहार नौजवानों को इन्टरनेशनल लेवल पर शिक्षा प्राप्त करने का मौका मिलेगा। यह बहुत ही बढ़िया कदम है जिससे हमारे प्रदेश का दुनिया में नाम होगा। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से बालिका वर्ष के रूप में हरियाणा प्रदेश की सरकार ने जो योजना बनाई है यह हमारे लिये बहुत ही जरूरी है क्योंकि जिस गति से लिंग अनुपात में लगातार गिरावट आ रही है वह एक बहुत ही चिंता का विषय हो गया है क्योंकि गृहस्थ आश्रम में यह चीज बहुत ही जरूरी होती है। लिंगानुपात और भ्रूण हत्या जिस तरीके से की जाती है वह बहुत ही बड़ा अभिशाप और पाप है क्योंकि कन्या की हत्या करने से बड़ा कोई पाप नहीं होता और जो व्यक्ति इस तरीके का कार्य करते हैं वे जीवन में कभी भी पनप नहीं सकते और आगे नहीं बढ़ सकते। जिस ढंग से सरकार ने बालिका वर्ष मनाने का कार्य किया है, भ्रूण हत्या रोकने का कार्य किया है, लिंग अनुपात के ग्राफ को रोकने का कार्य किया, यह बहुत ही सराहनीय कार्य है। जिस प्रकार से लड़कियों के लिये प्राथमिक विद्यालय, बिजली कनैक्शन और शौचालय सुविधा देने में, बालिकाओं के टीकाकरण और 18 साल तक उनको मुफ्त सुविधा देने में या सभी लड़कियों को स्वास्थ्य लाभ देने के लिये और बसों के पास में 50 प्रतिशत तक की छूट दिए जाने का जो बड़ा कार्य किया है वह बहुत ही सराहनीय कार्य है। जिससे हमारी बच्चियों को आगे बढ़ने में किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं होगी और कोई परेशानी नहीं होगी। इसी प्रकार से तकनीकी संस्थानों में लड़कियों को 25 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है जोकि एक सराहनीय कार्य है। इसी प्रकार से इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए लड़कियों को निःशुल्क टूल किट, जिससे काम करना सीखते हैं, वह फ्री दिया गया है जोकि एक बहुत ही सराहनीय कार्य है जिससे हमारी बच्चियों को इंजीनियरिंग की तरफ, टैक्नीकल शिक्षा की तरफ प्रोत्साहन मिलेगा और हमारे प्रदेश को आगे बढ़ने में सफलता प्राप्त होगी। अध्यक्ष महोदय, 20 अगस्त 2005 को जो लाडली स्कीम हरियाणा सरकार ने शुरू की है यह प्रदेश के लिये बहुत अच्छा शगुन लेकर आएगी इसके लिये मैं आदरणीय मुख्यमंत्री जी और हरियाणा प्रदेश को बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूँ। अध्यक्ष महोदय, राज्य के इतिहास में पहली बार हरियाणा आवास बोर्ड के रिहायशी मकानों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है और जमीन की रजिस्ट्री करने के लिए भी टैक्स में 2 प्रतिशत महिलाओं को छूट दी गई है जोकि बहुत ही सराहनीय कार्य किया गया है। अध्यक्ष महोदय, गरीब, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन-जाति और पिछड़ा वर्ग हर जाति और हर वर्ग के गरीब लोगों के लिए पिछली सरकार ने जो कन्यादान के रूप में 5100 रुपये का प्रावधान किया था आज भाई भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की सरकार ने कन्या के पीले हाथ करने के लिए उस राशि को बढ़ाकर 15000 रुपये कर दिया है जोकि बहुत ही सराहनीय कार्य है। गरीब लोग जोकि आर्थिक रूप से टूटे हुये हैं उनको अपनी बेटी की शादी में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आएगी यह एक धर्म का कार्य किया है इसके लिये मैं सरकार को बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूँ। दूसरे गरीब वर्गों की लड़कियों की शादी के लिए वित्तीय सहायता देने का कार्य जिसके तहत यह राशि 5100 रुपये कर दी गयी है जोकि बहुत ही सराहनीय कार्य है। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से कृषि जोकि हमारे प्रदेश की रीढ़ की हड्डी है इस देश की 75-80 प्रतिशत जनता कृषि पर आधारित है। किसानों की कमाई पर ही रोटी सबको मिलती है इसलिये कृषि को प्रोत्साहन दिया जाए और नई-नई

[श्री आनन्द सिंह डांगी]

फसलों के लिए प्रोत्साहन दिया जाए। आज जमीन की जो गुणवत्ता है वह घटती जा रही है, जमीन की जो ताकत है वह घटती जा रही है इसको देखते हुये अगर फसल चक्र को बदला जाए तो आने वाले वक्त में किसान के लिए एक बहुत अच्छा समय आ सकता है। इन प्रयासों के तहत हरियाणा सरकार ने वर्ष 2005 में 28 लाख एकड़ भूमि काश्त की और इससे एक रिकार्ड तोड़ उपज हुई है, इसके फलस्वरूप 40.72 लाख टन अब तक रिकॉर्ड उत्पादन है जो पूरे हरियाणा प्रदेश में आज तक का रिकॉर्ड है। इसी तरह खेती के साथ-साथ बागवानी को भी प्रोत्साहन देना बहुत जरूरी है। मैं समझता हूँ कि इस लाइन की तरफ किसानों को मोड़ना बहुत जरूरी है। कहीं पानी की कमी है, कहीं बाढ़ का प्रकोप है, कहीं टिब्बे हैं और कहीं कोई और समस्या है इसलिए जिस इलाके में जो भी फसल उपयोगी हो उसके अनुसार अगर हमारी सरकार इस मामले में अग्रसर होगी और किसानों को प्रोत्साहित करेगी तो यह बागवानी की तरफ बहुत बढ़िया कदम होगा। बागवानी को बढ़ावा देने के लिये सरकार ने लगभग 21 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। यह किसानों के लिए बहुत प्रोत्साहन की बात है और यह बात आने वाले वक्त में किसानों के लिए बहुत खुशहाली की बात होगी और यह हमारे लिए बड़े फख्र की बात है। इसी प्रकार पशुधन भी गाँव में रहने वाले व्यक्ति के लिए बहुत जरूरी है। जिस प्रकार जितना जरूरी कार्य खेती का है उसी प्रकार पशु धन भी बहुत अहम् बात है। गरीब लोग पशु पालन करके अपनी रोजी रोटी कमाते हैं। किसान लोग खेती से अपनी रोजी रोटी कमाते हैं। पशुओं के रख-रखाव के लिए हमारी सरकार ने अहम् कदम उठाया है कि जो पशुओं में मुख्य बीमारी मुँह-खुर होती थी उसको जड़मूल से खत्म किया गया है जो कि एक सराहनीय कदम है और सरकार की एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। जिस पशु में यह बीमारी आ जाती थी चाहे वह पशु 50 हजार रुपये का हो वह 5 हजार का भी नहीं रह जाता था। डिपार्टमैंट की यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। मैं इस बात के लिए डिपार्टमैंट को भी बधाई देना चाहता हूँ और सरकार को भी बधाई देना चाहता हूँ कि बहुत अच्छे ढंग से ट्रीटमैंट करके किसानों के धन को बचाया गया। हरियाणा प्रदेश पशुओं की नस्ल के मामले में अच्छी खान है। मुर्रा नस्ल जो कि सारी दुनिया में अव्वल नस्ल है। मुर्रा नस्ल को जितना प्रोत्साहन दिया जाए उतना किसानों और गरीबों का फायदा होगा। इसके बारे में मुझे पता चला है कि मुर्रा नस्ल के लिए दूसरे देशों से काफी डिमांड आई है और उस डिमांड को मद्देनजर रखते हुए हमें पूर्ण रूप से डिपार्टमैंट के माध्यम से किसानों को जो खेती करते हैं और जो लोग पशु-पालन करके अपना गुजारा करते हैं उनमें ट्रेनिंग कैम्प लगाकर उनको प्रोत्साहित किया जाए ताकि आने वाले वक्त में हर गरीब को अच्छे ढंग से अच्छा मुनाफा मिल सके और वह अपनी रोजी रोटी कमा सके। इसी तरह इसके प्रोत्साहन के लिए अनेकों पशु चिकित्सालय अपग्रेड किए गए हैं और नए पशु चिकित्सालय खोले गए हैं जो कि आने वाले वक्त के लिये अच्छी शुरुआत है। अध्यक्ष महोदय, बिजली की जो आधारभूत संरचना है आज बिजली अहम् मुद्दा बन गई है जिसके बिना किसी प्रकार की न तरक्की हो सकती है, न प्रगति हो सकती है और न ही विकास की बात हो सकती है। यह बड़े खेद की बात है कि पिछली सरकार बिजली के मामले में ढिंढोरा पीटा करती थी कि एक जनवरी से 24 घण्टे बिजली मिलेगी, एक दिसम्बर से 24 घण्टे बिजली मिलेगी। (शोर एवं व्यवधान) यह व्यवस्था आप लोगों की बिगाड़ी हुई व्यवस्था है। लेकिन पूरे 5 साल के अंदर एक मेगावाट की भी बिजली की बढ़ोतरी ये नहीं कर सके और एक छोटा सा प्लांट नहीं लगा

सके और न बिजली में बढ़ोतरी कर के लोगों की समस्या का समाधान कर सके। आज मैं मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी को बधाई देना चाहता हूँ जिन्होंने इस थोड़े से समयकाल में जहां हरियाणा प्रदेश को 9 हजार मेगावाट बिजली की आवश्यकता है इस हरियाणा प्रदेश में सिर्फ 2000 मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जाता है और 2000 मेगावाट बिजली बाहर से ली जाती है जहां से हमारे प्रदेश ने अनुबंध किए हुए हैं। आज के दिन सिर्फ 4000 मेगावाट बिजली उपलब्ध है।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाईंट ऑफ ऑर्डर है। माननीय सदस्य कह रहे हैं कि 9000 मेगावाट बिजली की जरूरत है।

श्री आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, हाँ मैं कह रहा हूँ कि 9000 मेगावाट बिजली की आज प्रदेश को जरूरत है और हमें सभी स्रोतों से 4000 मेगावाट बिजली मिल रही है।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, यहां मुख्यमंत्री जी बैठे हुये हैं और बिजली विभाग के सभी अधिकारी भी यहां बैठे हुए हैं। कृपया ये आंकड़े एकत्रित करके सदन को बताएं कि आज के दिन प्रदेश को टोटल कितनी बिजली की जरूरत है।

श्री आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, जिस समय इनकी पार्टी की सरकार थी उस समय इन्होंने सिवाए झूठ के लोगों को कुछ नहीं बोला। ये उस समय कहते थे कि फलां तारीख से 24 घण्टे बिजली मिलने लगेगी लेकिन मिली कभी नहीं। ये पाँच साल तक ऐसे ही लोगों से झूठ बोलकर राज करते रहे और किया कुछ भी नहीं। अध्यक्ष महोदय, जो ये बिजली की बात कर रहे हैं, मैं इनको बताना चाहूँगा कि आज के दिन प्रदेश को 9000 मेगावाट बिजली की जरूरत है और आवक सभी साधनों से 4000 मेगावाट है। हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने अपने थोड़े समय के कार्यकाल के दौरान बहुत से थर्मल पावर प्लांट्स लगाने की शुरुआत की है उसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी को बधाई देता हूँ जिनमें से 600 मेगावाट का पावर प्लांट यमुनानगर में, 1065 मेगावाट फरीदाबाद में, 1080-1080 मेगावाट के हिसार और झज्जर में तथा 1000 मेगावाट का पानीपत में लगाने का शुभारम्भ किया है। ये सभी थर्मल पावर प्लांट्स आने वाले 2-3 साल में भरपूर बिजली देने में सक्षम होंगे और बिजली की प्रदेश में कोई कमी नहीं रहेगी। विपक्ष के साथियों में यदि थोड़ी-बहुत गैरत है तो उन्हें इस बात के लिए मेजें थपथपानी चाहिएं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार ने बिजली के क्षेत्र में कोई कार्य नहीं किया और प्रदेश के जो बिजली उत्पादन करने वाले प्लांट्स हैं उनका इन्होंने बेड़ा गर्क करके रख दिया जिसका सामना अब हमें करना पड़ रहा है। आज पानीपत थर्मल पावर प्लांट जिस ढंग से बैठा पड़ा है उसके जिम्मेवार ये लोग हैं। इन लोगों ने इस प्लांट की यूनिट्स में घटिया किस्म की मशीनें लगा दी जो लोड नहीं उठा पा रही हैं। लेकिन हमारे मुख्यमंत्री जी ने जिस तरीके से बिजली में सुधार के लिये परियोजनाओं का शुभारम्भ किया है उससे आने वाले दो-तीन सालों में लोगों को पूरी बिजली मिलेगी जो अपने-आप में एक इतिहास होगा और हरियाणा प्रदेश बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होगा। अध्यक्ष महोदय, बिजली के क्षेत्र में हरियाणा प्रदेश की सरकार सुधार लाने के लिए कृत-संकल्प है। जहां पर सब-स्टेशनों को अपग्रेड करने की जरूरत है उनको अपग्रेड किया जाएगा और जहां पर नये लगाने की जरूरत है वहां नये सब-स्टेशन लगाए जाएँगे। बिजली में सुधार लाने के लिए मैं मुख्यमंत्री

[श्री आनन्द सिंह डांगी]

जी से एक प्रार्थना जरूर करना चाहूँगा कि बिजली विभाग में छोटे से लेकर बड़े कर्मचारियों की बहुत कमी है। कई गाँव तो ऐसे हैं जहां एक भी कर्मचारी नहीं है। इसलिए मैं मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करना चाहूँगा कि नए कर्मचारियों को भर्ती करके ऐसा प्रावधान किया जाए कि जहां-कहीं भी बिजली में खराबी आ जाए वहां कर्मचारी तुरंत जाकर बिजली ठीक कर दें। इस कार्य की तरफ मुख्यमंत्री जी विशेष ध्यान दें ताकि लोगों को इस समस्या से छुटकारा मिल पाए। अध्यक्ष महोदय, अब मैं सड़कों की बात करना चाहूँगा कि किसी भी प्रदेश के, देश के विकास के लिए उसके रास्ते और सड़कों का अच्छा होना बहुत जरूरी है। आज हरियाणा प्रदेश की सरकार ने जिस तरीके से सड़कों के रख-रखाव की तरफ ध्यान दिया है वह काबिले तारीफ है। हरियाणा सरकार आज प्रदेश की सड़कों को सुदृढ़ करने के लिए कृत-संकल्प है और इसके लिए बहुत से सराहनीय कदम उठाये हैं। जहां-जहां जो भी दिक्कतें हैं उनको हल किया गया है। जैसे पानीपत शहर है जोकि बहुत ही बिजी तथा ऐतिहासिक शहर है। इसमें ट्रैफिक का रश इतना ज्यादा होता है कि गाड़ियों को सड़क पार करने में घण्टों लग जाते हैं लेकिन आज आदरणीय चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की सरकार ने पूरे शहर को फ्लाई ओवर की सुविधा देने का कार्य किया है। फ्लाई ओवर के लिए स्कीम बनाई गई है जोकि पास हो चुकी है और जल्दी ही इस फ्लाई ओवर की शुरुआत की जाएगी जिससे ट्रैफिक की गम्भीर समस्या का समाधान होगा। इसी प्रकार से एन.एच.-22 है इसको आगे कालका तक फोरलेन करने का प्रस्ताव है। नैशनल हाईवे नं. 10 दिल्ली से रोहतक तक सड़क को चौड़ा करके फोरलेन बना कर लोगों को आवागमन के लिए एक अच्छा मार्ग सरकार द्वारा दिया जाएगा। इसी प्रकार से हरियाणा प्रदेश के अंदर जहां भी सड़कों की जरूरत है या सड़कों के रख-रखाव की दिक्कत है इसके लिए सरकार की ओर से बहबूदी और लगन के साथ कार्य किया जा रहा है। सड़कों के रख-रखाव के लिए बहुत ही अच्छा कार्य किया जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से जहां रेलवे लाईन क्रॉस करती है वहां पर फाटक बंद होने की वजह से घण्टों आने-जाने वाले यात्रियों और लोगों को दिक्कत होती है। इसके लिए 9 ओवर ब्रिजों का कार्य बहुत जल्दी शुरू हो कर इस हरियाणा प्रदेश को बहुत ही अच्छी सहूलियत मिल जाएगी। 9 रेलवे ब्रिज इस समय चालू हैं यह हमारे लिए बहुत ही अच्छी बात है। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से एक्सप्रैस हाईवे हरियाणा प्रदेश के साथ बनाये जा रहे हैं। कुण्डली, मानेसर और पलवल एक्सप्रैस वे हरियाणा प्रदेश की आर्थिक स्थिति को बढ़ावा देने के लिए बहुत अच्छा कदम साबित होंगे और यहां के आस-पास के जो इलाके हैं उनको हर प्रकार से फलने-फूलने की पूरी ताकत मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, गुड़गांव को मैट्रो ट्रेन से जोड़ना, बहादुरगढ़ को मैट्रो ट्रेन से जोड़ना हरियाणा प्रदेश के लिए बहुत ही बड़ी उपलब्धि होगी। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से सिंचाई की बात है। सिंचाई एक बहुत ही अहम् मुद्दा है। सिंचाई किसान के लिए जीवन रेखा है। यदि पानी है तो किसान के लिए सब कुछ है लेकिन अगर पानी नहीं हो तो खाली खेत और भूखा पेट है। समुचित रूप से समानता के आधार पर पानी के वितरण के लिये हरियाणा प्रदेश की सरकार ने कदम उठाया है। सालों-साल से एक बात लम्बित पड़ी हुई थी। हरियाणा प्रदेश के विशेष रूप से ऐसे इलाके जो एक-एक बूंद पानी के लिए तरसते थे, खेतों के लिये पानी तो दूर की बात है पीने तक के लिए भी जिनको पानी नहीं मिलता था। आज हरियाणा प्रदेश में चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की सरकार बनने के बाद जिस ढंग से पानी का समान बंटवारा करके सबको समान हक दिया गया है

इससे सूखे खेत और भूखे पेट में रोटी और पानी डालने का काम चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की सरकार ने किया है। यह बहुत ही बड़ी और सहरानीय बात है। जिस वक्त यह सरकार बनी और कैप्टन साहब सिंचाई मंत्री बने सबसे ज्यादा इफैक्टिड इलाका रिवाड़ी और महेन्द्रगढ़ का रहा है जहां पर कभी पानी की एक बूंद तक नहीं जाती थी। मैं हरियाणा प्रदेश की सरकार को तथा माननीय मुख्यमंत्री महोदय तथा सिंचाई मंत्री को बधाई देना चाहता हूँ कि उन्होंने बहुत ही लगन से काम करके पूरी हिम्मत के साथ ऐसे इलाके में पानी पहुंचाया जहां पर लोगों ने नहरी पानी के कभी दर्शन नहीं किए थे। उसी पानी को लेकर हमारे विपक्ष के भाईयों ने एक बवाल खड़ा कर रखा है। आज भी मैंने अखबार में पढ़ा जिसमें यह कहा गया है कि अगर इस पानी का समान रूप से बंटवारा किया गया तो प्रदेश के अन्दर अन्तर्कलह हो जाएगी। अध्यक्ष महोदय, ऐसी बात करना कितनी शर्म की बात है। जिस इलाके का पानी है जिन लोगों के लिए पानी है वह पानी उस इलाके के लोगों को दिया जाए यह तो सरकार का दायित्व है। मैं समझता हूँ कि अगर ऐसा न किया जाये तो यह एक कोताही होगी। मैं इस पानी को वहां पर पहुंचाने के लिये सरकार को बधाई देना चाहता हूँ। वह पानी जो लगातार 1978 से दूसरे इलाके में दिया जा रहा था वह पानी उस इलाके को अब दिया जा रहा है जो सूखा पड़ा हुआ था। वह पानी जो उस इलाके विशेष का था वह एक विशेष इलाके में लगातार चलाया जा रहा था। मैं सरकार को इस बात के लिए बधाई देना चाहता हूँ कि सरकार बनते ही 260 करोड़ रुपये की स्कीम बनाकर नहर बनाने का प्रोग्राम सरकार ने बनाया है। सूखे इलाके में पानी देने का जो काम सरकार ने किया है यह एक बधाई का काम है, एक धर्म का काम है, एक पुण्य का काम है और यह काम होकर रहेगा, किसी के अड़चन डालने से यह काम रुकने वाला नहीं है। बिल्कुल निश्चित रूप से होकर रहेगा क्योंकि यही संघर्ष है, यही लड़ाई है कि हर व्यक्ति को समान अधिकार मिले और समान अधिकार मिलने के मामले में यदि कोई अड़चन डालने की कोशिश करता है तो उसका हश्र भी दूसरे ढंग से ही होता है।

श्री अध्यक्ष : डांगी साहब, अब आप वाईड अप करें क्योंकि आपको बोलते हुये काफी समय हो गया है।

श्री आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से एस.वाई.एल. कैनाल की बात है। हमारे सामने वाले भाई साहब इसकी बड़ी चर्चा करते हैं। एस.वाई.एल. का यह मुद्दा लटकना अगर किसी की देन है तो वह इन भाईयों की है हालांकि इस मामले में मैं भी सांझी हूँ। अगर राजीव लौंगोवाल समझौते को उसी वक्त लागू करने के लिये हरियाणा प्रदेश की जनता और हरियाणा की लीडरशिप राजी हो जाती तो यह समस्या आज हमारे सामने नहीं रहती। जिस वक्त यह समझौता हुआ उस वक्त चौधरी देवीलाल ने जो एक एजीटेशन के रूप में इस हरियाणा प्रदेश की जनता को झोंका तो उसी दिन से यह मामला खटाई में लटककर रह गया। लोगों ने इसके लिए अपनी कुर्बानी दी, लाठियां खायी और यहां तक कि लोगों ने इसके लिए अपने ट्रैक्टर तक लुड़वाए लेकिन इसके बावजूद भी पानी की एक बूंद नहीं आयी। इसलिये अगर उसी वक्त इस समझौते को मान लिया जाता और इस समझौते को लागू करने के लिए हरियाणा प्रदेश की जनता और लीडरशिप राजी हो जाती तो एस.वाई.एल. का मुद्दा आज खत्म हो जाता। सुप्रीम कोर्ट ने भी उसी फैसले को लागू करने के लिए अपना फैसला दिया। इसके बाद ओम प्रकाश चौटाला

[श्री आनन्द सिंह डांगी]

भी सरकारी सड़कों पर और बिल्डिंगों पर लाईट जलवाते हैं और कहते हैं कि यह एक बहुत ही बढ़िया फैसला है। अध्यक्ष महोदय, जिस वक्त यह समझौता हुआ था अगर उसी वक्त यह मान लिया जाता तो यह मुद्दा आज खत्म हो गया होता और जिस एरिया में इसका पानी जाता उसके एक-एक चप्पे में पानी भी पहुंच जाता। इस तरह से आज कोई दिक्कत नहीं रहती। अध्यक्ष महोदय, अगर इसके लिए सबसे ज्यादा दोषी है तो ओम प्रकाश चौटाला और ये हमारे सामने बैठने वाले भाई हैं। थोड़ा बहुत मैं भी इस मामले में पापी हूँ। अध्यक्ष महोदय, आज एस.वाई.एल. के मुद्दे को लेकर हमारी सरकार बहुत ही चिंतित है, सीरियस है कि जितना भी जल्दी हो सके इसका समाधान करवाकर इस प्रदेश की प्यासी भूमि को सिंचित किया जाये।

श्री अध्यक्ष : डांगी साहब, अब आप वाईड अप करें।

श्री आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, मैं वाईड अप कर रहा हूँ। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से बाढ़ नियंत्रण की बात है। हमारे प्रदेश में कई इलाके ऐसे हैं जहां पर हर साल बाढ़ आती है जिसकी वजह से किसानों की पकी पकायी फसल बर्बाद हो जाती है और किसान भी बर्बादी के कगार पर पहुंच जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, चाहे रोहतक का इलाका हो, चाहे भिवानी का इलाका हो या चाहे हिसार का इलाका हो इन सब इलाकों में बाढ़ से बहुत ही नुकसान उठाना पड़ता है। हमारी सरकार ने बाढ़ नियंत्रण के लिये जो स्कीम बनाई है, जो व्यापक मास्टर प्लान बनाने की तैयारी की गयी है अगर उसको तुरन्त आने वाली बारिश के सीजन से पहले-पहले ठीक करके लागू कर दिया जाए तो यह हरियाणा प्रदेश के किसानों के लिए बहुत अच्छी बात होगी। इसी तरह से खालों को पक्का करने की योजना बनायी गयी है यह भी बहुत ही सराहनीय काम है। इसी प्रकार से पंचायती राज के माध्यम से ग्रामीण विकास के लिए प्रजातांत्रिक संस्थाओं को जो ताकत दी गयी है या दी जा रही है उससे भी प्रदेश में हर तरह की खुशहाली आएगी और विकास के काम को आगे बढ़ाने में एक अच्छा रास्ता मिलेगा। किसी भी प्रकार का अंकुश काम करने वाली संस्थाओं पर न लगाकर हमारी सरकार ने हर तरह से खुले मन से काम किया है मैं इसके लिए सरकार को बधाई देता हूँ। जिस प्रकार से सरकार ने ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा देने के लिए काम किया है वह इसके लिए बधाई की पात्र है। चाहे जल संरक्षण की बात हो, चाहे पानी के उपयोग की बात हो, चाहे नहरी सिंचाई की बात हो, चाहे अनुसूचित जातियों तथा अन्य ग्रामीण व्यक्तियों की भूमि को सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध करवाने की बात हो, चाहे सूखे से बचाव की बात हो, चाहे वृक्षारोपण की बात हो। हर क्षेत्र में सरकार ने काम किया है और सुविधाएं दी हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं अपने इन भाईयों को बताना चाहता हूँ कि हरियाणा राज्य रोज़गार गारंटी योजना के लिए दो जिले हरियाणा प्रदेश की सरकार ने विशेष रूप से चुने हैं। ये जिले महेन्द्रगढ़ और सिरसा हैं। इस तरह से आज की सरकार की किसी भी तरह से पक्षपात करने की मंशा नहीं है जो लोग इस तरह की बात करते हैं कि भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की सरकार पक्षपात कर रही है वह ठीक नहीं है। चाहे कोई भी समस्या हो, सबके समाधान के लिए निष्पक्ष भाव से सरकार कार्य कर रही है। इसी प्रकार से हर व्यक्ति को स्वच्छ पीने का पानी देने की बात है। सरकार स्वच्छ पीने का पानी देने के लिए भी कृत संकल्प है और उसके लिए 218 करोड़ रुपये का निवेश करने का अलग से

जो प्रयत्न कर रही है वह हमारे लिए सराहनीय बात है। इसी प्रकार से औद्योगिक विकास की बात है उसके लिए 7 हजार करोड़ रुपये का अधिक निवेश इस पिछले साल में हुआ है। इसी तरह से आने वाले वक्त में भी 30 हजार करोड़ रुपये के निवेश होने की संभावना है। सरकार लघु तथा मध्यम दर्जे के उद्योगों को प्रोत्साहन दे रही है जिसके लिए सैकड़ों करोड़ रुपये का प्रावधान इसमें रखा गया है। भूमि अधिग्रहण के मामले में बहुत ही जबरदस्त कार्य किया गया है और इसकी चारों तरफ प्रशंसा हो रही है। इसी प्रकार भारत सरकार द्वारा 350 करोड़ रुपये के निवेश से राष्ट्रीय खाद्य औद्योगिकी उद्यमकर्त्ता प्रबन्धन संस्थान स्थापित किया जा रहा है उसके लिए सरकार ने कुण्डली में 100 एकड़ भूमि प्रदान की है इससे हर तरह से बहुत फायदा होगा। इसके लिए बधाई देना चाहता हूँ। जहां तक शहरी विकास की बात है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप वाईंडअप करें।

श्री आनन्द सिंह डांगी : ठीक है अध्यक्ष महोदय, मैं वाईंडअप करता हूँ। नयी-नयी योजनाएं बनाकर इलाकों को प्रोत्साहित करके बहुत बढ़िया ढंग से इस प्रदेश को ऊपर उठाने का काम किया जा रहा है। औद्योगिक मॉडल टाउनशिप और इसके साथ नये शहरी केन्द्र विकसित करने के लिए के.एम.पी. ऐक्सप्रेस मार्ग के साथ-साथ जितना एरिया है उसको बढ़िया ढंग से करके एक अच्छा लाभ बनाया जा रहा है। उसके साथ नया शहरी केन्द्र स्थापित किया जा रहा है। इसके साथ-साथ सांपला, समालखा, गन्नौर, जहांगीरपुर और बादली में तीन नये शहर विकसित करने की जो योजना है इससे हर तरह से आर्थिक रूप से इस प्रदेश को ताकत मिलेगी। जिस ढंग से गुड़गांव शहर पूरी दुनिया में एक केन्द्र बिन्दु बनकर रह गया है। इसी प्रकार से अगर हमारे यह शहर नये ढंग से विकसित कर दिये जाएं तो आने वाले समय में हमारे प्रदेश के आगे बढ़ने में मील का पत्थर साबित होंगे। इसी प्रकार से म्युनिसिपल कमेटीज का शहरों को हर तरह से विकसित करने का प्रोग्राम है जैसे सीवरेज सिस्टम है, नालियों की बात है, सड़कों की बात है उनके रखरखाव की बात है। जिस ढंग से आज तक सरकार के प्रयासों के परिणामस्वरूप फरीदाबाद शहर जो हरियाणा के लिए गोरवमयी सिटी है उसे जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन में शामिल किया गया है। यह अच्छी बात है इसके लिए 2064 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रावधान है। जो छोटी म्युनिसिपल कमेटीज हैं उनके अंदर बहुत बड़ी समस्या है कि उनकी तरफ विशेष ध्यान नहीं दिया जाता। उनके जो कर्मचारी हैं जैसे स्वीपर हैं गरीब हैं, उनको समय पर तनख्वाह नहीं मिल पाती।

श्री अध्यक्ष : अब आप दो मिनट में वाईंड अप करें।

श्री आनंद सिंह डांगी : उनके लिए मैं कहना चाहता हूँ कि किसी प्रकार से कोई भी साधन जुटा करके इनको तनख्वाह समय पर देने का प्रावधान किया जाए। पिछली सरकार के समय में एक-एक साल तक इन इम्पलीमीज को तनख्वाह नहीं मिलती थी। कोई प्रावधान करके इनको तनख्वाह समय पर दी जाए ताकि यह गरीब लोग ठीक ढंग से पेट भर सकें। इसी तरह से परिवहन की बात है। नयी बसों की बात है जो लग्जरी ए.सी. बस सेवा शुरू की गई है। मैं मुख्यमंत्री जी से और परिवहन मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूँ कि जो गांव में बसों का सिस्टम है वह ठीक से स्थापित नहीं है। कोई भी रूट है कोई भी बस है वहां सबसे बड़ी दिक्कत इस बात की है प्राइवेट बसों को परमिट दिये गये हैं वे ठीक ढंग से अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रहे हैं। जिस गांव का रूट पड़ता है वे उनको टच नहीं करते हैं, इससे लोगों को अनेकों समस्याओं

[श्री आनन्द सिंह डांगी]

का सामना करना पड़ता है। इसके लिए मेरा सुझाव है कि जिसका जो रूट है, वह निश्चित किया जाये कि वह हर हालत में उसी रूट पर चले। अगर वह वहां न जाए तो चाहे बस भी बंद करनी पड़े, कर दी जाए लेकिन लोगों की सुविधा को देखते हुए यह निश्चित करना आवश्यक है कि जिसका भी लोकल बस का जो रूट बनता है उस रूट पर चलाया जाए। नये रूट के बारे में शिकायतें हैं लोगों को उससे निजात मिले। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : डांगी साहब, वाईंड अप करें अभी तो 10-12 प्वायंट और बाकी हैं काफी समय लग जायेगा दूसरे सदस्यों ने भी इसके लिए बोलना है।

श्री आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, स्वास्थ्य और शिक्षा के मामले में एक बहुत ही अहम् कदम यह सरकार उठा रही है। लड़कियों को शिक्षा देना हमारे लिए एक अहम् बात है क्योंकि एक लड़की को शिक्षा देने से 3 परिवारों का जीवन स्तर सुधरता है इसलिए लड़की को शिक्षा देना हमारे लिए अति आवश्यक है। इसके लिए अगर देहात के इलाके में जहां 15-20 किलोमीटर के आस-पास के गांवों में जहां ज्यादा लड़कियों को शिक्षा मिल सके, वहां पर एक महाविद्यालय बना दिया जाए तो बहुत ही अच्छा कार्य होगा और प्रदेश की जनता के लिए एक अच्छी सुविधा होगी। इसी प्रकार से कई अच्छे कल्याणकारी कार्य यह सरकार कर रही है। इसी प्रकार से आदरणीय महामहिम राज्यपाल महोदय ने इस प्रदेश की आर्थिक प्रगति के लिए, तरक्की के लिए, उन्नति के लिए, सुख शान्ति के लिए, बहबूदी के लिए जो अभिभाषण इस सदन में प्रस्तुत किया है उसके लिए मैं उनका आभार प्रकट करता हूँ और इस अभिभाषण का पुरजोर समर्थन करता हूँ। धन्यवाद।

राव दान सिंह (महेन्द्रगढ़) : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपका हार्दिक धन्यवाद करता हूँ कि आपने मुझे इस गरिमामय सदन में महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष महोदय, विश्व के सबसे बड़े प्रजातंत्र भारत देश के अन्दर हरियाणा राज्य की अपनी एक अलग पहचान है। दिल्ली के तीन तरफ होने की वजह से मैं यह कहूँ कि राजनीति में ट्रेंड सैटर है तो इसमें कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको आज से एक वर्ष पीछे के फलैश बैक में ले जाना चाहता हूँ और यह बताना चाहता हूँ कि किन विषम परिस्थितियों में आज के दिन का यह सौभाग्य प्राप्त हुआ है। आज से एक साल पहले यहां पर भाजपा और इनैलो के गठबन्धन की सरकार थी उस समय यहां पर भ्रष्टाचार चरम सीमा पर था। कानून-व्यवस्था चरमराई हुई थी उद्योग पलायन के कगार पर थे और किसान अपने दुःख में खून के आंसू बहा रहे थे। लेकिन मैं आभार व्यक्त करता हूँ प्रदेश की महान जनता का, जिन्होंने अपनी पारखी नजरों से सब कुछ देखा और मौका आने पर एक उचित फैसला लेकर एक प्रचण्ड बहुमत से हरियाणा के अन्दर कांग्रेस पार्टी की सत्ता को स्थापित किया और उसके बाद मैं आभार व्यक्त करता हूँ आदरणीय श्रीमती सोनिया गांधी जी का, जिन्होंने इस प्रदेश के अन्दर बहुत ही ईमानदार और कुशल और सबसे निष्ठावान कांग्रेसी को मुख्यमंत्री का पद सौंपा। अध्यक्ष महोदय, हमने देखा है कि भारतीय जनता पार्टी के वे लोग जो स्वराज, सुशासन और स्वाभिमान की बात करते थे उनकी किस तरह से कफन

कमीशन से लेकर देश की सबसे बड़ी पंचायत संसद तक कालिख पहुंची है। आज किस प्रकार उनके चाल चरित्र चेहरे का पर्दाफाश प्रजा के अन्दर उजागर हुआ है। उन लोगों ने इनैलो से मिल करके इस प्रदेश के शोषण में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। आज हमें इस बात की खुशी है कि हमारे यहां पर कांग्रेस का शासन है और एक ईमानदार मुख्यमंत्री है और यह बात सत्य है कि आज इस प्रदेश में कृषि प्रधान होने के नाते मुख्यमंत्री जी की प्राथमिकताएं तय की हुई हैं। निश्चित तौर पर उनमें सबसे अग्रणी कृषि का क्षेत्र आता है क्योंकि यहां के 75 प्रतिशत बाशिंदों की मुख्य आजीविका कृषि पर आधारित है। अध्यक्ष महोदय, मैं याद दिलाना चाहूंगा उस एतिहासिक फैसले की जो पिछले सदन के अन्दर आदरणीय मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने किया कि 1600 करोड़ रुपये के बिलों की बकाया राशि जिसको किसान भरने में असमर्थ थे उसको माफ किया जाएगा क्योंकि यहां ऐसे राजनेता भी हुए हैं जो चुनाव से पहले अपनी राजनैतिक रोटियां सेकनें के लिए जनता को झूठे आश्वासन देकर बुलंद आवाज में कहा करते थे कि मैं किसान का बेटा हूँ, किसानों का नेता हूँ। किसानों! मैं आपसे वादा करता हूँ कि जैसे ही हमारे पास सत्ता आएगी, तमाम बिलों का समापन कर दिया जाएगा लेकिन मुझे यह कहते हुए अफसोस हो रहा है कि उस किसान के बेटे को सत्ता का शीर्ष तो मिला लेकिन बिलों के समापन के लिए नहीं बल्कि उनकी जीवन लीला की समाप्ति के लिए मिला। इन्होंने मंडियाली और कादमा कांड की तर्ज पर कंडेला कांड करके 7-7, 8-8 किसानों की हत्याएं करवाई। हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने अपने घोषणा पत्र में इस बात का वादा नहीं किया था कि हमारी सत्ता आएगी तो हम बिलों की माफी करेंगें बल्कि सत्ता हासिल करने के बाद लोगों के दिलों की तकलीफ जानने के बाद यह फैसला लिया कि आज हम 1600 करोड़ रुपये बिजली के बकाया बिलों की राशि माफ करते हैं। यह बड़ा ऐतिहासिक फैसला था और इसके लिए हरियाणा का किसान सदा-सदा उन्हें याद करता रहेगा। अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात जो किसानों से सम्बन्धित है वह यह है कि गन्ने का मूल्य कभी आठ आने और कभी एक रुपया और कभी 5 रुपया बढ़ाया जाता था लेकिन हमारी सरकार ने आदरणीय चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की सरकार ने गन्ने का मूल्य 135 रुपये करके किसानों को बहुत बड़ी राहत दी है। प्राकृतिक आपदा से निबटने के लिए उन्होंने कहा कि चाहे ओलावृष्टि हो, लू की मार हो उनका बचाव बिल्कुल कर सकते हैं लेकिन अभी शीतकाल की जो मार पड़ी है जबकि उसके लिए मुआवजे का कोई प्रावधान नहीं है फिर भी उन्होंने कहा कि इस बारे में केन्द्र सरकार से बात करके इंश्योरैंस स्कीम के माध्यम से उसे कवर्ड करवाने का प्रयास करेंगे। यह बात निश्चित रूप से इस बात का द्योतक है कि उनके दिल में किसान के लिए कितनी जगह है। अध्यक्ष महोदय, दिल्ली के तीनों तरफ शहरीकरण की होड़ में कोने-कोने से किसान की जमीन को एक्वायर करके और उसे डिवैल्प करके बहुत ऊँचे दामों पर बेचा जाता था और किसान को अपनी जमीन का उचित मुआवजा नहीं मिलता था लेकिन हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने इस बात को पहचानते हुए जो रेट दिल्ली ने निर्धारित कर दिए उसी तर्ज पर यहां के किसानों को रेट दे दिए ताकि यहां के किसानों में किसी तरह का मलाल न रहे। इससे पूरे हरियाणा को विकसित होने में और किसान का समुचित विकास होने के रास्ते में कोई रुकावट नहीं आएगी। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में नई उद्योग नीति 2005 घोषित की गई जिससे आज पूरे हिन्दुस्तान में बाहर की किसी बहुराष्ट्रीय कम्पनी की नजर उद्योग स्थापित करने के लिए टिकती है तो वह हरियाणा पर टिकती है क्योंकि यहां पर इस तरह की औद्योगिक नीति घोषित गई है, यहां पर सिंगल

[राव दान सिंह]

विंडो क्लीयरैंस है नो ओब्जैक्शन और इस तरह की किसी और बाधा का उनको सामना नहीं करना पड़ेगा। पिछली सरकार के समय में एक समय था जब यहां से उद्योग पलायन करने के लिए आमादा रहते थे। कोई उद्योगपति शाम को चैन से सोता था तो सुबह उठकर शुक्र मनाता था कि शुक्र है कि आज कोई ऐसा फरमान नहीं आया। अधिकारी और कर्मचारी सहमे रहते थे। उद्योगपतियों को भय और आतंक के माहौल में उद्योग चलाने पड़ते थे। अध्यक्ष महोदय, आज हमारी चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की सरकार ने कई एस.ई.जैड स्थापित करने का प्रोग्राम बनाया है जिसके अंदर 25 हजार एकड़ जमीन अधिग्रहण की जाएगी। मिस्टर अम्बानी जो इस देश के प्रमुख उद्योगपति हैं उनके साथ एक एम.ओ.यू. साइन करके इस प्रदेश के विकास के ऊपर नई मोहर लगाई गई है। हरियाणा को आज तक कृषि पर आधारित प्रदेश माना जाता है इसलिए कहा जाता है कि there is no culture in Haryana except agriculture. आज उसके चहुंमुखी विकास के लिए औद्योगिक विकास की बराबरी का दर्जा हासिल किया गया है। अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री महोदय, की जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है, इन्होंने श्रम नीति बनाई ताकि यहां के श्रमिकों का शोषण न हो। गुड़गांव में कुछ राजनैतिक लोगों के द्वारा राजनैतिक रोटियां सेकने का प्रयास किया गया था, इस तरह की घटना दोबारा न हो इसके लिए भी उनके अधिकार सुरक्षित किए गए हैं। अध्यक्ष महोदय, गांवों के अन्दर पंचायती राज को ताकत देने के लिए स्वर्गीय राजीव गांधी ने एक बहुत बड़ी बात कही, वे चाहते थे कि देश के अंदर प्रजातंत्र की सच्ची जड़े गांव तक पहुंचे, उन्होंने इसको प्रोत्साहन दिया था। लेकिन अफसोस इस बात का है कि पिछली सरकार ने पंचायती राज की धज्जियां उड़ाने के लिए उसके पैरलल विकास समितियां बना दी और उनमें अपने चेहतों को बैठाकर सरकारी धन का दुरुपयोग किया। इन बातों को हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने समझा और तुरंत प्रभाव से ग्राम समितियों को खत्म कर दिया। इसके लिए हम मुख्यमंत्री महोदय का धन्यवाद करते हैं। अध्यक्ष महोदय, आप सभी को मालूम है कि अज्ञानता अभिशाप है। जब तक आदमी शिक्षित नहीं होता तब तक उसका विकास नहीं हो सकता। दुनिया के अंदर आज ऑक्सफोर्ड और कैम्ब्रीज यूनीवर्सिटीज का नाम है। उन्ही की तर्ज पर आज हमारी सरकार हरियाणा प्रदेश में राजीव गांधी एजूकेशनल सिटी स्थापित करने की योजना बना रही है। जिसमें अंतर्राष्ट्रीय स्तर की उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्थाएं एक ही स्थान पर होंगी और यहां पर बहुत दूर-दूर के रिसर्च एंड डिवैल्पमैंट प्रोग्राम चला करके देश के नौजवानों को शिक्षा और नौकरियां देकर आगे बढ़ाया जायेगा। अध्यक्ष महोदय, यह वर्ष 2006 बालिका वर्ष के नाम से मनाया जा रहा है। यह हमारी संस्कृति, इतिहास और परम्परा रही है कि हम नारी का सम्मान करते हैं। जैसा कि कहा जाता है कि there is a women behind every great man. अध्यक्ष महोदय, हमारे प्रदेश में ही नहीं बल्कि हमारे देश में भी नारी को बहुत सम्मान दिया जाता है। भारत देश को पूरी दुनिया भारत माँ के नाम से जानती है। लेकिन इस देश में भी कुछ लोगों की ना समझी की वजह से और पुत्र लालच की वजह से बच्चों के अंदर female child infanticide की भावना से लिंग अनुपात में बहुत बड़ा अंतर आ गया है। मुझे यह कहते हुए बड़ा गर्व हो रहा है कि मेरा क्षेत्र महेन्द्रगढ़ जिला पूरे हरियाणा के अंदर नम्बर एक पर है जहां 1000 लड़कों पर 919 लड़कियां हैं जबकि बाकि हरियाणा के अंदर यह संख्या 800 लड़कियों तक पहुंच गई है जो कि बहुत ही चिंतनीय स्थिति है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए लिंग अनुपात को खत्म करने के लिए हमारी

सरकार ने बहुत सारे ठोस कदम उठाये हैं ताकि महिलाओं का आदर सम्मान हो और आने वाले समय में इस तरह की पुनरावृति करने से पहले व्यक्ति चार बार सोचे। हमारी सरकार ने जो लाडली स्कीम चलाई है जिसके तहत एक माँ को या उसके परिवार को पाँच साल तक पाँच-पाँच हजार रुपये मिलेंगे ताकि बच्ची के बड़े होने पर उसके हाथ पीले करते समय मां-बाप को आर्थिक सहायता मिल सके। इसके अतिरिक्त महिलाओं को तकनीकी शिक्षा के अंदर भी कमसैशंज दिए गए हैं और दूसरे कोर्सिज के अंदर भी 25 प्रतिशत का संरक्षण दिया गया है। इसके अतिरिक्त महिलाओं को 33 प्रतिशत का आरक्षण ग्रामीण क्षेत्र की नौकरियों में दिया गया है। अध्यक्ष महोदय, ये सारी बातें वे हैं जिनसे महिलाओं को प्रोत्साहन मिलेगा नारी का सम्मान करके ही हम आगे बढ़ेंगे। यह सत्य है कि जब तक हम नारी का सम्मान नहीं करेंगे तब तक आगे नहीं बढ़ पायेंगे क्योंकि कहा जाता है माता बच्चे की पहली शिक्षक होती है इसलिये माता से ही सारे काम शुरू किये जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, अब मैं कृषि के बारे में बात करना चाहूँगा कि कृषि देश की और हरियाणा प्रदेश की रीड की हड्डी है और हरियाणा प्रदेश में कृषि पर आधारित सारे कार्य किये जाते हैं लेकिन अफसोस यह है कि जैसे वैज्ञानिक रूप से हम आगे चले जा रहे हैं उस हिसाब से कृषि के क्षेत्र में हम आगे नहीं बढ़ पाये। अब हमारे मुख्यमंत्री महोदय कृषि को वैज्ञानिक तकनीक से जोड़ना चाहते हैं ताकि कृषि में जो पुरानी फसलों का फसल चक्र है उसको विविधिकरण से जोड़ करके नई उद्योग नीति अपना करके कंट्रैक्ट फारमिंग की तर्ज पर काम किया जा सके और यहां के किसानों को कृषि के नये-नये तरीके सिखाये जा सकें। ऐसा होने पर कृषि के उत्पादन के अंदर चहुमुखी विकास होगा और हमारे किसान भाई भी तरक्की कर पायेंगे। अध्यक्ष महोदय, पशुधन किसानों के लिए एक बहुत बड़ी धरोहर है यदि किसी किसान का एक पशु मर जाता है तो आर्थिक तौर पर उसकी कमर टूट जाती है। मुंह-खुर जैसी बीमारी ऐसी बीमारी है जो एक साथ हजारों पशुओं को काल के मुंह में ले जाती है। हमारी सरकार ने समय रहते इस बीमारी से पशुओं को बचाने के लिए पशु चिकित्सालयों में उचित प्रबन्ध किए हैं इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद देता हूँ। अध्यक्ष महोदय, अब मैं आधारभूत संरचना के बारे में कहना चाहूँगा कि जब तक किसी देश का या प्रदेश का इन्फ्रास्ट्रैक्चर स्ट्रोंग नहीं होगा तब तक वह तरक्की नहीं कर सकता। आज हमारे मुख्यमंत्री जी ने और हमारी सरकार ने इस बात की पहचान की है और निश्चित तौर पर आज कि जो मॉडर्न लिविंग लाईफ है उसके अंदर बिजली का बहुत बड़ा महत्व है। पिछली सरकारें बिजली के बारे में नारे देती रहीं कि 24 घंटे बिजली देंगे लेकिन बिजली के उत्पादन के लिए उन्होंने एक संयंत्र मात्र नहीं लगाया। हमारी सरकार अपने दस महीने के शासन में लगभग 5-6 महीने ही काम कर पाई है बाकी का समय तो इलैक्शनों की तैयारी में और आचारसंहिता में ही निकल गया। लेकिन इन 5-6 महीने के अंदर ही हमारे मुख्यमंत्री जी ने अपने मंत्रीमण्डल के सहयोगियों की सहायता से थमुनानगर, झज्जर, हिसार और फरीदाबाद में बिजली के नये प्लांट लगाने का प्रोग्राम बनाया है जिनसे आने वाले दो साल के अंदर 24 घंटे नहीं तो 22 घंटे बिजली हमें निश्चित तौर पर मिलेगी। उस समय हम कह सकेंगे कि जनता से 24 घंटे बिजली देने का झूठा वायदा करता कोई है और उस वायदे को निभाता कोई है। अध्यक्ष महोदय, हम किसी से राजनैतिक रोटियां सेकने के लिए झूठा वायदा नहीं करते। अध्यक्ष महोदय, इसके बाद मैं सड़कों का जिक्र करना चाहता हूँ। जब तक सड़कों का जाल ठीक नहीं होगा तब तक कनैक्टिविटी ठीक नहीं होगी। जब तक मीन्ज ऑफ ट्रांसपोर्ट ठीक नहीं होगा तब तक हम तरक्की की बात नहीं कर सकते हैं। आज

[राव दान सिंह]

मुख्यमंत्री महोदय के प्रयासों से पानीपत के पास 10 किलोमीटर का ऐलिवेटिड हाईवे बनाया जा रहा है ताकि वहां पर ट्रैफिक चलने में आसानी हो और वहां पर जो ट्रैफिक जाम हुआ रहता है उससे निजात मिले। इससे जहां ट्रैफिक स्मूथ होगा वहीं समय कम लगेगा और फ्यूल कन्जम्पशन कम होगी। इस प्रौजैक्ट को पास करवा लिया गया है। इसी प्रकार से रोहतक का फोरलेनिंग मार्ग पास करवा लिया गया है। इसी प्रकार से अम्बाला से जीरकपुर हो करके कालका जाने के लिए फोरलेनिंग मार्ग पास हो गया है। बहादुरगढ़ और फरीदाबाद के अन्दर ऐलिवेटिड हाईवे बनाने का प्रयास किया जा रहा है। यह सब बातें वे सराहनीय कदम हैं जिनके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी को जितनी बधाई दें उतनी ही कम है। अध्यक्ष महोदय, दिल्ली के ट्रैफिक से बचने के लिए कुण्डली, मानेसर और पलवल का सुपर एक्सप्रैस हाईवे का काम बहुत तेज गति से युद्धस्तर पर चालू किया गया है। इसके लिए जमीन का अधिग्रहण शुरू हो चुका है और बहुत जल्दी उसका काण्ट्रैक्ट भी दे दिया जाएगा। मैं समझता हूँ कि दो या अढ़ाई साल के अरसे के अन्दर उसको पूरा कर लिया जाएगा जिससे आने वाले समय के अन्दर केवल हरियाणा में ही नहीं बल्कि बाकी प्रदेश और देश के लोगों को भी उससे फायदा होगा। इसके साथ ही चारों तरफ बड़े सिटी और टाउनशिप्स भी आ जाएंगे जिससे हरियाणा प्रदेश के चहुँमुखी विकास में किसी दिन, दिन-दुनी रात-चौगुनी उन्नति होगी। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही अब मैं सिंचाई के बारे कहना चाहता हूँ। हरियाणा प्रदेश के अन्दर दक्षिणी हरियाणा विशेष रूप से वर्तमान माननीय मुख्यमंत्री के कार्यकाल को स्वर्ण युग के रूप में याद करेगा। हमारे यहां सूखी धरती के अन्दर तब तक अनाज पैदा नहीं होता जब तक वहां पर बिजली और पानी नहीं होता। हमारे यहां का किसान परिश्रमी है जो अपनी धरती का सीना चीर कर अनाज पैदा करना चाहता है लेकिन जब पानी नहीं होता तो वह अपनी बदहाली पर रोता है। हम माननीय मुख्यमंत्री महोदय का धन्यवाद करते हैं कि वे इस इलाके में पानी देने के लिए कटिबद्ध हैं। इन्होंने पहले भी सदन में यह कहा कि मैं एस.वाई.एल. के पानी के मुद्दे को बाद में हल करूंगा सबसे पहले हम दक्षिणी हरियाणा के पानी के मसले को हल करेंगे। मुझे 36 बिरादरी के लोगों ने मुख्यमंत्री बनाया है मेरा किसी जाति विशेष अथवा किसी वर्ग विशेष से सम्बन्ध नहीं है जिनके साथ आज तक बेइन्साफी होती रही है मैं इस सदन में खड़े होकर यह फैसला करता हूँ कि आज के बाद हरियाणा के अन्दर जो एक बूंद पानी की उपलब्ध है उस पर सभी हरियाणा वासियों का एक समान अधिकार होगा। 260 करोड़ रुपये से नई नहर का निर्माण करके हमारे इस क्षेत्र के अन्तिम छोर तक लगातार पानी पहुँचाने का काम किया गया है इसके लिए हम सदा उनके आभारी रहेंगे। मैं विश्वास के साथ कहता हूँ कि उनके इस कार्य के अन्दर इस महान सदन के सभी साथी उनका सहयोग और साथ देंगे। अध्यक्ष महोदय, जहां तक ग्रामीण विकास की बात आती है और शहरीकरण की जिस तरह से होड़ लगी हुई है जब तक शहरों के मुकाबले में हम गांवों का विकास नहीं करेंगे तब तक निश्चित तौर पर हम गांवों के लोगों को शहरों की तरफ जाने से रोक नहीं पाएंगे। हम इस बात के लिए आभारी हैं कि मुख्यमंत्री महोदय के प्रयासों से महेन्द्रगढ़ और सिरसा को ग्रामीण रोजगार गारन्टी के अन्दर कवर किया गया है और यहां के लोगों को कम से कम 100 दिन का रोजगार निश्चित तौर पर मिले उसका प्रावधान किया गया है। हम इसके लिए भी सरकार और माननीय मुख्यमंत्री महोदय का धन्यवाद करते हैं। अध्यक्ष महोदय, जहां तक रोजगार और औद्योगिक विकास की बात आती है, मैं यह कहता हूँ कि बेरोजगारी

एक बहुत बड़ी समस्या है और इस समस्या का जितनी जल्दी समाधान हो जाए उतना ही अच्छा है। यह कहा जाता है कि युवाशक्ति देश और समाज की ताकत होती है और अगर वह भटक जाती है तो उसमें या तो निराशा का भाव आ जाता है या फिर उसके अन्दर आपराधिक प्रवृति पनपने लगती है। किसी ने सच ही कहा है कि संघर्षों के साये में जवानी पलती है, राष्ट्र उधर चलता है जिधर जवानी चलती है। इस बात को महसूस करते हुए आदरणीय मुख्यमन्त्री महोदय ने हमारे यहां पर एक आयाम स्थापित करने का प्रयास किया है और इस तरह की औद्योगिक नीति लागू की गई है जिससे कहते हैं कि आने वाले दस साल के अन्दर दो लाख करोड़ रुपये का इन्वैस्टमैंट यहां पर होगा और दस लाख बेरोजगार युवाओं को यहां पर रोजगार मिलेगा तब जा कर हमारे क्षेत्र और प्रदेश की बेरोजगारी की समस्या का समाधान हो पाएगा। अध्यक्ष महोदय, और भी बहुत सी चीजें इस सरकार ने की हैं। इन्होंने आई.एम.टी. मानेसर के अन्दर आर.एण्ड डी. खोल कर औटोमोबाईल में विशेषतौर पर कम्पनी और उद्योग स्थापित करके बेरोजगारी को समाप्त करने का प्रोग्राम दिया है। अध्यक्ष महोदय, अब मैं शहरों के विकास की बात करता हूँ। यहां पर यह बताया गया है कि कुण्डली और मानेसर के चारों तरफ मॉडल टाउनशिप बसाई जाएगी जिससे आने वाले समय में लोगों को अपना जीवनयापन करने के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त जगह मिल जाएगी। अध्यक्ष महोदय, अब मैं परिवहन की बात करता हूँ। जब तक परिवहन के साधन अच्छे, सुरक्षित और कुशल नहीं होंगे तथा परिवहन में कार्यरत लोगों का व्यवहार मैत्रीपूर्ण नहीं होगा तब तक मैं समझता हूँ कि बात अधूरी रह जाती है। सरकार ने फैसला किया है कि अपने बेड़े के अन्दर कम से कम 500 नई बसें जोड़ी जाएंगी। पर्यावरण को सुधारने के लिए सी.एन.जी. की बसें लगाई जाएंगी और जो लोग लम्बे रूटों पर चलते हैं उनके लिए एयर कण्डीशण्ड बसों की सुविधा दी जाएगी। बस स्टैंड और दूसरी कार्यशालाओं को भी लेटैस्ट टैक्नोलोजी के साथ चलाया जाएगा। निश्चित तौर पर डी.ओ.टी. के आधार पर कुछ लोगों को टोल प्लाजा भी दिये जा सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, जहां तक स्वास्थ्य की बात आती है तो कहते हैं कि पहला सुख निरोगी काया। इस प्रदेश की जनता में से अगर कोई व्यक्ति स्वस्थ नहीं है तो निश्चित तौर पर यह प्रदेश के लिए बहुत अच्छी खबर नहीं है।

श्री अध्यक्ष : राव साहब, प्लीज, अब आप कंक्लूड करें।

राव दान सिंह : अध्यक्ष महोदय, स्वास्थ्य के लिए भी सरकार ने बहुत ज्यादा सुविधाएं दी हैं चाहे वह महिलाओं के स्वास्थ्य की बात हो या चाहे वह बच्चों के कुपोषण की बात हो, सब के लिए सुविधाएं दी गयी है। अध्यक्ष महोदय, मैं जानता हूँ कि जब महिला बच्चे को जन्म देती है तो उसकी प्रसूति के दौरान उसका दूसरा जन्म माना जाता है। आज भी बहुत से ऐसे होस्पीटल्ज हैं जहां पर इस तरह की सुविधाएं नहीं है जिसके कारण बहुत सी माँ बच्चे को जन्म देने से पहले स्वर्ग सिधार जाती हैं या उनका बच्चा स्वर्ग सिधार जाता है। इसलिए इन सब समस्याओं से निपटने के लिए सरकार ने प्रसूति गृह के तौर पर गांव-गांव के अन्दर प्रसूति हट्स की सुविधा प्रदान करने का प्रयास किया है। स्वास्थ्य कार्ड, दन्त चिकित्सा और इसी तरह की दूसरी सुविधाएं प्रदान करके उन्होंने यह बताने का प्रयास किया है कि सरकार लोगों के स्वास्थ्य के प्रति बहुत भारी चिंतित है। जहां तक शिक्षा की बात है जैसा मैंने कहा कि अज्ञानता एक अभिशाप है। इसलिए हमारी सरकार ने लड़कियों की शिक्षा पर

[राव दान सिंह]

विशेष ध्यान दिया है क्योंकि जहां पर एक लड़की पढ़ती है वहां पर एक परिवार पढ़ता है जबकि जहां पर एक व्यक्ति पढ़ता है वहां पर एक व्यक्ति विशेष तक ही वह शिक्षा रहती है। आदरणीय मुख्यमंत्री महोदय ने सोनिया जी के जीन्द में आने पर जहां एक महाविद्यालय की स्थापना के लिए कहा वहीं एक विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए भी उन्होंने कहा। मैं इसके लिए उनका धन्यवाद करता हूँ और आभार व्यक्त करता हूँ कि उन्होंने इतनी बड़ी बात सोचकर आने वाले भारत के भविष्य को बताने की कोशिश की है कि नारी के उत्थान और शिक्षा के बिना हम आगे नहीं चल सकते। अध्यक्ष महोदय, और भी बहुत सी बातें हैं जो कल्याणकारी हैं। जैसे अम्बेडकर मेधावी छात्र योजना सरकार ने लागू की है ताकि मेधावी छात्रों को प्रोत्साहन के लिए एक हजार या 1200 रुपये स्कॉलरशिप के रूप में मिल सकें और वे अपनी पढ़ाई निर्बाध रूप से कर सकें। अध्यक्ष महोदय, एक बात के लिए मैं अवश्य कहना चाहूँगा कि सैनिक बलों और सैनिकों की सुख सुविधा के लिए गवर्नर ऐड्रैस में डिफैंस कालोनीज बनाने की बात कही गयी है लेकिन इसमें महेन्द्रगढ़ क्षेत्र को छोड़ दिया गया है जबकि हम सैनिकों और पैरा मिलिट्री फोर्सिज की संख्या के आधार पर बहुत अग्रणी हैं। मैं माननीय मुख्यमंत्री महोदय से निवेदन करूंगा कि जब भी डिफैंस कालोनीज बनाने की बात आये तो निश्चित तौर पर महेन्द्रगढ़ को भी इसमें सम्मिलित किया जाए। अध्यक्ष महोदय, शासन की बात अगर हम करते हैं तो इससे बढ़िया शासन कोई दूसरा हो नहीं सकता और हमें पूर्ण भरोसा है कि भूपेन्द्र सिंह हुड्डा केवल कांग्रेस में ही नहीं है बल्कि कांग्रेस का खून भी इनके अन्दर है। निश्चित तौर पर आदरणीया सोनिया जी ने भी यह बात कही है तथा देश के अंदर कांग्रेस की जंगे-ए-आजादी से लेकर आज तक भी एकता और अखंडता की बात रही है। यह बात हमेशा निर्धारित की गयी है कि हम किसी के मुँह में रोटी का निवाला तो दे सकते हैं लेकिन भारतीय जनता पार्टी के लोगों की तरह किसी के मुँह से रोटी का निवाला छीन नहीं सकते। मुझे वह वाक्या याद आ रहा है जब गोहाना के अंदर उनको आरोपित किया गया था कि सरकार ने इस तरह का काम किया है हालांकि मैं इस बात पर ज्यादा नहीं कहना चाहता हूँ लेकिन मैं इतना जरूर कहना चाहता हूँ कि उनके असली चेहरे उजागर हो चुके हैं। अध्यक्ष महोदय, किसी ने ठीक कहा है कि लोग टूट जाते हैं एक घर बनाने में, लेकिन उन्हें शर्म नहीं आती है बस्तियां उजाड़ने में। निश्चित तौर पर आने वाले समय के अंदर मुख्यमंत्री महोदय के प्रयासों से हरियाणा प्रदेश के एक-एक व्यक्ति को बसाया जाएगा। गरीब को, मजदूर को, किसानों को और व्यापारियों को सब तरह से राहत दी जाएगी और एक बहुत अच्छा प्रशासन आदरणीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में चलाया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, मैं इन्हीं शब्दों के साथ राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का अनुमोदन करते हुए, समर्थन करते हुए अपनी वाणी को विराम देता हूँ। जय हिन्द, जय भारत।

Mr. Speaker : Motion moved-

That an Address be presented to the Governor in the following terms :-

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in

this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on 13th January, 2006 at 2.00 P.M."

Hon'ble Members, I have received an amendment to this motion from Dr. Sushil Kumar Indora, M.L.A. This will be deemed to have been read and moved.

"But regret that no mention has been made in the Address regarding :–

1. The scheme of increasing the skill in labourers;
2. The scheme to make agriculture economically profitable;
3. The scheme to equalize 6% rate of interest for agriculture as being charged for other sectors.
4. Increase of capacity of accumulation of available water through rainfall and rivers.
5. The provision of subsidy to be given on fertilizer direct to the farmers; and
6. Achieving target of power generation for making the State self-reliant."

डॉ० सुशील इन्दौरा (ऐलनाबाद, एस.सी.) : माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ कि आपने मुझे महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया।

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा साहब, आप अभिभाषण पर बोलने के लिए कितना टाइम लेंगे। ऐसा है, सैशन आज का है और सोमवार को है। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिए 180 मिनट का समय रखा गया है। उस हिसाब से 2 मिनट पर मैम्बर के बनते हैं। पार्टी की मैम्बरों की संख्या के हिसाब से 18 मिनट आपकी पार्टी के बनते हैं। आप 20 मिनट ले लो। वैसे 18 मिनट का समय आपकी पार्टी का बनता है।

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर साहब, अगर वक्त की कमी थी तो सैशन बुलाने का क्या औचित्य था। हाउस पिछले 8-10 दिन पहले प्रोरोगेट हुआ था। इस दौरान में न तो हमें नोटिस देने का मौका मिला और न ही सवाल देने का मौका मिला।

परिवहन मन्त्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) अध्यक्ष महोदय, एक तो मैं माननीय सदस्य को कहना चाहूँगा कि हाउस पाँच दिन पहले प्रोरोगेट नहीं हुआ था। ये अपना हिसाब-किताब दुरस्त कर लें। अगर इनको याद नहीं रहता है तो ये डायरी कलेंडर रखा करें या रिकॉर्ड देख आया करें। दुर्भाग्य की बात यह भी है कि एक भी प्रश्न माननीय सदस्य ने या उनके साथियों ने नहीं दिया जो कि जनता के हित में वे पूछना चाहते हों। यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

डॉ० सुशील इन्दौरा : सर, इन्होंने मेरा तीन मिनट का समय ले लिया है। मैं यह कह रहा था कि अगर स्पीकर का चुनाव करना था तो उसके लिए तो बजट सैशन आ रहा था।

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा साहब, आप राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलें।

डॉ. सुशील इन्दौरा : सर, मैं उसी पर आ रहा हूँ। सर, जो माननीय महामहिम राज्यपाल जी का अभिभाषण है उसमें ऐसा कुछ नहीं है कि मैं उसकी कुछ प्रशंसा करूँ। महामहिम का जो अभिभाषण होता है वह एक दर्पण होता है जो सरकार की नीतियों को दर्शाता है कि सरकार की भविष्य के बारे में क्या प्लानिंग है। सरकार महामहिम के माध्यम से यह कहना चाहती है कि प्रदेश की जनता के हित के लिए उसे क्या करना चाहिए। यानि क्या सरकार देखना चाहती है और सरकार की भविष्य की क्या प्लानिंग है। अभिभाषण में दिखाया जाता है कि सरकार कैसे-कैसे खर्च करेगी, और प्रदेश के लोगों को कैसे-कैसे सुविधायें देगी। मेरे पास 22 मार्च, 2005 का महामहिम राज्यपाल महोदय का अभिभाषण भी है और 13 जनवरी, 2006 का भी है। अभिभाषणों में कोई खास फर्क नहीं है सिर्फ उस टाइम जो दावे और वायदे किए गए थे उन पर थोड़ी बहुत लीपापोती करने का काम जरूर किया गया है। मुख्यमंत्री जी यहां बैठे हैं, इनको मैं एक बात के लिए तो बधाई देता हूँ कि इन्होंने कुछ न कुछ तो किया है। मैं पहली ही लाइन से शुरू करता हूँ। इसमें लिखा है कि मेरी सरकार ने गत वर्ष भय से मुक्त प्रशासन प्रदान किया। इसमें कोई शक नहीं कि प्रशासन बिल्कुल भय मुक्त है। कहीं कोई सुनवाई नहीं होती है। मुख्यमन्त्री जी की घोषणा के बावजूद भी कार्यवाही नहीं होती है। होना तो यह चाहिए था कि प्रदेश की जनता भयमुक्त होती लेकिन प्रशासन भयमुक्त है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है। अध्यक्ष महोदय, इन्दौरा साहब संसद के सदस्य रहे हैं। मैंने अभी इनका नोटिस ऑफ अमैंडमैंट पढ़ा है। मेरा प्वाइंट ऑफ ऑर्डर यह है कि मैं अभी इन्दौरा साहब से यह पूछना चाहता हूँ बाकि तो जब मेरी बोलने की बारी आएगी तो तफसीस से बोलूँगा। इन्होंने अपनी अमैंडमैंट में कहा है कि----

"The Scheme to Equalize 6% rate of interest for Agriculture as being charged for other sector."

स्पीकर सर, आपको याद होगा कि पिछली सरकार के समय में मैंने एक प्राईवेट मैम्बर बिल दिया था। उस बिल में मैंने यह मांग की थी..... (विघ्न)

डॉ. सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, इन्हें मेरी बात सुनने में तकलीफ नहीं होनी चाहिए। इनका यह विषय कोई चर्चा का विषय नहीं है (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, इन्दौरा जी लोगों को गुमराह करना चाहते हैं और इस

सदन को गुमराह करना चाहते हैं। (विघ्न)

Dr. Sushil Indora : Speaker Sir, this is not a point of order. मैं सदन को गुमराह नहीं करना चाहता। जो बातें सरकार ने कही हैं उसके बारे में मैं याद दिलाना चाहता हूँ। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, अभी आप बैठ जाएं, ये बातें आप गर्वनर एड्रैस पर बोलें, तब बता देना। Mr. Indora ji, please come to the point.

डॉ० सुशील इन्दौरा : सर, मैं गर्वनर एड्रैस पर ही आ रहा हूँ। अध्यक्ष महोदय, सरकार ने दावा किया है कि हम भय-मुक्त प्रशासन देंगे। मुख्यमंत्री जी जहां भी जाते हैं वहां पर कोई न कोई आदेश देकर आते हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि मुख्यमंत्री जी जो आदेश देकर आते हैं उस पर कार्यवाही होनी चाहिए लेकिन भय-मुक्त प्रशासन इस बात की परवाह ही नहीं करता कि उन आदेशों की पालना करनी चाहिए। कानून-व्यवस्था के बारे में मुख्यमंत्री जी ने बात की कि हम भय-भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देंगे। मुख्यमंत्री जी यहां पर बैठे हुए हैं ये एक भी मामला बतायें जिसमें कोई बड़ा अधिकारी पकड़ा गया हो, हो सकता है कि कोई बेचारा पटवारी सस्पैंड कर दिया गया हो या किसी लाईनमैन को पकड़ लिया हो। लेकिन आज तक कोई भी ऐसा अधिकारी जिसका भ्रष्टाचार के मामले में नाम हो वह पकड़ा हो, ऐसा नहीं हुआ। अध्यक्ष महोदय, भ्रष्टाचार के ऐसे मामले आये हैं लेकिन किसी को भी नहीं पकड़ा गया है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं आपको एक उदाहरण देना चाहता हूँ। (विघ्न)

श्री एस० एस० सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, सरकार ने इनके मुखिया के केस को सी.बी.आई. को इन्क्वायरी करने के लिए लिखा है तो इससे बड़ा भ्रष्टाचारी और कौन होगा जिसको सरकार ने नहीं पकड़ा हो। सबसे बड़ा भ्रष्टाचारी तो सरकार ने पकड़ लिया है।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, इस केस की सी.बी.आई. इंक्वायरी करवाने के बारे में मुख्यमंत्री जी का ब्यान कुछ और ही है और इनके मंत्री का ब्यान कुछ और है। कमाल की बात यह है कि इस मामले में इनमें आपस में कोआर्डीनेशन नहीं है। जहां तक भ्रष्टाचार की बात है सिरसा जिले के रेवर गांव में डी.जी. फ्लाईंग स्क्वायड और सी.एम. फ्लाईंग स्क्वायड ने छापा मारकर जो भुक्की पकड़ी थी उसका क्या नतीजा हुआ जरा मुख्यमंत्री जी बतायें क्योंकि इनके पास तो रिपोर्ट है। इनके पास इस बात का कोई जवाब नहीं है क्योंकि इनके मंत्रिमंडल के सदस्य स्वयं इसमें संलिप्त पाये गये। इस बारे में मुख्यमंत्री जी जवाब दें। आज प्रशासन का इतना बुरा हाल है कि आज जहां भी देखो वहां अफसरशाही छाई हुई है। जब हम सिरसा जिले में जाते हैं तो देखते हैं कि आज सिरसा जिले में लोग दफ्तरों में जाने से डरते हैं कि कहीं धक्के देकर बाहर न निकाल दिए जाएं। प्रशासन में सरकार को सुदृढ़ता लानी चाहिए। (विघ्न) अब मैं कानून-व्यवस्था के बारे में बात करूंगा। जब से यह सरकार बनी है हकीकत में देखा जाए तो मन्दिर में भगवान भी सुरक्षित नहीं है और शमशान घाट में मुर्दा सुरक्षित नहीं है। (विघ्न)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं प्वायंट ऑफ ऑर्डर पर बोलना चाहता हूँ। माननीय सदस्य डॉ. सुशील कुमार इन्दौरा जी कानून व्यवस्था की बात कर रहे हैं। स्पीकर सर, मेरे पास एक सी.डी. है जिसमें माननीय इन्दौरा जी और डा. सीता राम उस सी.डी. में मौजूद हैं जिसमें

[श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला]

कुख्यात उग्रवादी डिम्पी के साथ चौटाला गांव में ये अपने नेताओं के साथ बैठे नजर आते हैं। स्पीकर सर, उस सी.डी. में ये सारे एक साथ बैठकर लड़कियों के नाच का आनन्द ले रहे हैं। छाज तो बोले छलनी भी बोले। रुंगडा काण्ड के अन्दर जो कुख्यात उग्रवादी पकड़ा गया था और उस समय चौटाला गाँव में मौजूद था और डॉ. सुशील कुमार इन्दौरा, डॉ. सीता राम उस सी.डी. में ओमप्रकाश चौटाला के पुत्रों के साथ बैठे नजर आ रहे थे। ये कानून व्यवस्था की बात कर रहे हैं उस वक्त के सांसद श्री सैयद शहाबुद्दीन जो उस समय भगौड़ा था ये उसके साथ नजर आते थे। ये कानून व्यवस्था की बात कर रहे हैं। मुख्तार अन्सारी के ये संरक्षक थे, जो भगौड़ा था। ऐसे में ये कानून व्यवस्था की बात करना चाहते हैं। इनकी सरकार के रहते हुए इन्होंने किसानों की हत्या करवाई थी। ये कानून व्यवस्था की बात कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, इनको थोड़ा अपने गिरेबान में झांककर देखना चाहिए, इस प्रकार सरकार और मंत्रियों पर अनर्गल आरोप लगाकर ये बच नहीं सकते। ये कानून और व्यवस्था की बात करेंगे जिनकी गाड़ियों के अंदर नामजद गुंडे जाया करते थे। (शोर एवं व्यवधान) वे कानून और व्यवस्था की बात करते हैं जो रोहतक की जेल में कृष्ण पहलवान से मिलने जाया करते थे। (शोर एवं व्यवधान) ये कानून और व्यवस्था की बात करेंगे जिनके मुख्यमंत्री प्रोक्लेमड औफैण्डर्ज को विदेश ले जाया करते थे। (शोर एवं व्यवधान) ये कानून और व्यवस्था की बात करेंगे जिनके समय में जो अपराधी होते थे उन्हें जेलों से छोड़कर बाहर पत्रकारों की हत्याएं करवाई जाती थी। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इनको बोलने से पहले सोचना चाहिए। पीछे एक पत्रकार की हत्या की गई और उनकी हत्या करने वाले को इनके नेता ने दो महीने पहले पेरोल पर छुड़वाया था। (शोर एवं व्यवधान) हाय-हाय करने से काम नहीं चलेगा। पूरे हरियाणा की जनता आप लोगों को देखती है, आपके नेता को जानती है, आपके चरित्र और कार्यकाल को जानती है। आपकी चाल, चेहरा और चरित्र हरियाणा की जनता ने वोट की चोट मारकर बेनकाब किया है। (शोर एवं व्यवधान) आप और आपके नेता गुंडों के संरक्षक थे, इसी वजह से आपको मुंह की खानी पड़ी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : डॉ. सुशील इन्दौरा, आप कंटीन्यू करें।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि मंदिर में भगवान सुरक्षित नहीं है, हांसी के जैन मन्दिर में भगवान के घर से मूर्ति चोरी हुई जो कि बड़े शर्म की बात है। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं कानून और व्यवस्था की बात कर रहा हूँ, मैं आंकड़े लोगों के सामने रख रहा हूँ।

Mr. Speaker : Dr. Indora ji, please come on the topic, you are taking part in Governor's Address. Please continue your speech.

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मैं गवर्नर ऐड्रैस पर ही बोल रहा हूँ और जो सच्चाई है वह सबके सामने रख रहा हूँ, हिसार के शमशान घाट में देखिए, वहां मुर्दे सुरक्षित नहीं है, (शोर एवं व्यवधान) माननीय मुख्यमंत्री जो कानून और व्यवस्था की बात करते हैं, मुख्यमंत्री जी बैठे हैं, 3 महीने तक गुड़गांव में हड़ताल चलती रही, मजदूर अपने अधिकारों और हकों के लिए लड़ते रहे। हमारी सरकार ने जिस गुड़गांव

को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ऊंचा उठाना चाहा था इस कांड ने उस गुड़गांव का सिर नीचे झुका दिया है। गुड़गांव कांड सबके सामने है। बेचारे मजदूरों को पीटा गया। यह सरकार कानून और व्यवस्था की बात करती है, रोज कहीं बलात्कार हो रहे हैं, कहीं अपहरण हो रहे हैं और कहीं फिरौतियां मांगी जा रही हैं। (शोर एवं व्यवधान) यह सरकार कहती है कि हमारी सरकार सर्वजातीय सरकार है, सभी जातियों की रक्षा करने वाली सरकार है तो गोहाना में क्या हुआ। टोहाना में देखे किस प्रकार दलितों पर अत्याचार हुए, उनके घर खाली करवाकर फूंक दिए गए।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : प्वायंट ऑफ ऑर्डर सर। अध्यक्ष महोदय, लोकदल की महिला विंग की जो अध्यक्षा थी वह गुड़गांव में गड़बड़ करते हुए टी.वी. पर रिकॉर्ड की गई। जिस प्रकार लोकदल के साथियों ने दलितों पर अत्याचार किए यह आज भी याद है। (शोर एवं व्यवधान) इन्दौरा जी, आप तो छुपकर कमरे में बैठा करते थे जब कंडेला कांड हुआ, जब झज्जर में कांड हुआ था। हरसोला में हरिजन उजाड़े गए थे और वे कह रहे थे कि किसी प्रकार हमें चौटाला और उनके पुत्रों से बचाओ। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि इसकी इन्क्वायरी करवाई जाए और उनको न्याय मिलना चाहिए।

श्री सुखबीर सिंह जौनपुरिया : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। ये लोग गुड़गांव की बात कर रहे हैं। गुड़गांव मेरा क्षेत्र है। मैं इनको बताना चाहूँगा कि जिस समय इनकी सरकार थी उस समय गुड़गांव के अंदर जो किसान झाड़सा चौक पर मुआवजे के पैसे बढ़ाने के लिए एकत्रित हुए थे उन पर चौटाला साहब ने लाठियां चलवाई थी। उन गरीब किसानों को इन्होंने घोड़े वाली पुलिस से पिटवाया था। 90-90 साल के बुजुर्ग किसानों की पगड़ियां तक उस समय उछाली गई थीं और उनको घोड़ों के पैरों से कुचलवाया था तथा आज ये गुड़गांव की बात कर रहे हैं। ये अपने समय को भूल गये। (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी धर्मपाल सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ ऑर्डर है। विपक्ष के लोग गोहाना काण्ड का यहां बार-बार जिक्र करते हैं। I am the most relevant person because I represent that constituency. अध्यक्ष महोदय, गोहाना में मैं मौके पर रहा हूँ। वह झगड़ा दलित वर्सिज नॉन दलित का नहीं था। उसमें 5-7 लोग एक तरफ के थे और 5-7 लोग दूसरी तरफ के थे जिनके बीच झगड़ा हुआ। इसको ये लोग ऐसे ही एक्सप्लोइट करते हैं। इसका जिक्र इनको नहीं करना चाहिए।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, वहां के बाल्मीकि समाज ने मुख्यमंत्री जी को आमन्त्रित करके सम्मानित भी किया है। ये लोग तो ऐसे ही अनर्गल बातें कर रहें हैं।

चौ० धर्मपाल सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, गोहाना के झगड़े को तो राजनैतिक पार्टियों के नेताओं ने दलित काण्ड बना दिया। वहां पर टी.वी. चैनलों के रिपोर्टर आये हुए थे, उनको बर्से कवरेज के लिए वहां खड़ी थी। उनके सामने नेताओं ने अपनी राजनैतिक रोटियां सेंकने के लिए उस घटना को दलित काण्ड बना दिया। अध्यक्ष महोदय, आप भी उपस्थित थे। आपको मालूम है कि 22 तारीख को गोहाना

[चौ० धर्मपाल सिंह मलिक]
के बाल्मीकि समाज ने स्टेज पर मुख्यमंत्री जी को सम्मानित किया था।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मुद्दा यह नहीं है कि वह कांड है या घटना है। मुद्दा यह है कि गोहाना में जो कुछ हुआ वह गलत हुआ मुद्दा तो मुद्दा ही होता है, इसमें देखने वाली बात यह है कि वहां जो कुछ हुआ उसकी जिम्मेवारी किसकी थी। उस घटना को सुचारू रूप से हल करने की जिम्मेवारी हरियाणा सरकार की थी। आज हरियाणा सरकार कानून व्यवस्था की बात करती है कि हरियाणा में पूरी तरह से अमन-चैन है इसलिए हम यह बात कर रहे हैं। चलो मैं इस बात को छोड़ देता हूँ। जैसा सरकार कह रही है कि चारों तरफ अमन चैन है। लेकिन हर रोज कहीं न कहीं डकैती, चोरी और लूटपाट आदि की घटनाएं होती हैं। इस तरफ भी सरकार को ध्यान देना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मौजूदा सरकार ने जिन कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया वे बेचारे मटका चौंक पर अपना प्रदर्शन कर रहे थे उन पर भी सरकार ने लाठियां चलवाई। अध्यक्ष महोदय, अब मैं इरीगेशन के बारे में कुछ बातें कहना चाहूँगा। सिंचाई के मामले में एक बात बार-बार कही जा रही है कि हम पानी का समान बंटवारा करेंगे। अध्यक्ष महोदय, हमें खुशी होगी अगर सरकार हरियाणा के लोगों को पानी का समान बंटवारा करेगी। लेकिन एक बात जरूर है कि सरकार यह कह कर कि हम नई नहर निकालेंगे साऊदर्न हरियाणा, नार्दन हरियाणा, पूर्वी हरियाणा और पश्चिमी हरियाणा को बांटने की कोशिश की जा रही है। ये लोग एक जेहाद छेड़ना चाहते हैं, एक लड़ाई छेड़ना चाहते हैं। सरकार लोगों में यह भ्रम डालना चाहती है कि हरियाणा प्रदेश के एक तरफ के लोग हरियाणा प्रदेश के दूसरी तरफ के लोगों का हक खा गए हैं। सरकार पानी का समान बंटवारा करना चाहती है, सरकार करे, हमें इस बात की खुशी है। ये नई नहर निकालेंगे यह खुशी की बात है लेकिन इस नहर में डालने के लिए पानी कहां से आएगा, पानी तो वही है। इस प्रदेश के एक इलाके का पानी प्रदेश के दूसरे लोगों को देते हैं। यह कह कर कि पिछड़े जिले महेन्द्रगढ़ का पानी रोका जाता रहा है इससे उनकी इस भावना से खिलवाड़ किया जा रहा है कि हमें एक भी बूंद पानी की नहीं मिली। (विघ्न)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, आपके माध्यम से मैं इन्दौरा साहब से केवल एक प्रश्न पूछना चाहता हूँ। क्या यह बात सच नहीं है कि इनके एक व्यक्ति के खेत के लिए रजवाहा निकाला गया था और इस तरह की ज्यादती की गई थी ? अगर अब सरकार पानी का समान वितरण करने जा रही है तो ये इस प्रकार की भेदभाव की बात करते हैं। केवल एक व्यक्ति ने मुख्यमंत्री के दो बेटों के लिए दो रजवाहे इनकी सरकार ने निकाले थे। अगर आज सरकार प्यासी धरती को पानी देने जा रही है तो इस बात पर इनको ऐतराज है।

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर सर, नहर का जिक्र बार-बार किया जाता है। (विघ्न) माननीय बीरेन्द्र सिंह जी बैठे हुए हैं तथा माननीय मुख्यमंत्री जी भी बैठे हुए हैं, आज तक कोई नई नहर बनाई हो तो ये बता दें। (विघ्न) वित्त मन्त्री जी थोड़े स्पष्ट रूप से बात कह देते हैं, मैंने इन से एक बात जानना चाहता हूँ कि बीरेन्द्र सिंह जी के हल्के उचाना में एक नहर का नींव पत्थर रखा गया था। इसके इलावा कोई नई नहर का काम किया गया हो या किसी खाल पर कोई ईंट लगी हो या सिंचाई की कोई और योजना

बनाई हो तो बता दें। एस.वाई.एल. का मुद्दा जब भी उठाया जाता है तो एक बात कह दी जाती है कि मामला कोर्ट में पैंडिंग है। कोर्ट में जो मामला पैंडिंग है वह वाटर ट्राईब्यूनल ट्रीटी का है (विघ्न)

श्रीमती प्रसन्नी देवी : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ ऑर्डर है। इन्दौरा साहब की पार्टी की सरकार ने कोई काम नहीं किया और यह सरकार दरियादिली के साथ सिंचाई का काम कर रही है। अभी पिछले हफ्ते माननीय मुख्यमंत्री जी ने दो जिलों को कवर करने वाले रजवाहे का नींव पत्थर रखा है। इसके अलावा कितनी ही और स्कीम्ज हैं जिन पर काम हो रहा है। पुल का भी पत्थर रखा गया है, 90-90 लाख रुपये के पुल बनेंगे जबकि इनकी सरकार ने जितनी भी वाटर सप्लाई की स्कीमें थीं उनको खण्डहर बना दिया था। पीने के पानी और दूसरे पानी की जो स्कीमें थीं उनको इन्होंने खण्डहर बना दिया था।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, जो प्रोजैक्ट मन्जूर हो कर आए थे उनके बारे में इस सरकार ने क्या किया है। हमारी सरकार के वक्त में नाबार्ड से 62 प्रोजैक्ट मन्जूर हो कर आए थे उनमें से कितने प्रोजैक्टों का निर्माण कार्य हुआ है और कितने प्रोजैक्टों पर इन्होंने कार्यवाही की है ? हमारी पार्टी की सरकार के वक्त दिसम्बर 2000 में जो प्रोजैक्ट मन्जूर हो कर आए थे उनमें से कितने प्रोजैक्टों पर कार्यवाही की गई है और सरकार यह भी बताए कि कहां-कहां पर क्या-क्या कार्यवाही की गई है। (विघ्न) हम तो पूछने वाले हैं, सरकार बताए कि कहां-कहां पर क्या-क्या कार्य किए गए हैं। (विघ्न) सरकार अगर अच्छा काम करेगी तो हम तारीफ करेंगे। मैं खुद कहता हूँ कि सरकार के अच्छे कामों की मैं खुद तारीफ करूँगा और कहूँगा कि सरकार ने बहुत अच्छा काम किया है। लेकिन सरकार कुछ करे तो सही सिर्फ घोषणाओं से ही काम नहीं चलेगा, कुछ करके भी दिखाएं। अगर सरकार कुछ करेगी तो यह एक अच्छी बात होगी और इससे प्रदेश के लोगों को कुछ फायदा होगा। जहां तक दावे की बात है, हमारे साथी बैठे हुए हैं, सबके चेहरे मुरझाए हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, मैंने चाईना का युद्ध तो नहीं देखा लेकिन जब पाकिस्तान की वार हुई थी तो मैं छोटा सा था। उस वक्त मेरी उम्र करीब 43-44 वर्ष की थी। (विघ्न एवं शोर) उस वक्त ब्लैक आउट हुआ करता थी।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : इन्दौरा साहब, आपकी उम्र क्या है ? अगर आप 1971 की वार के समय में 43-44 वर्ष के थे तो आपकी उम्र अब 43 साल की कैसे बनी ? (विघ्न)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, ये मेरा टाईम खराब कर रहे हैं। मैं आपकी रूलिंग चाहता हूँ। सरकार की मंशा है कि फिजूल की बातें करके जो मैं तथ्य सदन में रखना चाहता हूँ, वह मैं न रख सकूं। अध्यक्ष महोदय, मैं पॉवर के बारे में बात कर रहा था। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, आज जगह-जगह बिजली को लेकर रोड जाम हो रहे हैं, प्रदर्शन हो रहे हैं। आज बिजली की प्रदेश में बहुत ज्यादा किल्लत है। माननीय साथी आनन्द सिंह डांगी ने जब यह धन्यवाद प्रस्ताव रखा तो उन्होंने भी बोलते हुए कहा था कि 9 हजार मेगावाट बिजली की आज जरूरत है जबकि आज केवल चार हजार मेगावाट ही बिजली पैदा हो रही है। अध्यक्ष महोदय, सरकार की तरफ से भी कहा गया है कि फरीदाबाद, झज्जर और हिसार में गैस आधारित प्लांट लगाए जाएंगे। अध्यक्ष महोदय, आप इनसे पूछें कि क्या इनकी गैस अथोरिटी ऑफ इंडिया से इस बारे में बात हुई थी की वह इनको गैस देने के लिए तैयार है ? क्योंकि जब गैस ही नहीं आएगी तो ये प्लांट्स गैस आधारित कैसे होंगे ?

वित्त मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह) : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ ऑर्डर है। अभी इन्दौरा जी ने कहा है कि गैस कहां से लाएंगे ? मैं इनको बताना चाहता हूँ कि जो इनकी गैस हमने निकाली है तो कई साल तक तो वही गैस चलेगी। (हँसी)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, डांगी साहब ने यह भी कहा कि प्रोटर खराब है लेकिन जब सरकार इसको भेल कम्पनी से बदलवाने या उसको ठीक करने का ही फैसला नहीं ले सकती तो सरकार क्या कर सकती है ? सरकार इतना सा फैसला नहीं कर सकी है तो इससे बुरी और क्या बात होगी। अध्यक्ष महोदय, मेरे पास जो आंकड़े हैं उनके आधार पर मैं मुख्यमंत्री जी से विशेष अनुरोध करूंगा कि जब वे जवाब दें तो वे अपने अधिकारियों से राय लेकर इस बात को भी बताएं कि हमारे प्रदेश में बिजली की खपत कितनी है और इसकी पैदावार कितनी है ? आज अगर हम 75 परसेंट पॉवर लोड फैक्टर निकाल भी दें तो भी तकरीबन-तकरीबन हमारे पास तीन या सवा तीन हजार मेगावाट के करीब प्रोडक्शन बिजली की होती है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं एक और सवाल पूछना चाहता हूँ। हमारे प्रदेश में बिजली ज्वॉयंट वैंचर से भी आती है, केन्द्र सरकार से भी आती है और प्राईवेट वैंचर से भी आती है लेकिन इसके बावजूद भी अगर कहीं पर बिजली की कमी हो जाए तो क्या उस कमी को दूर करने का फर्ज सरकार का नहीं बनता है कि वह और बिजली खरीदे और इस कमी को पूरा करे ?

श्री अध्यक्ष : डॉ. साहब, आपको बोलते हुए आधा घंटा हो गया है इसलिए अब आप वाईंड अप करें।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मैं एक मिनट और लूँगा। इसी तरह से कानून व्यवस्था के मामले को लेकर जादली में क्या हाल हुआ था। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, अगर बेरोजगारी की बात करें तो हमारे माननीय वित्त मंत्री बीरेन्द्र सिंह जी बैठे हैं। इनकी अध्यक्षता में एक कमेटी बनी थी और इनके चुनाव मैनीफैस्टो में भी कहा गया था कि पिछली सरकार में जो कोरपोरेशंज और अन्य विभागों से जो कर्मचारी निकाले गये हैं उनको वापस नौकरी में लेंगे।

Mr. Speaker : Dr. Indora, now please sit down. बोलो लेकिन गवर्नर ऐड्रैस पर बोलो। You have the ample time.

राजस्व मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : इसका मतलब आप मानते हैं कि निकाले हैं।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : मैं शुक्रगुजार हूँ कि इन्होंने सरकारी कर्मचारियों की नौकरियों को अनाप शनाप तरीके से समाप्त किया था। यह इन्होंने सदन के पटल पर मान लिया है।

डॉ. सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी की अध्यक्षता में कमेटी बनी है और इन्होंने खुद स्वीकारा है कि हम उनको नौकरी नहीं लगा सकते।

वित्त मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह) : अध्यक्ष महोदय, उस कमेटी की कार्यवाही अभी चल रही है पांच मीटिंग हम कर चुके हैं। हम इन्साफ करेंगे जिनसे इन्होंने गैर इन्साफी की है उनसे इन्साफ करेंगे।

श्री अध्यक्ष : आप को बोलते हुए आधे घंटे का समय हो गया है। 89 मैम्बर बोलने के लिए

और हैं इसलिए आप जल्दी वाईंड अप करें।

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) अध्यक्ष महोदय, हमारे विपक्ष के साथी बोल रहे हैं इनको जितना बोलने के लिए समय चाहिए, उतना ही दे दें।

श्री अध्यक्ष : डॉ. साहब, आप केवल ऑन दी गवर्नर एड्रैस बोलें। Please do not divert the issue. (interruptions) How you divert the issue unnecessarilly ?

डॉ० सुशील इन्दौरा : बिजली के मामले में मुख्यमंत्री जी ने बयान दिया है।

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा जी, आप किताब मत उठाओ, किताब से पढ़ना शुरू कर देंगे तो एक घंटा लग जाएगा। आपके पास जो मैटीरियल है उस पर आप बोलें।

डॉ० सुशील इन्दौरा : मैं कह रहा था कि मुख्यमंत्री जी ने अपने बयान में कहा कि मुझे पता है कि हरियाणा प्रदेश के लोग मुझे गाली निकालते हैं क्योंकि बिजली नहीं आ रही है लेकिन साढ़े तीन साल तक और नहीं आएगी। डांगी साहब बोलते हुए कह रहे थे कि बिजली की यह पोजिशन है, वह पोजीशन है। मुख्यमंत्री जी मेरा अनुरोध है कि जब आप जवाब देंगे तो इस बारे में विस्तार से जरूर बताना। हरियाणा की जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। हमारे प्रदेश में कितने पॉवर प्रोजैक्ट लगे हैं और कितने और लगने वाले हैं और वे किस पर आधारित हैं।

श्री विनोद कुमार शर्मा : पिछले छह साल में एक भी पॉवर प्रोजैक्ट नहीं लगा।

डॉ० सुशील इन्दौरा : हमारे समय में 110 मेगावाट का प्लांट लगा है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : नये का नाम बताएं।

डॉ० सुशील इन्दौरा : गैस बेस्ड है, उसका भूमि पूजन आज तक नहीं हुआ है। (शोर एवं विघ्न) मेरे बोलते समय अगर सभी लोग मुझे बीच-बीच में टोकेंगे तो मैं कैसे बोल पाऊंगा ? (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : डॉ. साहब, गवर्नर एड्रैस पर कोई बात नहीं आ रही है, कोई थौट नहीं आ रहे हैं। आप कागज हिला रहे हैं। आपके कौन-कौन से टौपिक रह गए हैं ये बताइए ?

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर साहब, अभी मैंने बेरोजगारी पर, इन्फ्रास्ट्रक्चर पर और रोड़बेज आदि पर बोलना है (शोर एवं विघ्न)

चौ. अर्जन सिंह : अध्यक्ष महोदय, इनको साढ़े पाँच साल का समय मिला तब इन्होंने कुछ नहीं किया और आज ये हमारा समय फालतू जाया कर रहे हैं। जहां तक ऑफीसर्ज की बात है कि ऑफीसर्ज सुनते नहीं हैं तो वे भी इनके टाइम के हैं। अध्यक्ष महोदय, यह हाउस का समय बर्बाद कर रहे हैं कोई बात ढंग से तो नही कर रहे।

श्री अध्यक्ष : आप क्या सुझाव देना चाहते हैं ? जो पिछली सरकार ने 6 साल में किया उसका नतीजा आपके सामने है। (विघ्न) आपने कोई सुझाव तो देना नहीं है, दूसरे सदस्यों का समय आप बर्बाद कर रहे हैं। इसलिए इन्दौरा साहब आपने जो बोलना है वह गर्वनर एड्रैस पर ही बोलें।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, शिक्षा के मामले में सरकार बार-बार एक्सपैरीमैंट कर रही है। पहले कह रही थी कि ऐडहॉक टीचर लगायेंगे उसके बाद यह कहा गया कि पंजाब यूनिवर्सिटी को करोड़ों रुपया देकर प्लान बनाया था कि शासन में पारदर्शिता लाकर टीचर लगायेंगे। हम इन्तजार करते रहे हमसे लोग पूछते थे कि ऐडहॉक टीचर लगाने थे लेकिन कुछ नहीं हुआ, फिर कहा गया कि हम गैस्ट टीचर लगायेंगे। बाद में कहा गया कि हमने कमीशन बनाया है इसलिए कमीशन के थ्रू टीचर भर्ती किए जायेंगे। लेकिन आज तक कोई टीचर नहीं लगाया गया है। जबकि शिक्षा सैशन खत्म होने जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, यह बच्चों के भविष्य का सवाल है, कहते हैं कि आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की तर्ज पर राजीव गान्धी एजूकेशनल सिटी, कुण्डली, सोनीपत में बनायेंगे। मैं तो कई बार उधर से गुजरता हूँ लेकिन राजीव गान्धी एजूकेशनल सिटी के नाम का बोर्ड वहां पर दिखाई नहीं देता। वहां पर तो अन्सल और टी.डी.आई. का नाम दिखाई देता है जो वहां पर सोसायटी बनायेंगे।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, इन्दौरा साहब जरा यह भी बता दे कि अन्सल और टी.डी.आई. को ये लाईसैंस किसने दिये थे, तो यह अच्छा रहेगा ?

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, उनको ये लाईसैंस किसने दिये थे यह हमें नहीं पता यह देखना सरकार की जिम्मेवारी है। जो बात सरकार कहती है उसको वह पूरा करे। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने अपने बजट भाषण में कहा था कि हम हर जिले में एक मॉडल स्कूल खोलेंगे। मैं पूछना चाहता हूँ कि अब तक कितने मॉडल स्कूल खोले गये हैं। पंचकूला में तो एक मॉडल स्कूल हमारी सरकार के समय खुला था उसके बाद तो कोई मॉडल स्कूल दिखाई नहीं दिया।

शिक्षा मंत्री (श्री फूलचन्द मुलाना) : अध्यक्ष महोदय, मैं ऑन ए प्वायंट ऑफ ऑर्डर पर बोलना चाहता हूँ। आप की चेयर के पीछे खम्बे पर यह लिखा हुआ है कि सभा में या तो प्रवेश न किया जाए, यदि किया जाए तो वहां स्पष्ट और सच बात कही जाए क्योंकि न कहने से और असत्य कहने से आदमी पाप का भागी होता है। मैं इन्दौरा साहब से यह पूछना चाहता हूँ कि क्या इन्होंने जो बोला है उसके बारे में तथ्यों की जाँच की है ? वैसे तो स्पीकर सर, कई प्वायंट ऑफ ऑर्डर उठाये गये हैं। एक प्वायंट ऑफ ऑर्डर तो यह उठाया गया है कि क्या एक व्यक्ति के खेत के लिए रजबाहा निकाला जा सकता है ? उसका इन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। शिक्षा के बारे में इन्होंने कहा मैं इनको बताना चाहता हूँ कि कुछ गेस्ट टीचर तो लग गये हैं लेकिन इनको तो यह भी पता नहीं कि गैस्ट टीचर होता क्या है। कुछ टीचर और लगने बाकी हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात कहना चाहता हूँ कि हर काम को करने में कुछ समय तो लगता है। अध्यक्ष महोदय, इन लोगों ने खुद ही मांग की थी कि ऐडहॉक टीचर मत लगाइये क्योंकि ये पक्के हो जायेंगे। फिर कहने लगे कि पक्के टीचर क्यों नहीं लगाते। इसलिए सरकार अब पक्के टीचर ही लगायेगी। कल माननीय मुख्यमंत्री जी ने आदेश दे दिया है कि अगले सत्र में पक्के टीचर ही लगाये जायेंगे। इसके अलावा हर जिले में एक-एक मॉडल स्कूल बनाये जायेंगे उसके लिए कितना खर्चा होगा उसका भी प्रावधान कर लिया गया है। इनको तो पता नहीं मॉडल स्कूल में क्या करना होता है क्योंकि शिक्षा का और लोकदल का कोई मेल ही नहीं है।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी शिक्षा के मेल की बात कर रहे हैं तो ये बताएं कि शिक्षा का मेल किससे है।

Mr. Speaker : Mr. Indora ji, you please wind up with discussion on Governor's Address.

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, जहां तक बेरोजगारी भत्ते का सवाल है तो सरकार ने इसमें शर्तें लगा दी हैं, उम्र घटा दी है, जमीन के बारे में कह दिया कि जिसको बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा उसके पास इतने एकड़ से ज्यादा जमीन नहीं होनी चाहिए। 1600 करोड़ रुपये बिजली के बकाया बिलों की माफी में भी शर्तें लगा दी गई। इन्होंने हर चीज में शर्तें लगी दी। मैंने पिछले सैशन में भी एक सवाल किया था लेकिन मुझे जवाब नहीं दिया गया कि आपने अब तक कितने करोड़ रुपये बिजली के बकाया बिलों के माफ किए हैं। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह बेरोजगारी भत्ते में जो इतनी शर्तें लगी दी गई हैं कि जिसकी आमदनी 4000 रुपये सालाना तक होगी और जिसके पास 2 हेक्टेयर तक जमीन होगी उसी को बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा और इसमें उम्र की सीमा भी घटा दी है तो मैं सरकार से पूछना चाहता हूँ कि ये बेरोजगारी भत्ता किसको देंगे? यह बेरोजगरों के साथ खिलवाड़ क्यों किया जा रहा है? अध्यक्ष महोदय, लोकायुक्त की बात करें तो इसकी नोटिफिकेशन कब हुई हमें नहीं पता, न ही इस बारे में अखबारों में कोई बात है जबकि लोकतंत्र का तरीका तो यही होता है कि चाहे विपक्ष का मैम्बर हो, चाहे इंडीपैंडंट मैम्बर हो या छोटी पार्टी का मैम्बर हो इस बारे में सभी साथियों से कंसल्ट करना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान) मैं यही पूछना चाहता हूँ कि नोटिफिकेशन कब हुई, ये सरकार सारी बातें बताएं, यही मैं क्लीयर करना चाहता हूँ। (शोर एवं व्यवधान) मैं यही पूछना चाहता हूँ कि आप क्या कर रहे हैं, प्रदेश की जनता को बताइए और यही माध्यम भी है हम हर चीज आपसे पूछना चाहते हैं। हर मामले में सरकार ने सिर्फ घोषणाएं की हैं, घोषणाओं के अलावा सरकार ने हरियाणा प्रदेश के लोगों को कुछ नहीं दिया। इसलिए मैं महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का विरोध करता हूँ।

श्री सुखबीर सिंह जौनपुरिया (सोहना) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिए समय दिया उसके लिए आपका धन्यवाद। सबसे पहले मैं आपको अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई देता हूँ। जैसे ही कल मुख्यमंत्री महोदय ने आपका नाम अध्यक्ष पद के लिए चुना, सबने आपका समर्थन किया। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर सुबह से चर्चा चल रही है, सुबह से इस मुद्दे पर ठठक पटक चली। मैं मुख्यमंत्री महोदय का इस बात के लिए धन्यवाद करना चाहता हूँ कि उन्होंने अध्यक्ष पद के लिए आपका नाम रखा। जहां तक प्रदेश में कानून व्यवस्था की बात है तो हमने पिछले साढ़े 5 वर्षों में भी प्रदेश में कानून और व्यवस्था को देखा है लेकिन आज जिस हिसाब से ऑफिसर्ज का चयन हुआ है और कुछ सीनियर ऑफिसर्ज लगाए गए हैं जिससे बाकई में ही पूरे प्रदेश में कानून और व्यवस्था पर कंट्रोल हुआ है। पिछली सरकार में तो यहां तक नौबत आई थी कि दूसरी कास्ट का जिक्र ही नहीं आता था लेकिन अब पूरे हरियाणा में सभी वर्गों को सम्मान मिल रहा है, सभी ऑफिसर्ज को बराबरी का हक मिल रहा है। जहां तक भूमि एक्वायर की बात है तो पिछली सरकार ने गुड़गांव जैसे जिले में ढाई से 4 लाख रुपये तक मुआवजा देकर जमींदारों के साथ खिलवाड़ किया था लेकिन मैं मुख्यमंत्री श्री. भूपेन्द्र सिंह

[श्री सुखबीर सिंह जौनपुरिया]

हुड्डा की सराहना करता हूँ, जिन्होंने कम से कम 15 लाख रुपये का मुआवजा देकर जमींदारों को सम्मान दिया। यह बहुत ही सराहना का काम है। पिछले साढ़े 5 सालों में हम बड़े भुगतभोगी रहे हैं लेकिन अब 10 महीनों के अंदर यह बात सभी मानते हैं कि तीनों चीजें भूमि, शेयर और सोने की ऐसी मार्किट उठी है जो विश्व रिकार्ड रहा होगा। इन्दौरा जी बैठे नहीं हैं नहीं तो उनसे इस बात की मैं हामी भरवाता। मेरा ख्याल है कि सभी इस बात के गवाह हैं कि 10 महीनों में जैसी मार्किट उठी है ऐसी पहले कभी नहीं उठी। यह सौभाग्य की बात है कि 10 महीनों से ही हरियाणा में मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की सरकार है। पूरे प्रदेश में मुख्यमंत्री की वाह वाही चल रही है और प्रदेश में इस समय अमन और चैन है। जहां तक श्रम नीति की बात है, उद्योगों में बहुत बढ़ोतरी हो रही है, इसमें कोई दो राय नहीं है। अध्यक्ष महोदय, श्रम नीति में कुछ चेंज करने की आवश्यकता है क्योंकि रोजगार की जहां तक बात है उसमें क्षेत्रीय रोजगार को जगह मिलनी चाहिए। जिस क्षेत्र में उद्योग लगें उस क्षेत्र के नौजवानों के लिए उन उद्योगों में कुछ नौकरियां रिजर्व होनी चाहिएं। इसके अतिरिक्त मैं मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा कि पिछली सरकार ने ग्राम पंचायतों के बराबर ग्राम समितियां बना दी थीं और गांवों का विकास रोकने का काम किया था उन ग्राम समितियों को मुख्यमंत्री जी ने खत्म कर दिया है। अध्यक्ष महोदय, ग्राम पंचायत का चुनाव गांव के लोग करते हैं और ग्राम समितियों का चुनाव पंचायतें करें तो उसको बनाने का क्या फायदा है। पिछली सरकार ने ग्राम समितियां बनाकर ग्राम पंचायतों का शोषण करने का काम किया था। अब मुख्यमंत्री जी ने इन ग्राम समितियों को खत्म करके गांवों का जो बिकास रुक गया था उसको दोबारा शुरू करने का प्रयास किया है इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूँ। अध्यक्ष महोदय, सैंटर में बहुत दिनों से महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का बिल लाने पर विचार चल रहा है। लेकिन हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने हरियाणा प्रदेश में महिलाओं को टीचर्स की नौकरियों में और मकानों में 33 प्रतिशत का आरक्षण देकर बहुत सराहनीय काम किया है। इसके अतिरिक्त स्टैम्प ड्यूटी भी महिलाओं के लिए 2 प्रतिशत कम रखी गई है। यदि कोई व्यक्ति अपनी पत्नी या बेटी के नाम पर मकान की या दुकान की रजिस्ट्री करवायेगा तो स्टाम्प ड्यूटी दो प्रतिशत कम लगेगी। ऐसा करने से ज्यादातर लोग अपनी पत्नियों और बेटियों के नाम मकान की रजिस्ट्री करवा रहे हैं जिससे महिलाओं को बहुत सम्मान मिला है। अध्यक्ष महोदय, अब मैं बिजली के बारे में कुछ बातें कहना चाहूँगा कि आज के दिन बिजली की समस्या एक गम्भीर समस्या है। यह समस्या आज की नहीं है बहुत पुरानी चली आ रही है। अभी मेरे साथी इन्दौरा जी कह रहे थे कि बिजली मौजूदा सरकार के समय में पूरी नहीं मिल रही। मैं उनसे पूछना चाहता हूँ कि वे ही बतायें क्या उनकी सरकार के समय पूरी बिजली मिल रही थी ? पिछले मुख्यमंत्री कहते थे कि अगले महीने से किसानों को 24 घंटे बिजली मिलनी शुरू हो जायेगी। फिर थोड़े दिन बाद कह देते थे अगले महीने से 24 घंटे बिजली मिलनी शुरू हो जायेगी। ऐसे कहते-कहते उन्होंने पूरे पांच साल निकाल दिए लेकिन बिजली नहीं मिली। हमारे मुख्यमंत्री जी मानते हैं कि बिजली की कमी है और पिछले मुख्यमंत्री की तरह यह नहीं कहते कि अगले महीने से 24 घंटे बिजली मिलनी शुरू हो जायेगी। वे कहते हैं कि वे बिजली में सुधार लाने के लिए उपयुक्त प्रबन्ध कर रहे हैं। यही फर्क हमारे और पहले वाले मुख्यमंत्री जी में है। मुख्यमंत्री जी भी मानते हैं कि बिजली की कमी है। जब हम गांवों में जाते हैं तो किसान हमारे से शिकायत

करते हैं कि बिजली बहुत कम आती है और जो आती भी है वह कट-कट कर आती है। हमने उनको समझाया कि बिजली की बहुत कमी है और जल्दी ही इस समस्या का समाधान हो जायेगा। मेरा मुख्यमंत्री जी से निवेदन है कि जितनी भी बिजली किसानों को सिंचाई के लिए दी जाये चाहे वह चार घंटे, छह घंटे दी जाये, वह रैगुलर दी जाये। आज बिजली आती है और किसान बटन दबाने के लिए ट्यूबवैल पर पहुंचाता है उससे पहले ही बिजली चली जाती है। इसलिए इस तरफ ध्यान जरूर दिया जाये। इसके अतिरिक्त बच्चों के शाम के पढ़ने के समय और सुबह भी बिजली एक फेस की गांवों में दी जाये ताकि बच्चों की पढ़ाई पर कोई बुरा असर न पड़े। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में मैट्रो रेल का जिक्र किया गया है। मैट्रो रेल गुड़गांव तक चलाने का प्रावधान है। मैं इस बारे में कहना चाहूँगा कि मैट्रो को गुड़गांव से आगे मानेसर तक ले जाया जाये और संभव हो तो इसको आगे बावल तक किया जाये। यदि मैट्रो को आगे बावल तक कर दिया जायेगा तो आज जो लोग अपनी-अपनी गाड़ी में दिल्ली तक आते हैं वे लोग मैट्रो में ही आयेंगे इससे ट्रैफिक काफी कम होगा। इसलिए इस पर गम्भीरता से विचार किया जाये। अध्यक्ष महोदय, अब मैं शहरी विकास के बारे में कुछ बातें कहना चाहूँगा कि हुडा द्वारा जो छोटे प्लाट वीकर सैक्शन के लोगों को दिये जाते हैं उनमें वीकर सैक्शन का आरक्षण 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 35 प्रतिशत मुख्यमंत्री जी ने किया है यह बहुत अच्छी बात है, लेकिन इन प्लाटों को एप्लाई करने वालों से हरियाणा का डोमीसाईल जरूर लेना चाहिए। आज के दिन यह हो रहा है कि जो लोग 6 महीने पहले हरियाणा में आते हैं वे वीकर सैक्शन का एफीडैविट देकर प्लाट के लिए एप्लाई कर देते हैं और प्लाट निकलने पर 8-10 लाख रुपये प्लाट की ब्लैक लेकर अपने प्रदेश को वापिस चले जाते हैं। वे भरते सिर्फ पांच हजार रुपये हैं और उनको ब्लैक 10 लाख रुपये मिल जाती है। ऐसा होने से हरियाणा के जो वीकर सैक्शन के लोग हैं उनको फायदा नहीं मिलता। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि वीकर सैक्शन के प्लाटों के लिए हरियाणा का मूल निवासी होना अनिवार्य किया जाना चाहिए ताकि हरियाणा के लोगों को इसका सही रूप में फायदा मिल सके। यह बात मैंने पहले भी कही थी और अब भी कह रहा हूँ इसलिए इस पर मुख्यमंत्री जी विचार करें। इसके अतिरिक्त हुडा के प्लाटों पर ब्याज दर भी कम करके मुख्यमंत्री जी ने बहुत ही सराहनीय कार्य किया है क्योंकि हर क्षेत्र में ब्याज की दरें कम हुई हैं हुडा में आज तक नहीं हुई थी। हमारे मुख्यमंत्री जी ने यह काम किया है इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी को बधाई देता हूँ। अध्यक्ष महोदय, लाखों लोगों ने प्लॉट और मकान खरीद रखे हैं लेकिन उनकी रजिस्ट्रियां रुकी पड़ी हैं। इसमें कोई कानूनी समस्या नहीं है। पिछली सरकार द्वारा खामखाह रजिस्ट्रियां करने की कार्यवाही रोक दी गई थी। रजिस्ट्रियों का काम शुरू होने से लाखों लोगों को फायदा होगा और उससे हमारी स्टेट को काफी रैवेन्यू भी मिलेगा। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : ठीक है, अब आप अपनी सीट पर बैठें।

श्री सुखबीर सिंह जौनपुरिया : अध्यक्ष महोदय, मैं थोड़ा सा और समय लूंगा। इसके साथ ही साथ ग्रामीण विकास के लिए 115 करोड़ रुपये की राशि माननीय मुख्यमंत्री जी ने रखी है, यह बहुत सराहनीय काम है। पिछली सरकार के वक्त में लोगों के दिमाग में एक बात तो जरूर थी। जब भी कोई जिक्र आता था तो यह कहा जाता था कि एक बात तो है कि चौटाला साहब ने पैसा तो खूब दिया है, आज की सरकार ने इस बात को भुला दिया है। हर आदमी जो विकास देख रहा है जो काम हो रहे हैं उनसे यह बात साबित

[श्री सुखबीर सिंह जौनपुरिया]

हो जाती है कि ऐसी कोई बात नहीं थी। आज भी पैसा उसी तरह से मिल रहा है। यह 115 करोड़ रुपया कुछ मायने रखता है। स्पीकर साहब, सबसे बड़ी बात मैं यह कहना चाहता हूँ कि माननीय मुख्यमंत्री जी का बाहर का जो दौरा हुआ है उससे भी स्टेट में काफी निवेश आया है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : ठीक है, अब आप बैठिये। आपको दिया गया टाइम खत्म हो गया है इसलिए आप अब अपनी सीट पर बैठें। अगर आपकी कोई बात रह गई है तो वह आप लिख कर भिजवा दीजिए।

श्री सुखबीर सिंह जौनपुरिया : अध्यक्ष महोदय, मुझे आप सिर्फ एक मिनट का समय और दे दीजिए ताकि मैं अपनी बात को कन्कलूड कर सकूं। पिछली बार माननीय मुख्यमंत्री जी जब बाहर गए थे तो वे इस बात का पता लगाने के लिए गये थे कि पिछली सरकार कैसे चलती रही। अब की बार माननीय मुख्यमंत्री जी बाहर गए तो करीब 2200 करोड़ रुपये का निवेश ले कर आए हैं, मुख्यमंत्री जी का यह बहुत ही सराहनीय काम है। पिछली बार के मुख्यमंत्री जी उद्योगपतियों से सीधी भाषा में बात नहीं करते थे जिसके कारण इस प्रदेश के उद्योगपति स्टेट से बाहर जाने की बात करने लगे थे। मैं मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूँ।

श्री अध्यक्ष : आपको बोलते हुए दस मिनट का समय हो गया है इसलिए अब आप अपनी सीट पर बैठे। आप अपनी स्पीच को एक मिनट में कन्कलूड करें।

श्री सुखबीर सिंह जौनपुरिया : स्पीकर साहब, सरकार ने जो सराहनीय काम किए हैं मैं उनके बारे में कहना चाहता हूँ। स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानियों की वजह से हम आज यहां पर बैठे हुए हैं। उनकी पैंशन 1400 रुपये मासिक से बढ़ाकर 3500 रुपये करके इस सरकार ने बहुत बड़ा काम किया है अन्यथा उन बुजुर्गों का घर में कोई सम्मान नहीं होता था। आज 3500 रुपये पैंशन मिलने से परिवारों में बुजुर्गों को पूरा सम्मान मिल रहा है इसलिए मैं सरकार का धन्यवाद करना चाहता हूँ। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए जो समय दिया है उसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूँ।

श्रीमती सुमिता सिंह (करनाल) : अध्यक्ष महोदय, आप सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने गए इसलिए सबसे पहले मैं आपको बधाई देती हूँ और माननीय मुख्यमंत्री जी को भी बधाई देती हूँ। इसके साथ ही मैं अपने पूर्व माननीय अध्यक्ष जी को भी बधाई देती हूँ कि उन्होंने भी पूरी गरिमा के साथ इस पद को सम्भाला। महामहिम राज्यपाल महोदय जी ने अपने भाषण में पिछले दस महीने की सरकार के कार्यों पर चर्चा की, सरकार की नीतियों की चर्चा की, मैं भी इस अभिभाषण के बारे में कुछ बोलना चाहूँगी। अध्यक्ष महोदय, सत्ता परिवर्तन से हरियाणा में सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक परिवर्तन आए हैं। पिछली सरकार के लोग जो घुटन, भय और दबाव महसूस करते थे नई सरकार के आने के बाद यह माहौल खत्म हुआ है तथा प्रेम और खुलेपन की हवा चली है। बदले की भावना से कार्य करने की गन्दी राजनीति का अन्त हुआ है। अभी हमारे भाई इन्दौरा साहब बोल रहे थे और किस प्रकार से वे कह रहे थे कि उनकी पार्टी की सरकार के वक्त में पिछले पांच सालों में कोई भी गलत कार्य नहीं हुआ। मैं यहां पर बताना चाहूँगी कि अब भी उनकी कोई रैली होती थीं या मीटिंग होती थी तो डी.टी.औज. की ड्यूटी लगाई जाती थी और

ट्रक पकड़-पकड़ कर ले जाए जाते थे। सेल्ज टैक्स के ऑफिसर्ज सभी फैक्टरीज में जाते थे और सब दुकानों पर जाकर पैसा इकट्ठा करते थे। अब हमारी सरकार या मुख्यमंत्री जी चाहे कहीं पर भी कोई प्रोग्राम या रैली करते हैं तो कहीं पर भी किसी प्रकार से प्राइवेट गाड़ियों को पकड़ा नहीं जाता है और न ही किसी से कोई पैसा इकट्ठा किया जाता है। मैं इसके लिए मुख्यमंत्री जी को बधाई देती हूँ कि हमें जो जय जवान जय किसान का नारा दिया गया था उसे सही अर्थों में उन्होंने सार्थक किया है। मुख्यमंत्री जी ने किसानों के 1600 करोड़ रुपये के बिजली के बिल माफ करके इस नारे को बुलन्द किया है इसके लिए भी मैं इनकी सराहना करती हूँ। दूसरे जो गन्ने का रेट 165/- रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है यह भी बहुत ही सार्थक निर्णय है। पिछले वर्षों में देखा जाता था कि किस प्रकार से किसानों की महंगी जमीनों को थोड़े रेट में ऐक्वायर कर लिया जाता था। अब कांग्रेस पार्टी की सरकार के मुख्यमंत्री जी का मैं धन्यवाद करती हूँ कि उन्होंने प्रदेश में एक नई उद्योग नीति लागू की है। यह एक बहुत ही सराहनीय कार्य है इससे बहुत से उद्योगपती हरियाणा में आकर उद्योग लगाएंगे। पिछले पाँच सालों में बहुत से उद्योगपति यहां से उद्योग छोड़कर बाहर चले गये हैं। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करना चाहती हूँ कि उन्होंने वर्ष 2006 को बालिका वर्ष एनाउंस किया है मैं इसके लिए भी उनका आभार प्रकट करती हूँ। हमारे कानून में वैसे तो महिलाओं को समान दर्जा दिया गया है किन्तु वास्तविकता यह है कि महिलाओं का समान दर्जा नहीं है। लेकिन अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार के विकास के एजेंडे में महिलाओं को बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। मैं हरियाणा की सभी महिलाओं की ओर से इसके लिए मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करती हूँ। इसी प्रकार से मुख्यमंत्री जी ने महिलाओं के नाम पर सम्पत्ति करवाने पर स्टैम्प ड्यूटी में दो परसैंट कमी करने का भी काम किया है। इसी तरह से महिलाओं को टीचर्ज की भर्ती में 33 परसैंट आरक्षण देने का काम भी किया गया है। लाडली सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना और प्रियदर्शनी विवाह योजना भी लागू की गई है। मैं इनके लिए भी मुख्यमंत्री जी को बधाई देती हूँ। इसी प्रकार से कर्मचारियों को बहनों और अपनी लड़कियों की शादी के लिए जो पहले तीस हजार रुपये लोन के रूप में दिए जाते हैं उसको बढ़ाकर अब एक लाख रुपये किया गया है। अध्यक्ष महोदय, यहां पर मैं मुख्यमंत्री जी का एक बात की तरफ और ध्यान आकृष्ट करना चाहूँगी। जहां-जहां पर भी सरकारी दफ्तर हैं वहां पर महिलाओं के लिए अलग से शौचालय बनाए जाने चाहिएं। अध्यक्ष महोदय, आज मकर संक्रांति का दिन है और कल लोहड़ी थी। इस अवसर पर जहां बहनें अपने बड़े भाईयों से कुछ न कुछ मांग करती हैं तो मैं भी मुख्यमंत्री जी से मांग करती हूँ कि हमारी विधवा बहनें जिनके बच्चे अभी छोटे-छोटे हैं उनके लिए बी.पी.एल. के राशन काडर्स बनाए जाएं क्योंकि जब ये राशन कार्ड्स बने थे तो ये बहुत ही लिमिटेड बने थे इसलिए इनका भी ध्यान रखा जाए। अध्यक्ष महोदय, एक बात और मैं कहना चाहूँगी कि हमारे जो बुजुर्ग हैं अगर मुख्यमंत्री जी सभी वर्गों के लिए कुछ न कुछ कर रहे हैं तो हमारे इन बुजुर्गों को पेंशन वे घर बैठे ही दिलवा सकें तो इनकी बड़ी मेहरबानी होगी। मैं मुख्यमंत्री जी का ध्यान इस ओर भी खींचना चाहूँगी कि अगर आप बुजुर्गों को ये सुविधा दिलवा दें तो आप इनको मान सम्मान दे सकते हैं। धन्यवाद।

श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मान (पाई) : स्पीकर साहब, मैं गवर्नर साहब के अभिभाषण के समर्थन के लिए खड़ा हुआ हूँ। जैसे कि बाकी साथियों ने कहा तो इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस सरकार के आने के बाद कानून-व्यवस्था में बहुत ज्यादा सुधार हुआ है। बहुत से बैड ऐलीमैंट्स, गुंडा तत्व जो पहले शहरों

[श्री लेजेन्द्र पाल सिंह मान]

में, कस्बों में और मंडियों में आमतौर पर कत्लेआम करते थे या जेलों से गलत काम करते थे, उन सभी से आज आम आदमी को हरियाणा में राहत मिली है। इसलिए आज हर आदमी यह महसूस करता है कि आज प्रशासन भय मुक्त हो गया है। आज व्यापारी, किसान और सड़कों पर चलने वाले बिल्कुल भय मुक्त हैं। इसमें संदेह नहीं है इसलिए मैं मुख्यमंत्री जी को इसके लिए बधाई देता हूँ कि इन्होंने बहुत ही दृढ़ता के साथ यह कार्य किया है। इसी तरह से किसानों के बिजली के बिलों को भी माफ किया गया है। यह एक सोशल जिम्मेवारी थी जो हमारे मुख्यमंत्री जी ने निभाई है। अध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में यही कहूँगा कि पहले जो एक सिक्योरिटी डिपोजिट स्कीम थी जिसकी तिथि अब निकल गई है। अभी भी थोड़े से लोग रहते हैं जो इस स्कीम का फायदा नहीं उठा पाए थे। ये लोग गरीबों में गरीब किसान हैं जो किसी वजह से बीस हजार रुपये इकट्ठे नहीं कर सके थे। उनकी गाहे बगाहे इस बारे में मांग आती हैं। जब हम इस बारे में बिजली बोर्ड से कहते हैं तो उनका कहना होता है कि कनैक्शन देने में बहुत घाटा होता है। लेकिन स्पीकर सर, यह तो हमारी सरकार की एक सोशल रिसपोंसिबिलिटी है। मेरा मुख्यमंत्री जी से आग्रह है कि इस स्कीम की तिथि को और तीन महीनों के लिए बढ़ा दिया जाए ताकि जो किसान इस स्कीम की सुविधा से वंचित रहे हैं वे इसका फायदा उठा सकें। ये लोग छोटों में छोटे हैं और गरीबों में गरीब हैं। वे भी अगर बीस हजार रुपये जमा करा सकेंगे तो करा लेंगे। इसलिए मेरी इस बारे में मुख्यमंत्री जी से दरख्वास्त है। इसी तरह से सरकार ने गन्ने की कीमत बढ़ाई है। हिन्दुस्तान में सबसे ऊँचा भाव गन्ने का किसानों को दिया गया है यह एक बहुत ही सराहनीय काम है। स्पीकर सर, डायवर्सीफिकेशन का शायद यह भी मतलब है कि किसान की एक एकड़ में कितनी उपज है। अगर गन्ने का दूसरी फसलों, जैसे गेहूँ और जीरी से मुकाबला करेंगे तभी किसान डायवर्सीफिकेशन की तरफ जाएगा। दो चार एकड़ के किसान की समस्या रोजमर्रा की रोटी खाने की है। मैं कल रात ही सैक्रेटरी, ऐग्रीकल्चर से बात कर रहा था। मैंने उनसे कहा कि मेरे अपने हल्के में युनाईटेड फासफोरस लिमिटेड एक एम.एन.सी. है। एक मेरे फैमिली फ्रैंड्स हैं उनका बहुत बड़ा कारोबार है। उनके माध्यम से मैंने अपने हल्के में एक ऐग्रीकल्चर स्कूल की स्थापना कराई। जो तीन महीने का टोटल कोर्स है उसमें मैं सैक्रेटरी ऐग्रीकल्चर और डायरैक्टर ऐग्रीकल्चर का धन्यवाद भी करता हूँ जिन्होंने बड़ा सहयोग दिया। जितने भी विशेषज्ञ हमारी यूनिवर्सिटी में और दायें-बायें हैं ऐग्रीकल्चर के संस्थानों में उन सबने वहां आकर अपने-अपने तरीके से कैटल ब्रीडिंग, फसलों पर, पानी पर लैंड यूज और लैंड की क्षमता देखने पर हर चीज पर बड़ी भारी रोशनी डाली है। वहां जाने के बाद मुझे अहसास हुआ कि हमारी स्टेट में कृषि विशेषज्ञ बहुत है लेकिन उनका एक्सपोजर नहीं है। किसान से उनका तालमेल या इस प्रकार की संस्थाओं के द्वारा या ऐग्रीकल्चर डिपार्टमैंट की अपनी कोई प्रतिक्रिया इस प्रकार की हो कि हमारे जो यूनिवर्सिटी के अंदर विशेषज्ञ बैठे हैं जो जमीन के बारे में जानते हैं, बीजों के बारे में जानते हैं, किसान की जरूरतों के बारे में जानते हैं, मशीनरी की तरक्की के बारे जानते हैं उनका इंटरैक्शन आम किसान से, छोटे किसान से गरीब किसान से करवाया जाए। इसमें न सिर्फ डायवर्सीफिकेशन ऑफ क्रॉप्स में सहायता मिलेगी बल्कि किसानों को जो उनकी समस्याएं हैं उनको दूर करने में काफी सहायता मिलेगी। नैचुरल कैलेमिटी पर मुख्यमंत्री जी ने उदारता सहायता दी। अभी बहुत पाला पड़ने से टमाटर, आलू और मटर की फसल में बड़ा भारी हमारे इलाके में नुकसान हुआ है। मेरा आग्रह है कि

मुख्यमंत्री जी यदि इसमें सहायता दें तो उन किसानों को जो डायवर्सीफिकेशन के माध्यम से फसल उगाते हैं उनको बल मिलता है। मुख्यमंत्री जी, आपने नैचुरल कैलेमिटी फंड को कई गुना किया है लेकिन फिर भी मैं समझता हूँ कि यह एक परसैंट से कम में पड़ता है, चाहे इंश्योरैंस कंपनी के माध्यम से इस राशि को और बढ़ाना चाहिए ताकि जिन बेचारे किसानों का नुकसान नैचुरल कैलेमिटी की वजह से हो जाए उनके गरीब बच्चों को बेचारों को खाना मिल सके यह व्यवस्था अवश्य कंपनसेशन देकर करनी चाहिए। इंश्योरैंस किसानों की कराई गई है हर किसान, हर गरीब आदमी और जो गांव में रहने वाले हैं वे इंश्योर्ड हैं लेकिन इंश्योरैंस कंपनी की तरफ हमारी सरकार को ध्यान देना होगा कि जिस मंशा के साथ आपने यह काम किया है वह तो ठीक है लेकिन वे कंपनियां मुआवजा देने में तरह-तरह की अड़चनें अड़ाती हैं, कहीं कार्ड, कहीं राशन कार्ड और कहीं हैड ऑफ दि फैमिली मैंबर की बात कहते हैं। इन समस्याओं को दूर करना चाहिए। बी.पी.एल. कार्डस के बारे में मेरी अजीजा ने कहा है।

श्री अध्यक्ष : यह बात आ चुकी है आप रिपीटीशन न करें।

श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मान : यह जो जमीन की कीमतें बढ़ाई हैं बहुत लोगों ने इसकी प्रशंसा की है लेकिन अभी 9 महीनों में आपके शासन काल में कानून व्यवस्था दुरुस्त होने से, इंडस्ट्रीज के मुंह इधर होने से कॉलोनाइजर्स के मुंह डीपर एरिया में जाने की वजह से हमारे यहां पर लैंड प्राइस इंडैक्स बढ़ गया है। मेरा सुझाव है कि जो आपने इतनी बढ़ोत्तरी की थी जिससे 4-5 महीने में लोग यह महसूस करते थे कि नहर खुद रही है, बहुत अच्छी बात है हमारी जमीनें जाएंगी हम सवाया जमीनें बनाएंगे। जमीनों की कीमतें जो सरकार दे रही है वह अब कम हो गई है। आम जो व्यापारी दे रहा है इस पर सरकार की निगाह होनी चाहिए। सी.एम. साहब ने बड़े-बड़े उद्योगपति इन्वाइट किए, एस.ई.जेड बनाए, इकोनॉमिक जोन बनाए, इनको बहुत-बहुत बधाई। लेकिन यह रीयल इस्टेट की टैंडेंसी बड़े-बड़े उद्योगपतियों की है वे जमीन सरकार से लेकर ट्रेडिंग करते हैं इसकी कहीं न कहीं रोकथाम रखी जाए, ऐसा मेरा सुझाव है। राजीव गांधी ऐजूकेशन सिटी बड़ी भारी नैक्सट जनरेशन के लिए मुख्यमंत्री जी की सोच है। मैं समझता हूँ कि जितनी भी इनकी तारीफ की जाए, वह कम है। औरतों, बच्चों और लड़कियों को सरकार ने जो सुविधाएं दी हैं उनको मैं रिपीट नहीं करना चाहता। यह बहुत सराहनीय कार्य है। मण्डियों में किसानों की जीरी बिकी है। दुर्भाग्य से पिछले 5-6 सालों से किसान पिसते रहे हैं किसानों को 100-100 रुपये कम दाम जीरी के हासिल होते रहे हैं। पिछली सरकार के समय में जो मण्डियों में शोषण हुआ वह सबको मालूम है। उस वक्त के मुख्यमंत्री बोरियां भर कर करोड़ों रुपये मण्डियों से ले जाते थे आज सरकार ने उन सारी चीजों से किसानों को निजात दिलाई है इस बात के लिए सरकार की सराहना करना वाजिब है।

12.00 बजे

श्री अध्यक्ष : मान साहब, आपको बोलते हुए 10 मिनट हो गये हैं। मेरे पास दूसरे मैम्बर्ज की भी पर्चियां हैं उनको भी बोलना है।

श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मान : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने इरीगेशन मंत्री के माध्यम से मुझे विश्वास दिलाया था कि पाई हल्के में मुदंडी, करोड़ा और शोंगरी गुलियाना गावों में पिछली सरकार के समय में बिजली की काफी अव्यवस्था रही है। वहां पर नये सब-स्टेशन लगाये जायेंगे और कुछ सब-

[श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मान]

स्टेशनों का अपग्रेडेशन किया जायेगा। मेरी आपसे दरखास्त है कि जो पुराने फीडर है कण्डक्टर हैं उनको नये तरीके से लगाकर बिजली की हालत को इम्प्रूव किया जाए, ऐसी मैं मुख्यमंत्री जी से आशा करता हूँ। मैं किसी गांव में गया था वहां पर बिजली की समस्या थी। मैंने बिजली महकमे के एस.डी.ओ. को बुलाकर पूछा कि आप इस काम को कब तक पूरा कर देंगे तो उसने मुझे बताया कि साहब, मेरे पास 25 ए.एल.एम. होने चाहिएं लेकिन फिलहाल केवल 18 हैं उनमें से 16 तो इतने शराबी हैं कि वे पोल पर चढ़ नहीं सकते इसलिए मुझे स्टाफ दिलवाया जाए। मुख्यमंत्री महोदय, आज बिजली विभाग में ए.एल.एम. और जे.ई. की बहुत आवश्यकता है। अगर आप किसानों की समस्या को दूर करना चाहते हैं तो जिस प्रकार आपने स्कूलों में लोकली टीचर लगाये हैं उसी प्रकार से जिस विभाग में स्टाफ की कमी है चाहे बिजली विभाग हो, चाहे पब्लिक हैल्थ विभाग है वहां पर आप लोकल आदमी को नियुक्त करें जब तक सरकार परमानेंट स्टाफ की भर्ती नहीं करती। इसी प्रकार से हैल्थ विभाग में भी अस्पतालों में कोई कर्मचारी और अधिकारी नहीं हैं जब तक आप चण्डीगढ़ से कोई व्यवस्था नहीं करते तब तक लोकली आदमी लगाने की इजाजत दे दी जाए तो आपकी काफी वाह-वाह होगी और गरीब आदमियों के लिए जिनके लिए हम सब कार्य करने में जुटे हुए हैं उनकी समस्या का कुछ न कुछ सुधार जरूर होगा।

श्री अध्यक्ष : मान साहब, वाईंड अप कीजिए।

श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मान : अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में एक नई नहर निकल रही है। पिछले से पिछले सैशन में मुख्यमंत्री जी ने मुझे विश्वास दिलाया कि वाटर लेवल नीचे चले जाने के कारण वहां पर बोर लगाये जायेंगे। हमारे हल्के में वाटर लेवल काफी नीचे चला गया है जिसके कारण मोटर 30-40 फीट नीचे लगानी पड़ती है तब जाकर कहीं पानी निकलता है। इसलिए वहां पर बोर लगाने का प्रावधान किया जाए। पहले वहां पर कच्ची बैड लगाने की बात थी लेकिन अब पक्की की जा रही है इसलिए वहां पर खुदाई करके पम्पिंग सैट के साथ आऊट लैट दिया जाए क्योंकि बरसात के तीन-चार महीने छोड़कर वाटर लेवल काफी नीचे चला जाता है। एस.वाई.एल. की समस्या को हल करने में मुख्यमंत्री जी लगे हुए हैं। हमें पूरा विश्वास है कि सुप्रीम कोर्ट का आदेश आने के बाद मुख्यमंत्री जी अपने विशेष प्रभाव का इस्तेमाल करके यह काम करने का काम करेंगे।

श्री अध्यक्ष : मान साहब, आप बैठिए। काफी समय हो गया है दूसरे मैम्बर्ज ने भी बोलना है।

श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मान : अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में जो कैनाल बैस्ड वाटर सप्लाई स्कीम है वह पिछले पांच साल से खराब पड़ी है क्योंकि कभी टेल पर पानी पहुँचा ही नहीं। अब रजबाहों को साफ करने के बाद टेल पर एक-एक फुट ऊपर पानी पहुँचाया गया है इसके बारे में वहां के एस.ई. और एक्सीयन को साथ ले जाकर मैंने स्वयं इन्सपैक्शन किया है इसलिए इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री, इरीगेशन मंत्री को और इरीगेशन विभाग को मैं कम्पलीमेंट करता हूँ। इसी प्रकार से इंडस्ट्रियलाइजेशन के तहत हमारे प्रदेश के नौजवानों को नौकरी मिलेगी यह अच्छी बात है। इसी प्रकार से ट्रान्सपोर्ट के बारे में मैं मुख्यमंत्री जी से आग्रह करना चाहता हूँ।

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर सर,

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा साहब, आप सीजन्ड पार्लियामेंटेरियन रहे हैं आपको बगैर कुर्सी की इजाजत लिए नहीं बोलना चाहिए। पिछले पांच साल के शासन काल में दो-दो मिनट भी मैंबर्ज को बोलने के नहीं मिलते थे।

श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मान : अध्यक्ष महोदय, ट्रांसपोर्ट का मुद्दा अहम् है। प्राइवेट बस ऑपरेटर्ज, टैक्सी ड्राइवर्ज और थ्री व्हीलर्ज ड्राइवर्ज तीनों का आपस में कम्पीटिशन है। आज के दिन तीनों के तीनों अनवायेबल सैक्टर हैं। मुख्यमंत्री जी मैं आपका ध्यान दिलाना चाहूँगा कि प्राइवेट सैक्टर में ट्रांसपोर्ट अनवायेबल सैक्टर है। दांगी साहब ने भी कहा था कि जो प्राइवेट ऑपरेटर्ज हैं वे अपने रूट्स को अवॉयड करते हैं इसका मेन कारण यह है कि उनके रूट्स की वायबिलिटी नहीं है इनको लम्बे रूट्स दिए जाएं। टैक्सी ड्राइवर्ज को बुलाकर, इनकी संस्थाओं को बुलाकर आप खुद बात करें ताकि आपको पता लगे कि इनकी समस्याएं क्या हैं। ये वे नौजवान हैं, जिनको किसी प्रकार का रोजगार नहीं मिलता। आज उन्होंने बड़े मोटे ब्याज पर टैक्सीज लेकर चलाई हुई हैं, उनके बार-बार चालान होते हैं। इनकी समस्याओं को समझकर और समझाकर सरकार दूर करेगी तो वे इस सरकार का गुणगान करेंगे।

Mr. Speaker : Man Sahib, please take your seat. Same things you are repeating. Hon'ble Members are requested not to repeat the same things.

श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मान : अध्यक्ष महोदय, मेरी बातें तो कई रह गई हैं। मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का अनुमोदन करता हूँ और आपको बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूँ कि आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का समय दिया।

श्री राधेश्याम शर्मा अमर (नारनौल) : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिए समय दिया उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। आज मकर संक्रांति के पर्व पर मैं आप सबको बधाई देता हूँ। मेरे इलाके के अंदर इस समय बड़े पीले फूलों की सरसों लहरा रही है जिसको देखकर कवि कहता है कि-

"पीली सरसों लहराती है,
आँख देखकर सुख पाती है।"

लेकिन आज आँख सुख नहीं पा रही है, आज आँख आँसू बहा रही हैं क्योंकि पिछले सप्ताह का जो पाला था वह सरसों की सारी फसल को बरबाद कर गया है। राज्यपाल का अभिभाषण बहुत बढ़िया है। सरसों की फसल बरबाद होने से मेरे क्षेत्र का बहुत बुरा हाल हुआ है इसलिए मैं कहना चाहूँगा कि ओलावृष्टि से फसल का नुकसान होने पर किसान को मुआवजा दिया जाता है, बाढ़ से नुकसान होने पर मुआवजा दिया जाता है तो सरसों की फसल बरबाद होने पर भी किसान को मुआवजा दिया जाना चाहिए क्योंकि जैसा नुकसान ओलावृष्टि का है, जैसा नुकसान बाढ़ से है ऐसा ही नुकसान सर्दी से है। हमारे यहां किसानों के जीने का आधार केवल सरसों ही है इसलिए अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री महोदय

[श्री राधेश्याम शर्मा अमर]

से निवेदन करना चाहूँगा कि कोई न कोई व्यवस्था की जाए कि जिससे किसान की जो सरसों की फसल सर्दी से बरबाद हुई है उसका उसको मुआवजा मिल सके। अध्यक्ष महोदय, राजीव गांधी एजुकेशनल सिटी के लिए मैं मुख्यमंत्री महोदय को और सरकार को बधाई देता हूँ लेकिन एक निवेदन जरूर करना चाहूँगा कि जैसे कुरुक्षेत्र, रोहतक, हिसार और सिरसा में विश्वविद्यालय चल रहे हैं, हमारे यहां भी एक विश्वविद्यालय दिया जाए। गुड़गांव गुरु द्रोणाचार्य की भूमि रही है उसके आगे हमारा दक्षिणी हरियाणा शुरू होता है, हमारे यहां बहुत बढ़िया पढ़ने वाले विद्यार्थी हैं इसलिए मैं निवेदन करना चाहूँगा कि हमारे क्षेत्र में भी जब भया सत्र शुरू हो तो एक विश्वविद्यालय देने की कृपा की जाए ताकि हमारे जो विद्यार्थी हैं वे वहां शिक्षा प्राप्त कर सकें। हम इस बात को स्वीकार करते हैं कि बिजली की कमी है, लोग भी इस बात को मानते हैं लेकिन लोग इस बात को भी मानते हैं कि बिजली की कमी को दूर करने के लिए सरकार की जो नीयत है वह नीयत बड़ी ठीक है और उस बिजली की कमी को दूर करने की तरफ कदम उठाए जा रहे हैं जिसके लिए फरीदाबाद, झज्जर, यमुनानगर और हिसार में 3-4 कारखाने शुरू किए गए हैं। मैं एक अर्ज करना चाहता हूँ कि बिजली के कनैक्शंज के लिए जिन किसानों से 60-60 हजार रुपये भरवा लिए गए हैं उनको यह बात कहकर टाल दिया जाता है कि बिजली के पोल्स नहीं हैं, बिजली के ट्रांसफार्मर नहीं हैं। मैं चाहूँगा कि अधिकारियों को आदेश दिए जाएं कि जिन किसानों से 2-2 महीने पहले पैसे भरवा लिए गए हैं उनको पोल या ट्रांसफार्मर के नाम पर कनैक्शन देने में देरी न की जाए। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री महोदय को इस बात के लिए बधाई देता हूँ कि बिजली के नए उपकेन्द्र स्थापित किए जा रहे हैं और कुछ उपकेन्द्रों की क्षमता बढ़ाई जा रही है। मेरा यह निवेदन है कि मेरे हल्के के अंदर 1971-72 के बाद में कोई भी नया बिजली का उपकेन्द्र नहीं बनाया गया है और वहां पर बिजली की खपत दूसरे इलाकों से कम नहीं है। हमारे वहां के किसान बिजली के बिल भी नियमित रूप से दे रहे हैं। इसलिए मेरे हल्के के गाँव नाण में भी बिजली का एक नया उपकेन्द्र बनाया जाए जहां से 20-25 गाँवों के किसानों को बिजली मिल सके। इसके अतिरिक्त नांगल चौधरी में जो उपकेन्द्र है उसकी भी क्षमता में वृद्धि की जाए। यह मेरा मुख्यमंत्री जी से निवेदन है और मांग है। अध्यक्ष महोदय, बहनों के लिए बहुत अच्छी-अच्छी योजनाएं सरकार ने दी हैं और उनका लाभ भी सभी को मिल रहा है यह बहुत अच्छी बात है। इस बारे में मैं एक बात कहना चाहूँगा कि जो हम पुरुषों की मानसिकता है उसके बारे में हम सबको मालूम है। उसको थोड़ा चेंज करने की आवश्यकता है। आप सभी देखते हैं कि हमारे समाज में पुरुष हीटर लगाकर सुबह-सुबह रजाई में सोया होता है और महिलाएं उन्हें चाय भी रजाई में ही देकर जाती हैं। लेकिन जो महिलाएं हैं वे सुबह जल्दी उठकर दूध निकालती हैं और जो पशुओं का गोबर होता है उसे तसले में डालकर कूरड़ी में डालती हैं और गोस्से भी बनाती हैं। गोस्सों को हमारे क्षेत्र में उपले कहा जाता है। हमारे मुख्यमंत्री जी बड़े दरियादिल हैं यह काम पुरुषों से भी शुरू करवाएं क्योंकि पुरुष सारे दिन ताश खेलते रहते हैं। यदि ऐसा होगा तो इससे महिलाओं को सम्मान मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, अब मैं कानून व्यवस्था की बात करना चाहूँगा कि हमारे विपक्ष के साथी कानून व्यवस्था के बारे में सरकार की आलोचना कर रहे थे जबकि उन्होंने अपने समय में प्रजातंत्र का गला काटने का काम किया था।

श्रीमती अनिता यादव : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है कि लेडीज से भी कहा जाए

कि वे भी कुएं में बड़कर दो दिन मोटर की हवा निकाल कर आएं। मेरे कहने का मतलब यह है कि जो पुरुषों का काम है वह पुरुषों को करना चाहिए और जो लेडीज का काम है वह लेडीज को करना चाहिए।

श्री राधेश्याम शर्मा अमर : अध्यक्ष महोदय, एक महिला ही महिलाओं के खिलाफ बोल रही है। अध्यक्ष महोदय, मैं पिछली सरकार की ज्यादतियों की बात कर रहा था कि उस समय निर्दोष लोगों के खिलाफ झूठे केस दर्ज किए जाते थे। उस समय मेरे जैसे लोगों से ही पूछते थे कि बताओ आपने मंदिर कहां से बनवाया, स्कूल का कमरा कहां से बनवाया। इस तरह के काम इनके समय में होते थे और आज ये पता नहीं किस मुंह से सरकार की आलोचना कर रहे हैं। धन्यवाद।

श्रीमती प्रसन्नी देवी (नौल्था) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करते हुए सबसे पहले कानून व्यवस्था के बारे में कहना चाहूँगी कि आज प्रदेश के अंदर कानून व्यवस्था की स्थिति बहुत अच्छी है। पिछली सरकार के समय में जब कोई व्यक्ति सुबह घर से बाहर निकलता था तो उसको अंदाजा नहीं होता था कि वह शाम को घर सही सलामत वापिस भी पहुँचेगा या नहीं। लेकिन हमारी सरकार के थोड़े से समय के कार्य काल में कानून व्यवस्था की स्थिति सुधरी है इसके लिए मैं सरकार को और मुख्यमंत्री जी को बधाई देती हूँ। अध्यक्ष महोदय, किसान हितैषी होने का ढिंढोरा तो पिछली सरकार पीटती रही लेकिन किसानों के लिए उन्होंने कुछ भी नहीं किया। हमारे मुख्यमंत्री जी ने किसानों के 1600 करोड़ रुपये के बिजली के बिल माफ करके बहुत ही सराहनीय कार्य किया है और गन्ने का रेट भी बढ़ाया है तो वह हमारी सरकार ने बढ़ाया है। पिछली सरकार ने ढिंढोरा पीटने के अलावा और कुछ नहीं किया। पिछली सरकार के समय में खेतों में सिंचाई के लिए 42 दिनों तक पानी नहीं आता था और कुछ एरिया ऐसा था जहां 24 घंटे पानी चलता रहता था। आज मुझे यह कहते हुए बड़ी खुशी है कि हमारी सरकार बनने के बाद पानी का बंटवारा सभी जगह बराबर हो रहा है, किसी को कोई शिकायत नहीं है। इसके अतिरिक्त भाखड़ा नहर से जो मेन चैनल बनाने का प्रोग्राम है वह बहुत अच्छा प्रोग्राम है। स्पीकर साहब, महामहिम गवर्नर साहब के एड्रैस में यह भी कहा गया है कि जिन ड्रेनों का पानी खराब कर दिया गया है उन ड्रेनों को सरकार ठीक करवाएगी। मैंने पिछले पार्लियामैंट के इलैक्शन के वक्त पर भी देखा था कि कई जगहों पर पानी भरा ही रहता है उस पानी को बाहर निकालने का कोई रास्ता ही नहीं है लेकिन इस सरकार ने उस पानी को सिंचाई के लिए इस्तेमाल करने की जो प्रक्रिया अपनाई है यह भी एक बहुत ही अच्छा और सराहनीय कार्य है। इससे किसानों को एक अतिरिक्त सुविधा मिलेगी और किसान ज्यादा फसल पैदा कर सकेंगे। किसानों का ढिंढोरा पीटने वाली सरकार ने किसानों को गोलियों से तो भूना है लेकिन उनकी भलाई के लिए किया कुछ नहीं है। स्पीकर साहब, शिक्षा में आज की सरकार और आज के मुख्यमन्त्री जी की बहुत ही सकारात्मक सोच है। उन्होंने महिलाओं के लिए विश्वविद्यालय स्थापित करने का प्रोग्राम बनाया है। जीन्द में महिलाओं के लिए एक नया कॉलेज खोलने का प्रोग्राम बनाया है जो कि सरकार का बहुत ही सराहनीय कदम है। स्पीकर साहब, इसके साथ ही साथ आपके माध्यम से मैं माननीय मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करना चाहती हूँ कि जहां हम महिलाओं के लिए कॉलेज खोलने की बात हुई है वहीं गर्ल्ज यूनिवर्सिटी भी स्थापित हो जाएगी लेकिन मैं माननीय मुख्यमंत्री महोदय के नोटिस में यह बात लाना चाहती हूँ कि गांवों में महिलाओं के स्कूलों की

[श्रीमती प्रसन्नी देवी]

दशा बहुत बुरी है। इसका कारण यह है कि पिछली सरकार की तरफ से शिक्षा को बढ़ावा देने की कोई बात नहीं हुई क्योंकि उनकी ऐसी कोई सोच नहीं थी। मुझे और जगहों के बारे में ज्यादा पता नहीं लेकिन अपने हल्के का पता है, मैं जहां से चुन कर आई हूँ वहां पर लकड़ियों के जो स्कूल अपग्रेड हुये थे वह मेरे पिछले समय के ही किए हुए हैं चाहे वे प्राईमरी से मिडल थे, मिडल से हाई थे उसके बाद जमा दो तो है ही नहीं। उसके बाद 18-20 साल से उस हल्के में कोई नया स्कूल बना हो या अपग्रेड हुआ हो वह मुझे कहीं नजर नहीं आया। अध्यक्ष महोदय, मैं अपके जरिये से मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करना चाहती हूँ कि जिस स्कूल को अपग्रेड करें उसमें इस बात का ध्यान रखें कि महिलाओं के स्कूल बहुत ज्यादा अपग्रेड किये जाएं जिससे हमारी बहनें इस का फायदा उठा कर शिक्षित हो सकें। स्पीकर साहब, हमारी सरकार बहुत अच्छे-अच्छे लोक भलाई के काम कर रही है। पीने के पानी के लिए पिछली सरकार ढिंढोरा तो खूब पीटती रही है लेकिन उन्होंने इस बारे में किया कुछ नहीं है। जहां पर भी वाटर सप्लाई स्कीमें बनी थी वह इसलिए बनी थीं कि सैंट परसैंट लोगों को पाने का पानी मिलेगा लेकिन आज उन स्कीमों की यह दशा है कि वे स्कीमें बिल्कुल खण्डहर बन चुकी हैं। जितनी भी स्कीमें थीं वे खराब हो कर खण्डहर बन गई हैं। आज की सरकार ने जगह-जगह पर उन स्कीमों को फिर से शुरू किया है। अध्यक्ष महोदय, और कहां पर क्या हुआ मुझे इस बात का तो पता नहीं लेकिन मुझे तो अपने हल्के का पता है। दस-बारह जगहों पर वे स्कीमें पूरी होने के करीब हैं और करोड़ों रुपये इन पर खर्च किये जा रहे हैं। मेरे गांव में भी सी.एम. साहब ने सात जनवरी को एक स्कीम का उद्घाटन किया था। इससे पहले वहां पर जो पहली स्कीम बनी हुई थी वह खण्डहर हो चुकी थी। अब यह स्कीम एक करोड़ रुपये से ज्यादा की स्कीम बनाई गई है। इसी तरह से पानी की स्कीम के बारे में यह बोलते रहे। एक रजबाहा है जिसको मैं बहुत सालों से देख रही हूँ। मेरे पाँच साल भी यूं ही निकल गए थे और मैं भी उस रजबाहे को नहीं बनवा पाई थी लेकिन वर्तमान सरकार की मेहरबानी से अब वह रजबाहा बनेगा और यह दो जिलों को कवर करने का काम करेगा। तीन गांवों की जमीन जो बिल्कुल बंजर हो चुकी थी और जहां पर नीचे का पानी भी ठीक नहीं है उस रजबाहे से उन गांवों को पानी मिलेगा। वे स्कीमें भी इनके समय में खराब और खण्डहर हुई हैं। स्पीकर साहब, इसके अलावा हरिजन बस्तियों में भी पानी की दशा बड़ी शोचनीय थी। अब यह जो सरकार ने 840 के करीब गांव इस स्कीम के तहत रखे हैं यह बहुत ही अच्छा कदम है और इससे गरीब आदमी को पानी मिलेगा क्योंकि बहुत सारी जगहें ऐसी भी हैं जहां पर हैंड पम्प भी कामयाब नहीं होता और लोगों को पीने का पानी भी मिल रहा है। यहां पर तो हम अपने-अपने इलाकों की बात करते हैं जहां पर हालात बहुत ज्यादा खराब नहीं कहे जा सकते हैं लेकिन हरियाणा में कुछ ऐसा एरिया भी है जो बिल्कुल रेतीला है और वहां पर पानी ऊंटों पर भी लाना पड़ता है। ऐसी जगहों पर पानी का प्रबन्ध करने की स्कीम भी सरकार ने बनाई है जिसके लिए सरकार बधाई की पात्र है। सरकार का यह बहुत ही सराहनीय कदम है। स्पीकर साहब, पंचायती राज के सिस्टम के बारे में भी मेरे साथियों ने बताया उसके लिए समितियां बनाई गई थीं जिनके जरिये से सारा डुप्लीकेट काम चला करता था। राजीव गांधी का पंचायती राज का जो सपना था आदरणीय मुख्यमंत्री जी और आज की सरकार ने उसको पूरा किया है। स्पीकर सर, इन्दौरा जी अपनी पार्टी की सरकार की बात तो बहुत करते हैं लेकिन मैं यह पूछना चाहती हूँ कि क्या एक हरिजन महिला

कभी सोच भी सकती थी कि वह सरपंच बनेगी, या समिति की चेयरमैन बनेगी या जिला परिषद की चेयरमैन बनेगी, यह सब राजीव गांधी का सपना था और आज वह सपना हकीकत में सच हुआ है। राजीव गांधी के नाम से ऐजुकेशनल सिटी बना कर हमारी सरकार ने एक बहुत ही अच्छा कदम उठाया है, मैं उसके लिए भी सरकार की आभारी हूँ।

श्री अध्यक्ष : ठीक है बहन जी, आपको बोलते हुए सात मिनट हो गए हैं, अब आप बैठें। (विघ्न) आप चीजों को रिपीट न करें।

श्रीमती प्रसन्नी देवी : अध्यक्ष महोदय, मैं रिपीट नहीं करूंगी मैं सिर्फ एक और बात कह कर अपनी बात को समाप्त करूँगी। मैं खादी की तरफ सरकार का ध्यान दिलाना चाहती हूँ। खादी को बढ़ावा देने के लिए राज्यपाल महोदय के ऐड्रैस में मुझे कोई भी बात नजर नहीं आई। खादी को बढ़ावा दिया जाना बहुत जरूरी है। गरीब आदमी खादी के लिए सूत कातने के लिए लेकर जाता था। उस समय खादी का कुछ महीने के लिए कंसैशन होता था। अध्यक्ष महोदय, उस समय सरकार 25 या 30 परसैंट कंसैशन देती थी। लेकिन इस बार हमारी सरकार किसी कारण से यह नहीं दे पायी होगी। मेरा सरकार से कहना है कि यह कन्सैशन जरूर मिलना चाहिए। इसी प्रकार से महिलाओं के लिए स्वास्थ्य के बारे में हमारी सरकार ने जो काम किया है वह बहुत सराहनीय है। प्रसूति के लिए जो सैंटर्ज या होस्पीटल्ज कायम करने का काम किया गया है इससे महिलाओं को बड़ा लाभ होगा। अध्यक्ष महोदय, हमारा रोहतक में पी.जी.आई है उसमें भी अच्छी सुविधाएं देने के लिए सरकार ने जो कदम उठाए हैं वह भी बहुत सराहनीय हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और कहना चाहती हूँ कि सरकार हर पहलू को ध्यान में रखकर चल रही है। मैं गरीब आदमी के बारे में एक बात कहना चाहती हूँ। पिछली सरकार तो भूल ही गयी थी कि गरीबी रेखा क्या है क्योंकि उस दौरान गरीबी रेखा में वह आदमी भी ला दिए गए जो गरीब नहीं थे और जो आदमी गरीब थे उनके लिए उस समय कोई गरीबी रेखा नहीं रखी गयी। मैं मुख्यमंत्री जी से कहना चाहती हूँ कि गरीबी रेखा में गरीब आदमी ही लाए जाने चाहिएं और जो हमारी विधवा बहनें हैं उनको इसके तहत मकान बनाने की प्राथोरिटी भी दी जानी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, एक और प्रार्थना मैं करना चाहूँगी। बहुत साल पहले इंदिरा गांधी जी के टाईम में हमारी कांग्रेस की सरकार ने सौ-सौ गज के प्लाट्स हर गांव में दिए थे। उसके बाद से कई पीढ़ियां आ गयीं लेकिन उनकी तरफ ध्यान नहीं दिया। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि वह इस बारे में भी कोई रास्ता निकाले उनको सौ-सौ गज के और प्लाट्स दें। जहां मुख्यमंत्री जी 1600 करोड़ रुपयों का रास्ता निकाल सकते हैं। तो उनके लिए इसका रास्ता निकालना भी मुश्किल नहीं होगा। इससे गरीब लोगों का बहुत भला होगा। अध्यक्ष महोदय, मैं पुनः आपका धन्यवाद करती हूँ कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

श्री साहिदा खान (तावडू) : स्पीकर साहब, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। हम सरकार को एक बात बताना चाहते हैं कि इस सरकार का अब जो कार्यकाल चल रहा है उसमें बहुत जुल्म हो रहे हैं। मेरे ऊपर और मेरे भाई भतीजों के ऊपर 307 का केस दर्ज कर दिया गया था जिसे मैंने बड़ी मुश्किल से वापस करवाया है। यह केस बिल्कुल झूठा था। वहां पर जो कांग्रेसी नेता हैं उन्होंने ऐसा करवाया था।

श्री अध्यक्ष : खान साहब, आप केवल गवर्नर ऐड्रैस पर ही बोलें।

श्री साहिदा खान : सर, मैं गवर्नर ऐड्रैस पर ही बोल रहा हूँ। अध्यक्ष महोदय, हमारा भी आपको अध्यक्ष बनवाने में हिस्सा है। हमने आपको सर्व सम्मति से चुना है इसलिए हम तो आपको सांझा मान रहे हैं।

श्री अध्यक्ष : खान साहब, कोई चाहे कितना ही बड़ा आदमी हो कानून अपना रास्ता लेगा।

श्री साहिदा खान : अध्यक्ष महोदय, कानून तो अपना काम करेगा लेकिन यह अच्छी बात नहीं है। इसी तरह से बिजली की बात की जाती है। पता तो हमें लगता है क्योंकि जब हम रात को सोते हैं तब भी लाईट नहीं होती है और जब सुबह को उठते हैं तब भी लाईट नहीं होती है। अध्यक्ष महोदय, इस तरह से अब हरियाणा का बेड़ा गर्क होने जा रहा है। इसी तरह से पब्लिक हैल्थ की बात है। पब्लिक हैल्थ का भी मेवात के अंदर बेड़ा गर्क हो गया है। वहां पर जैसे बुखारा, लौला, पचगावा आदि गांव हैं इनमें 15 दिन तक पानी नहीं आता। वे लोग साईकिलों पर जैसे तैसे पानी लेकर आते हैं। पता नहीं वे लोग कैसे कैसे अपना गुजारा करते हैं। अध्यक्ष महोदय, हम आपके माध्यम से कहना चाहते हैं कि हमारे साथ बहुत ज्यादती हो रही है। मेवात जो दक्षिणी हरियाणा में है लेकिन आज तक भी वहां के लिए किसी भी नहर की बात नहीं होती। वहां पर पीने के पानी का बहुत बुरा हाल है। इसी तरह से आज वहां पर कोई भी सुरक्षित नहीं है हम भी सुरक्षित नहीं हैं। वहां पर जो कांग्रेसी हैं वे सारे के सारे हमारे साथ बड़ा जुल्म कर रहे हैं। जो हमारे से पहले विधायक हुआ करते थे आपको पता ही है कि उन्होंने ही यह सारा किया है। यही बात मैं सरकार को बताना चाहता था। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

Mr. Speaker : Now, Shri Amir Chand Makkar will speak.

श्री अमीर चंद मक्कड़ (हांसी) : अध्यक्ष महोदय, सर्वप्रथम आपके सर्वसम्मति से चुने जाने पर आपको हार्दिक बधाई देना चाहता हूँ क्योंकि मुझे कल समय नहीं मिला था। आप जैसे अच्छे एजूकेटिड और सारी बात को संभालने वाले इस कुर्सी पर बैठे हैं। सी.एम. साहब को भी बधाई देता हूँ। जिन्होंने आपकी सलैक्शन कराई। सरकार ने थोड़े समय में ही बहुत से सराहनीय काम किए हैं। ग्रामीण विकास के बारे में भी इस सरकार ने थोड़े से समय में बहुत अच्छे काम किए हैं वह सराहनीय है। इंसान की सेहत के लिए सबसे पहले पीने का स्वच्छ पानी उपलब्ध कराना सबसे जरूरी काम है। इस सरकार ने 2 लाख के करीब गांव जिनमें 40 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन पानी मिलता था उनमें से आधे गांव में इस साल में यह योजना पूरी करने का प्रावधान किया गया है और वर्ष 2008 तक सभी गांव में पीने का पानी उपलब्ध करा दिया जाएगा। मैं सरकार से प्रार्थना करता हूँ कि मेरे हल्के में कई गांव हैं। हांसी शहर में भी पीने के पानी की बहुत ही ज्यादा किल्लत है और इसको दुरुस्त करने के लिए मैंने सरकार से प्रार्थना भी की थी। हांसी शहर में पीने का पानी स्वच्छ और सही ढंग से मिल सके इसके लिए वाटर वर्क्स की स्कीम पहले से सरकार के सामने आई हुई है उसे सरकार जल्दी कराए। मेरे हल्के में औरतें सुबह 3 बजे उठकर पानी भरने को मजबूर हैं तो पानी भी ठीक समय पर दिया जाए ताकि उनको इतनी भारी दिक्कत का सामना न करना पड़े। **(इस समय सभापतिपीठ की सूची में से एक सदस्य श्री आनन्द सिंह डांगी चेयर पर पदासीन हुए।)** सभापति महोदय, विकास के

बारे में इस सरकार ने बहुत ही सराहनीय काम किए हैं। थोड़े समय में सरकार ने 7 हजार करोड़ रुपये की राशि इस काम के लिए रखी है। इससे सरकार बेरोजगारी को दूर करने की दिशा में बहुत तेजी से कार्य कर रही है यह भी सराहनीय है। हांसी शहर में बहुत बड़ी मिल लगी हुई थी पिछली सरकार ने उसको एकदम बंद करके बेच दिया और हमारे यहां के कई मजदूर बेकार कर दिए और वे आज रिक्शा चलाने पर मजबूर हैं मेरी सरकार से प्रार्थना है कि सरकार काम तो कर रही है लेकिन फिर भी जहां बहुत बड़ी-बड़ी फैक्ट्रियां थीं और बंद हो गई हैं वहां अच्छे-अच्छे उद्योग लगाकर जो मजदूर बेकार फिरते हैं उनको रोजगार देने का काम सरकार करे ताकि उनको रोजी-रोटी की दिक्कत न हो। हांसी जो एक अच्छा औद्योगिक शहर है मुझे उम्मीद है कि सरकार इस बारे में जरूर कोई न कोई कदम उठाएगी। शहरी विकास के बारे में सरकार जितना बड़ा काम कर रही है वह भी एक सराहनीय काम है। हांसी शहर में जो पहले सौन्दर्यीकरण के लिए 1994-95 में काम किए थे, उसमें काफी कमियां हैं जिनको सरकार दूर तो कर रही है, सरकार पूरा ध्यान दे रही है। हर शहर की तरफ सरकार ध्यान दे रही है। हांसी भी एक ऐतिहासिक शहर है। हांसी जहां पीछे शहीदों ने काफी कुर्बानियां दी थी। वहां जो स्वतंत्रता सेनानी थे उनको वहां पर लाल रोड़ पर लिटाकर उन पर फिरनी फेर दी गई थी। आज भी वह सड़क लाल सड़क के नाम से मशहूर है। अब मैं शिक्षा के बारे में कहना चाहूंगा। सरकार शिक्षा पर बहुत पैसा खर्च कर रही है। जहां बच्चों की पढ़ाई के लिए सरकार प्रयासरत है। हांसी में भी एक कॉलेज की 1985-86 में नयी बिल्डिंग बनाकर कॉलेज में जगह दिलवाई थी अब उसका दूसरा खंड बनाने की जरूरत है क्योंकि बच्चों की तादाद पहले से बहुत बढ़ गई है और आज वहां उनको बैठने की जगह नहीं है। इसलिए दूसरा ब्लॉक बनाकर सरकार इन बच्चों को बैठने के लिए स्थान दे ताकि बच्चे आराम से बैठकर पढ़ सकें और अपनी शिक्षा आगे बढ़ा सकें। वहां पर लड़कियों का कोई कॉलेज नहीं है। लड़कों का तो सरकारी कॉलेज है वहां लड़कियों का कोई सरकारी कॉलेज नहीं है प्राईवेट कॉलेज तो है। इसलिए लड़कियों का सरकारी कॉलेज खोला जाए।

श्री सभापति : मक्कड़ साहब, वाईड अप कीजिए।

श्री अमीर चन्द मक्कड़ : चेयरपर्सन महोदय, बड़ा ढाणा से जमावड़ी की सड़क के लिए लोगों की काफी समय से मांग चली आ रही है कि इस सड़क को पक्का कर दिया जाए, खरकड़ा से अनाज मण्डी की सड़क की हालत बहुत खराब है यह सड़क आधी तो पक्की बन गई है और आधी अभी बननी बाकी है जिससे किसानों को बड़ी दिक्कत होती है। इस सड़क को जल्दी बनाया जावे। एक जी.टी. रोड़ से रामपुरा गांव तक की सड़क का बुरा हाल है इस सड़क को जल्दी बनाया जाये। इसी प्रकार से ढाणी पाल से शेखपुरा तक की सड़क की मन्जूरी सी.एम. साहब जब वहां गये थे तो देकर आये थे लेकिन अभी तक उस सड़क का काम शुरू नहीं हुआ है। इस सड़क का काम जल्दी शुरू करवाया जाए। स्पीकर साहब, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ और गवर्नर महोदय के अभिभाषण का समर्थन करता हूँ। धन्यवाद।

श्री नरेश यादव (अटेली) : सभापति महोदय, आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा करने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। माननीय सदस्यों ने सभी विषयों पर चर्चा की है क्योंकि समय का अभाव है इसलिए मैं सदन को यह बताना चाहता हूँ कि हमारे इलाके

[श्री नरेश यादव अटेली]

की एक मात्र फसल सरसों थी जोकि पाला पड़ने के कारण खत्म हो गई है। जैसा कि राधेश्याम शर्मा जी ने बताया। मैं भी चण्डीगढ़ से चला था और दादरी के आस-पास और जैसे-जैसे नारनौल और नांगल चौधरी तक गया वहां पर सारी सरसों की फसल बिल्कुल बर्बाद हो गई है। इसके अलावा पीने के पानी की काफी कमी है। यह बात बिल्कुल ठीक है कि इस सरकार ने बहुत कोशिश की है। पहली बार श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ऐसे मुख्यमंत्री बनाये हैं जिन्होंने पानी का समान बंटवारा किया है वरना पिछले 25-30 सालों में जो भी मुख्यमंत्री रहे किसी ने दक्षिणी हरियाणा को पानी दिलवाने की कोशिश नहीं की। इसके लिए मैं वर्तमान सरकार को बधाई देता हूँ। हमारे विपक्ष की पार्टी लोकदल के माननीय सदस्य एस.वाई.एल. के बारे में अब बात करते हैं लेकिन पिछले छः सालों में प्रदेश में लोकदल की सरकार थी, और इनका एलायंस भारतीय जनता पार्टी के साथ था और पंजाब में श्री प्रकाश सिंह बादल की सरकार थी और केन्द्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी जिसके प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी थे। जब तक पंजाब में श्री प्रकाश सिंह बादल की सरकार रही और सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद भी पिछली सरकार ने एस.वाई.एल. के पानी के बारे में कोई बात नहीं की। इस बारे में मेरी शिकायत कांग्रेस पार्टी की सरकार से है क्योंकि अब सैंटर में भी कांग्रेस पार्टी की सरकार है और पंजाब में भी कांग्रेस की सरकार है और हमारे प्रदेश में भी कांग्रेस पार्टी की सरकार है इसलिए जब सारा सदन इस बात को चाहता है कि एस.वाई.एल. नहर बननी चाहिए ताकि रावी-ब्यास नहर का पानी हरियाणा को मिल सके। मैं सदन के सभी सदस्यों और माननीय मुख्यमंत्री जी से कहना चाहता हूँ कि मुख्यमंत्री जी अभी बैठे नहीं है। पानी के समान बंटवारे के बारे में हरियाणा विधान सभा में एक सहमति बननी चाहिए और पानी के मामले में राजनीति नहीं होनी चाहिए। क्योंकि पानी हमारा छीना जा रहा है, फसलें हमारी बर्बाद हो रही हैं, फसलें दक्षिणी हरियाणा के लोगों की बर्बाद हो रही हैं। इस बार बारिश अच्छी हुई थी और किसान ने सपना संजोया था कि इस बार सरसों की अच्छी फसल होगी। हमारे यहां पानी की कमी होने के कारण हमने गेहूँ नहीं बोया, पूरे हरियाणा में सरसों की फसल बर्बाद हो गई। 90 प्रतिशत तक किसान का नुकसान हुआ है। सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री महोदय से निवेदन करना चाहूँगा कि मुख्यमंत्री ने ओलावृष्टि के दौरान किसानों को पिछले 10 सालों के मुकाबले सबसे ज्यादा मुआवजा दिया था। मैं कहना चाहूँगा कि उसी तर्ज पर सरसों की फसल का भी मुआवजा दिया जाए क्योंकि यह भी प्राकृतिक आपदा है। सभापति महोदय, मैं कहना चाहूँगा कि सरकार गिरदावरी करवाकर पूरे दक्षिणी हरियाणा के किसानों की सरसों की फसल का जो भारी नुकसान हुआ है उसका मुआवजा देना का प्रावधान करे। सभापति महोदय, मैंने मौके पर जाकर यह नुकसान देखा था इसलिए बताना चाहता हूँ कि एक एकड़ भूमि पर यह फसल तैयार करने के लिए किसान का लगभग 5 हजार रुपये खर्च हुआ है। कर्जा लेकर किसान ने यह फसल तैयार की और उसके बाद वह सपना संजो रहा था कि उसकी फसल पक जाएगी तो वह अपनी बेटी की शादी करेगा।

श्री सभापति : इस लाइन पर कई सदस्य बोल चुके हैं, बार-बार एक बात को रिपीट न करें, आपके पास कोई और प्वायंट हों तो बोलें वरना आपके बोलने का समय खत्म हो गया है।

सिंचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : सभापति महोदय, माननीय सदस्य ने जो सरसों की

फसल की तबाही की बात रखी है तो मैं इनको कहना चाहूँगा कि इसकी हमें भी चिन्ता है। सरसों की फसल जो सर्दी से बरबाद होती है उसके लिए मुआवजे के बारे में कोई प्रावधान नहीं है। मैं बताना चाहूँगा कि महेन्द्रगढ़ जिले के जितने ब्लाक हैं वे एग्रीकल्चर इंश्योरैंस स्कीम के तहत इंश्योर्ड हैं। पिछले 5 सालों में हेक्टेयर के हिसाब से जो फसल होती है उसमें परसैंटेज के हिसाब से अगर 80 प्रतिशत से नीचे नुकसान होता है तो इंश्योरैंस स्कीम के तहत जिन्होंने बैंक से लोन लेकर बिजाई की है उनको मुआवजा मिलेगा क्योंकि उनकी फसल बाकायदा इंश्योर्ड है। इस स्कीम में मस्टर्ड भी है और चना भी है। जहां-जहां नुकसान होगा वहां इंश्योरैंस स्कीम के तहत मुआवजा मिलेगा।

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : सभापति महोदय, पहली बार चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की सरकार ने हरियाणा प्रान्त में सरसों और चने की फसलों का बीमा करवाया। सभापति महोदय, आप जानते हैं आप खुद खेती-बाड़ी करने वाले परिवार से हैं और खुद खेती करते हैं आज तक। एक नवम्बर 1966 से आज तक कभी किसी सरकार ने सरसों और चने की फसल का कभी बीमा नहीं करवाया और न मुआवजे का प्रावधान करवाया। मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने यह फैसला किया और जैसा कि रिवैन्यू मिनिस्टर ने भी बताया कि इस बार 75 ब्लाक ऐसे हैं जिसमें इस सरकार ने बीमा करवाया, उसमें जो लोनीज हैं अगर 20 प्रतिशत से ज्यादा नुकसान होगा तो इंश्योरैंस फारमूले के तहत उन्हें मुआवजा दिया जाएगा। इसी तरह चने की फसल की भी पहली बार इंश्योरैंस की शुरुआत की गई है, मुझे लगता है कि शायद ही कोई और प्रान्त होगा जहां किसी मुख्यमंत्री ने चने और सरसों की फसल का बीमा करवाने की पहल की हो।

श्री नरेश यादव : सभापति महोदय, अभी मंत्री जी ने बीमा स्कीम के बारे में बताया।

श्री सभापति : नरेश जी, आपका समय समाप्त हो गया है।

श्री नरेश यादव : सभापति महोदय, मुझे दो मिनट का समय और दिया जाये। बीमें में जो फसलें कवर होती हैं उनके बारे में मैंने किसानों से पता किया है कि सभी फसलें बीमें में कवर नहीं होती। मैंने दो दिन का दौरा करके देखा है कि पूरे जिले में फसलों को भारी नुकसान हुआ है और कुछ फसलें ही बीमें में कवर हैं। मेरे जिले में ही नहीं बल्कि रिवाड़ी, झज्जर, गुड़गांव और दादरी आदि सभी जिलों में फसलों को नुकसान हुआ है। इसलिए मैं मुख्यमंत्री जी से निवेदन करूंगा कि चाहे नैचुरल कैलेमिटी में इन फसलों को कवर करें लेकिन सभी किसानों को उचित मुआवजा मिलना चाहिए।

श्री सभापति : यादव साहब, प्लीज आप बैठें। मुख्यमंत्री जी ने फसलों की जो बीमा योजना शुरू की है यह बहुत अच्छी स्कीम है। हरियाणा के अलावा और कहीं भी इस तरह की फसल बीमा योजना नहीं चल रही। प्लीज आप बैठें।

कैप्टन अजय सिंह यादव : सभापति महोदय, मैं इनको बताना चाहूँगा कि जो भारत सरकार ने प्रोवीजन किया है उसके मुताबिक नैचूरल कैलेमिटी में ये फसलें नहीं आती। जो लोनी हैं उनकी फसलें इन्श्योरैंस में हैं। इनके अलावा जो बाकी लोग हैं वे अपनी फसलों का इन्श्योरैंस करवायें। जब मस्टर्ड को हमने उसमें ले लिया है they should get their crops insured उनको भी मिलेगा।

श्री नरेश यादव : सभापति महोदय, मैं दो मिनट में अपनी बात समाप्त कर दूँगा। अभी मुख्यमंत्री जी सदन में आये हैं मैं उनसे आपके माध्यम से निवेदन करना चाहूँगा कि चारों तरफ विकास के कार्य हो रहे हैं। कहीं पर एजूकेशनल सिटी बनाई जा रही है, कहीं पर महिलाओं के लिए विश्वविद्यालय बनाया जा रहा है और कहीं पर पावर जनरेशन प्लांट लगाये जा रहे हैं। मेरा मुख्यमंत्री जी से निवेदन है कि हमारे क्षेत्र के साथ पहले वाली सभी सरकारों के समय में हमेशा भेद-भाव होता रहा है। चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी जब मुख्यमंत्री बने जो दक्षिणी हरियाणा से हैं तो हमें भी आशा जगी कि अब हमारे भी क्षेत्र का विकास होगा।

कैप्टन अजय सिंह यादव : सभापति महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ ऑर्डर है। मैं मेरे माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार बनने के बाद दक्षिणी हरियाणा में भी बराबर विकास के कार्य हो रहे हैं। रिवाड़ी जिले के मीरपुर गांव में जो रिजनल सैंटर पिछले दस सालों से बंद पड़ा था उसको शुरू करने का पत्थर स्वयं मुख्यमंत्री जी ने रखा है। उसको बनाने के लिए 5 करोड़ रुपये यूनिवर्सिटी वाले दे रहें हैं और 5 करोड़ रुपये हरियाणा सरकार देगी। इसलिए मेरे साथी जो बात कहें वह तथ्यों पर कहें।

श्री सभापति : नरेश यादव जी, प्लीज आप बैठें। दक्षिणी हरियाणा की तरफ सरकार विशेष ध्यान दे रही है, चाहे वहां पानी की बात है या कोई और बात है।

श्री नरेश यादव : सभापति महोदय, मैं अपनी बात एक मिनट में खत्म करता हूँ। मैं मुख्यमंत्री जी से निवेदन करता हूँ कि महेन्द्रगढ़ जिला एक पिछड़ा जिला है इसलिए वहां पर कोई पावर जनरेशन प्लांट, ट्रांसफार्मर ठीक करने का प्लांट, कोई यूनिवर्सिटी, विश्वविद्यालय या कोई मैडीकल कॉलेज एक चीज अवश्य बनवायें। हमें आपसे पूर्ण आशा है कि आप हमारी यह बात जरूर मानेंगे। आपकी सरकार पानी का समान बंटवारा करने के लिए जो नई नहर बनवा रही है जिसका लोकदल के भाई विरोध कर रहे हैं हम उनके मनसूबे कामयाब नहीं होने देंगे। इस बारे में कल अजय चौटाला का जो ब्यान आया है वह बहुत गलत ब्यान आया है। लोकदल के साथियों ने पिछले 30 सालों से हमें पानी से वंचित रखा है और आज सरकार वहां पानी पहुँचाने के लिए कोई स्कीम बना रही है तो लोकदल के लोग विरोध कर रहें हैं। इन्होंने परिसीमन में भी दक्षिणी हरियाणा को तोड़-मरोड़ कर पेश करने की कोशिश की है। ये लोग हमेशा से हमारा विरोध करते आ रहे हैं और कभी भी ये लोग दक्षिणी हरियाणा के पक्ष में नहीं रहे। मेरा मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि हम बाछौद गांव में मैडीकल कॉलेज बनाने के लिए 200 एकड़ जमीन देने के लिए तैयार हैं। कृपा करके वहां मैडीकल कॉलेज बड़ी हस्पताल के साथ बनवाया जाये ताकि वहां के बच्चे भी अच्छी शिक्षा ग्रहण कर सकें।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : सभापति महोदय, मेरे भाई नरेश यादव तीन बजे तक इंतजार करें इनको कुछ न कुछ अवश्य मिल जायेगा।

डॉ० शिव शंकर भारद्वाज (भिवानी) : सभापति महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ और राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का अनुमोदन करता हूँ। बड़े हर्ष का विषय है कि वर्ष 2006 बालिका वर्ष के रूप में मनाया

जा रहा है इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी को बधाई देता हूँ। मैं सरकार को इस बात के लिए भी बधाई देना चाहता हूँ कि 6 वर्ष से 14 वर्ष की आयु वर्ग की लड़कियों को स्कूलों में प्रवेश दिलाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना it will go a long way और इसके अलावा बालिकाओं के लिए टीकाकरण, रक्त अल्पता के उपचार, कृमि उपचार और दांतों की देखभाल के लिए ग्राम स्तर पर स्वास्थ्य की जांच के लिए एक विस्तृत कार्यक्रम शुरू किया गया है। हमारी सरकार महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए जहां इतना कुछ कर रही है मैं भी अपने भिवानी जिले के बारे में कुछ कहना चाहूँगा कि भिवानी में पिछले 50 सालों से लड़कियों का एक ही स्कूल है इसलिए वहां पर लड़कियों का एक स्कूल और बनवाया जाये। वहां पर सरकुलर रोड़ पर 14 एकड़ भूमि भी उपलब्ध है यदि इसी साल वहां लड़कियों का स्कूल बनाने की कार्यवाही शुरू कर दी जायेगी तो यह बालिका वर्ष बहुत अच्छा वर्ष वहां की लड़कियों के लिए होगा। सभापति महोदय, अब मैं बिजली के बारे में कहना चाहूँगा कि हमारी सरकार ने गैर-परम्परागत स्त्रोतों से बिजली उत्पादन की नीति बनाई है। यह नीति बहुत अच्छी नीति है। गैस आने वाले समय में मिले या न मिले इसमें काफी शंकाएं हैं लेकिन गैर-परम्परागत स्त्रोतों से यदि बिजली मिल सकती है तो बिजली की समस्या का समाधान हो जायेगा। बाढ़ से भिवानी को बार-बार नुकसान हुआ है। इसके लिए मैं कहना चाहूँगा कि जब भी बाढ़ आती है यदि उसी समय उसके लिए कदम उठाए जाते हैं तो उससे कोई ज्यादा फायदा लोगों को नहीं होता अगर बाढ़ आने से पहले प्रिवेंटिव कदम उठाए जाएं तो उससे हम काफी लोगों की बाढ़ से कुछ न कुछ रक्षा कर सकते हैं। स्पीकर सर, जहां तक औद्योगिक गति-विधियों का सवाल है, पूरे हरियाणा में बड़ी खुशी की बात है कि साठ हजार करोड़ से ज्यादा का निवेश हो चुका है और माननीय मुख्यमंत्री जी के दौरे पर 2200 करोड़ रुपये का निवेश जापान और कोरिया की तरफ से हुआ है। सभापति महोदय, आपके माध्यम से सरकार से मेरा अनुरोध है कि भिवानी को भी इसमें से कुछ न कुछ हिस्सा मिलना चाहिए। जिस तरह से समान पानी का बंटवारा किया जा रहा है इसी प्रकार से समान इण्डस्ट्रीज का भी बंटवारा हो और भिवानी को नये निवेश में से उसका कुछ न कुछ हिस्सा मिले। भिवानी का जितना विकास होना चाहिए था वह नहीं हो पाया। हमारे यहां जो बड़ी-बड़ी फैक्टरियां हैं जैसे कि मोता फैक्टरी थी, एक रामा फाईबर फैक्टरी थी, एक सैंचरी टयूब्ज थी, एक सरस्वती मिल थी वह सब बन्द हो गई हैं। अगर हम देखें तो इण्डस्ट्रियली रूप से भिवानी में उद्योग डाउनहिल जा रहे हैं जिसके कारण भिवानी में बेरोजगारी बढ़ी है। इसलिए मेरा यह निवेदन है कि कुछ न कुछ हिस्सा भिवानी की तरफ भी डाईवर्ट होना चाहिए। **(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)** अध्यक्ष महोदय, हैल्थ फॉर ऑल बहुत ही अच्छी स्कीम है और बड़े ही अच्छे तरीके से चल रही है। यह बड़ी खुशी की बात है कि पंचकूला में सी.सी.यू. का निर्माण किया जा रहा है यह बहुत ही स्वागत योग्य कदम है। मैं समझता हूँ कि भिवानी का अस्पताल हरियाणा की शान है और पूरे प्रदेश में जिला स्तर पर सबसे बड़ा अस्पताल है इसलिए वहां पर भी इस प्रकार का सी.सी.यू.चलाया जाना चाहिए। भाई नरेश यादव ने दक्षिणी हरियाणा के लिए एक मांग रखी है। अगर भिवानी के इस सिविल अस्पताल को मैडिकल कॉलेज बना दिया जाए तो यह एक बहुत ही बड़ा काम होगा तथा दक्षिणी हरियाणा की एक बहुत बड़ी प्रॉब्लम सोल्व हो जाएगी। अध्यक्ष महोदय, स्लम्ज में रहने वाली महिलाओं के लिए जननी योजना, आशा योजना, विकल्प योजनाएं बनाई जा रही हैं। निश्चित रूप से ये योजनाएं स्वागत योग्य हैं। जहां तक डिफैंस कॉलोनीज का सवाल है, यह बहुत ही अच्छी बात है कि रोहतक, रिवाड़ी, पंचकूला, झज्जर और

[डॉ० शिव शंकर भारद्वाज]
जींद में डिफैंस कॉलोनीज बनाई जा रही हैं लेकिन मैं इस सदन का ध्यान इस तरफ आकर्षित करवाना चाहता हूँ कि भिवानी में एक्स-सर्विसमैन की संख्या इस प्रदेश में सबसे अधिक है इसलिए डिफैंस कॉलोनी भिवानी में भी जरूर बननी चाहिए ताकि वहां के एक्स-सर्विसमैन को भी कुछ न कुछ फायदा मिल सके। अध्यक्ष महोदय, मैं ज्यादा समय न लेते हुए इरिगेशन मिनिस्टर साहब को इस बात पर बधाई देता हूँ कि पहली बार ऐसा हुआ है कि टेल पर हमारे क्षेत्र के जो गांव हैं वहां पर पानी पहुँचा है। पानी की सप्लाई के बारे में इरिगेशन मन्त्री जी को मैं पहले भी अपने क्षेत्र की समस्याओं के बारे में लिख कर दे चुका हूँ। मैं यह निवेदन करता हूँ कि इस दिशा में सतत् प्रयास होने चाहिएं ताकि किसानों को पानी मिल सके। (विघ्न) विजन 2020 बनाने का प्रस्ताव हरियाणा को निश्चित रूप से प्रगति के पथ पर ले कर जाएगा इसके लिए मैं हरियाणा के मुख्यमंत्री जी को बधाई देना चाहता हूँ। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

बैठक का स्थगन

Transport Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) : Mr. Speaker Sir, with your kind permission I want to request you that the proceedings of the House may conclude today at 1.00 p.m.

Mr. Speaker : Is it the sense of the House that the House be adjourned at 1.00 p.m. ?

Voices : Yes.

Mr. Speaker : The House will be adjourned at 1.00 p.m. today.

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री हबीब-उर-रहमान (नूंह) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिए समय दिया मैं जनाब का तहेदिल से शुक्रिया अदा करता हूँ। (विघ्न) महामहिम राज्यपाल महोदय का जो अभिभाषण था वह हमने सुना भी है और पढ़ा भी है। इस अभिभाषण से हमारे चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की सरकार की मन्शा जाहिर होती है कि हरियाणा प्रदेश के लिए सरकार क्या-क्या करना चाहती है। इस अभिभाषण को एक आईने के रूप में देखा गया है। इससे यह जाहिर होता है कि चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी हरियाणा प्रदेश की जनता की भलाई के लिए बहुत बड़े-बड़े कार्य करना चाहते हैं। मैं जनाब के माध्यम से अपने इलाके की कुछ समस्याओं के बारे में बताना चाहूँगा। चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा और पूरा सदन यहां पर विराजमान है। मैं कुछ समस्याएं यहां पर रखना चाहूँगा। हरियाणा में सबसे बैकवर्ड एरिया अगर कोई है तो पहला नम्बर मेवात का है। चाहे वह इकोनोमिकली वे में हो या चाहे ऐजूकेशनली वे में हो, किसी भी तरह से आप देख लीजिए सबसे ज्यादा बैकवर्ड एरिया

मेवात का है। हमारे दक्षिणी हरियाणा के महेन्द्रगढ़ और रिवाड़ी के विधायक जो बैठे हैं अक्सर दक्षिणी हरियाणा का नाम लेकर केवल रिवाड़ी और महेन्द्रगढ़ तक ही वे सीमित रह जाते हैं लेकिन मैं समझता हूँ कि मेवात भी दक्षिणी हरियाणा का ही हिस्सा है। जब भी दक्षिणी हरियाणा की बात आए तो मेवात को भी इसमें जोड़ा जाना चाहिए। जो हमारा मेवात का एरिया है वहां पर न तो सही मायनों में पीने का पानी है और न ही सिंचाई के साधन हैं। इससे पहले जो भी सरकारें रहीं हैं उनके समय में मेवात की अनदेखी होती रही है। भूपेन्द्र सिंह हुड्डा साहब ने बड़ा रहमोकर्म फरमाया है कि वहां पर एक नया जिला बनाया गया है और राजीव गांधी जल परियोजना शुरू की है जोकि वहां पर पीने के पानी की समस्या को दूर करेगी। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार की नजरें जरूर मेवात की तरफ हुई हैं लेकिन इसके बावजूद भी समस्याएं बहुत हैं। मैं गुजारिश करना चाहूँगा कि मेवात की समस्याओं की ओर भी विशेष ध्यान दिया जाए। मेवात में पानी नहीं है। वहां पर केवल सरसों की ही फसल अधिकतर होती हैं लेकिन वह भी पाले की वजह से 90 परसैंट बल्कि 100 परसैंट तक खत्म हो गयी है जिसके कारण वहां के किसानों की हालत बहुत ही खराब है। इसके रहते-रहते ही वहां के किसान और नीचे चले जाएंगे। मैं सरकार से मांग करूंगा कि वहां पर स्पेशल गिरदावरी करवाकर मुआवजा दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने यह फैसला लिया है कि हर डिस्ट्रिक्ट में मॉडल स्कूल खोला जाएगा। सारे जिलों में तो मॉडल स्कूल खोले गये हैं लेकिन जो हमारा अभी नया जिला मेवात के नाम से अनाउंस किया गया है वहां पर यह मॉडल स्कूल नहीं खोला गया है। मेहरबानी करके वहां पर भी यह मॉडल स्कूल खोला जाए। पहले तो गुड़गांव और मेवात एक ज्वायंट जिला था लेकिन अब जब मेवात को नया जिला बनाने के बारे में अनाउंस किया गया है तो वहां पर नवोदय विद्यालय भी खोला जाना चाहिए। पहले जो नवोदय विद्यालय था वह भौंडसी में था लेकिन अब वह गुड़गांव जिले में चला गया है इसलिए मेरी मांग है कि मेवात में नये नवोदय विद्यालय के नाम से अलग से बिल्डिंग बनायी जाए और वहां यह विद्यालय कायम करवाया जाए। अध्यक्ष महोदय, हमारा मेवात का इलाका लास्ट में टेल पर पड़ता है इसलिए हमसे ऊपर वाले इलाकों के लोग हमारे यहां तक पानी नहीं पहुँचाने देते। बहुत कम पानी वहां तक पहुँचता है। मेरी सरकार से गुजारिश है कि वाकई में अगर मेवात के लिए इस सरकार के दिल में हमदर्दी है तो मैं एक सबमिशन देना चाहता हूँ। अगर यह स्कीम सरकार के द्वारा पूरी हो जाए तो मेवात की पानी की समस्या पूरी हो सकती है। कोटला लेक को डिवैल्प किया जाए और जो बरसात का पानी अभी उजीना ड्रैन के थ्रू वेस्ट होकर यमुना में चला जाता है उसको इस लेक में इकट्ठा किया जाए। ऐसा करके फर्दर डिस्ट्रीब्यूटरी के थ्रू इरीगेशन का काम भी किया जा सकता है प्लस वहां के जमीन के पानी की रिचार्जिंग का काम भी किया जा सकता है। अध्यक्ष महोदय, इस तरह से वहां पानी की प्राब्लम दूर हो सकती है। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष : धन्यवाद आपका भी। अब श्री राम कुमार गौतम जी बोलेंगे।

श्री राम कुमार गौतम : अध्यक्ष महोदय, समय की बहुत कमी है क्योंकि अभी एक बजे आपने हाउस को ऐडजर्न कर देना है इसलिए मेरी आपसे गुजारिश है कि 16 तारीख को मुझे बोलने के लिए समय दे दिया जाए। मेरी आपसे प्रार्थना है कि अभी जो और भाई बोलना चाहते हैं तो उनको दो मिनट का समय बोलने के लिए दे दिया जाए।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, अब श्री सुखबीर फरमाणा बोलेंगे।

श्री सुखबीर सिंह (रोहट) : अध्यक्ष महोदय, मैं सबसे पहले आपको बधाई देना चाहता हूँ कि इतने बढ़िया स्पीकर हमारे को मिले हैं। जो कि मेरे ख्याल में बहुत ज्यादा विद्वान हैं। मैं मुख्यमंत्री जी को भी इसके लिए बधाई देता हूँ कि उनका सर्वसम्मति से चुनाव हुआ। सभी लोग यहां पर कह रहे हैं। कोई कह रहा है कि दक्षिणी हरियाणा पिछड़ा हुआ है, कोई कह रहा है कि मेवात बहुत पिछड़ा इलाका है। कोई कह रहा है कि भिवानी बहुत पिछड़ा हुआ है लेकिन मैं कहना चाहता हूँ कि सबसे पिछड़ा हुआ सोनीपत है और उसमें सबसे पिछड़ा हुआ खरखोदा है। वहां जाकर देख लो आज भी कोई बस अड्डा नहीं है। दस जमा दो का स्कूल नहीं है। शिक्षा मंत्री जी वह 15 हजार की आबादी वाला कस्बा है। दिल्ली के पास है। (विघ्न) मैं तो गांव में दसवीं तक पढ़ा हूँ तब वहां दस जमा दो का भी स्कूल नहीं था फिर मैं शहर में कॉलेज में गया।

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : खरखौदा पिछड़ा हुआ नहीं है। सरकार का वहां आई.एम.टी. मानेसर के बराबर आई.एम.टी. बनाने का इरादा है। सरकार ने इस बारे में फैसला कर दिया है।

श्री सुखबीर सिंह : मुख्यमंत्री जी, बस अड्डा तो बनवा दें। अब आदेश करेंगे तब जाकर काम शुरू होगा। बस अड्डे के लिए पैसे भी सैंक्शन हो रहे हैं फिर भी नहीं बना है। एक समस्या और है कि यह जो जीप वाले ड्राइवर हैं; प्राइवेट जीप वाले हैं; जैसाकि मान साहब ने भी कहा है। यह बहुत ज्यादा परेशान हैं। हमारे लत्ते फाड़ते हैं, जगह-जगह बंध लगाते हैं इनकी सुनवाई सरकार करे, ये बहुत परेशान हैं, ये बेरोजगार हैं इनका 5-5 हजार का चालान होता है। इनके इतने भारी चालान न किए जाएं। एक जो रोहतक और सोनीपत में जमीन महंगी हो गई है वहां पर गरीब आदमी के बस की जमीन खरीदनी, प्लॉट खरीदना और मकान बनाना नहीं रहा। वहां सरकार जमीन ऐक्वायर करके उन लोगों के लिए प्लॉट काटे जाएं। यह बहुत ही जरूरी समस्या है। मेरे पास काफी सारे टैलीफोन आते हैं। वैसे भी मिलते हैं। वे कहते हैं कि इतनी मंहगी जमीन हम नहीं खरीद सकते हैं। हमारा क्या हाल होगा। जब 25 लाख रुपये किले का रेट हो जाएगा तो गरीब आदमी कैसे खरीदेगा? किसान को तो जमीन का मुआवजा मिल जाएगा लेकिन बाकी लोग कहां जाएंगे। एक जो यह बिजली के कट लगते हैं इनका टाइम फिक्स कर दिया जाए क्योंकि गांव में लोग यह कहते हैं कि चाहे चौटाला हरियाणा को लूट के खा गया लेकिन बिजली जरूर देता था इसलिए कट का टाइम फिक्स होना चाहिए ताकि लोगों को पता रहे और लाइट आने पर वे अपने काम जैसे सानी काटना, दूध बिलोना आदि जैसे काम या जो भी काम हैं वे कर सकें। इन शब्दों के साथ आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूँ।

चौ० अर्जन सिंह : अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का समय दिया। मेरे हल्के की दो तीन छोटी-छोटी बातें हैं। एक तो हल्के की समस्याएं हैं। एक बांध की है जो पिछली बरसात में वहां फ्लड आया था वहां आज तक कोई काम नहीं लगा। एक सड़क जो मुख्यमंत्री जी ने मंजूर की थी वह जो भी थी वहां कच्चुआ चाल से काम हो रहा है।

शिक्षा मंत्री (श्री फूल चंद मुलाना) : मुआवजा तो मिला होगा ?

चौ० अर्जन सिंह : मुआवजा तो 26 रुपये के हिसाब से और 21 रुपये के हिसाब से मिला है जो कि नाम मात्र है। जो सच्चाई होगी वह तो मैं कहूँगा। मैं यह मानता हूँ कि मुख्यमंत्री जी की नीयत ठीक है। इन्दौरा साहब की एक बात से मैं सहमत हूँ कि बिजली की बहुत बड़ी समस्या है बड़ी भारी दिक्कत है। इन्दौरा साहब बहुत ही अच्छे आदमी हैं वे जो आठ मैंबर यहां इनैलो के चुनकर आए हैं ये इनकी अपनी क्वालिटी से यहां आए हैं ये अपनी पार्टी के आधार पर नहीं आए हैं। (शोर एवं व्यवधान) जहां तक इनकी पार्टी के नेता की बात है। मुख्यमंत्री जी, आप इनकी भावना को समझने की कोशिश करो। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : डॉ० साहब, यह सारे सदन का साझला आदमी है। इसको छोड़ो। (हंसी)

चौ० अर्जन सिंह : मैं किसी की तारीफ नहीं कर रहा हूँ। जो सच्चाई है वह कह रहा हूँ पिछली बार चौटाला जी के राज में तो इनकी चली नहीं थी। अब इस सरकार से इनको उम्मीदें हैं। इनकी भावना को भी समझ लो। मेरे कहने का जो भाव है। इनकी इस बात से भी मैं सहमत हूँ जो ऑफीसर लगे हैं वे जरूर लापरवाही कर रहे हैं। आप लोग पैसा मंजूर करते हैं लेकिन काम फिर भी कछुआ चाल से ही हो रहा है। आप इन पर थोड़ा सा शिकंजा कसो। रामचंद्र जी ने जब रावण को मारा था तो उससे शिक्षा लेने गया था जबकि उसका दुश्मन था। चौधरी बंसी लाल जी के राज्य शासन काल में जो भी काम हुए वे टाइम बाउंड हुए थे। चाहे हथनीकुंड बैराज था वह दो साल की अवधि में पूरा हुआ था और दादूपुर नलवी का पुल डेढ़ साल की रिकार्ड अवधि में पूरा हुआ था। मिनी सैक्रेटेरियट बना था वह भी टाइम बाउंड पूरा हुआ था।

श्री अध्यक्ष : अर्जन सिंह जी आप बैठ जाइए। आपका दो मिनट का समय था। आपको बोलते हुए साढ़े तीन मिनट हो गए हैं। अब आप बैठ जाइए।

Mr. Speaker : Now, the House stands adjourned till 2.00 P.M. on Monday, the 16th January, 2006.

13.00 Hrs. (The Sabha then *adjourned till 2.00 p.m. on Monday, the 16th January, 2006)

41116-H.V.S.—H.G.P., Chd.